धनबाद, मंगलवार
22 अप्रैल 2025
वर्ष : 10 अंक : 322
पृष्ठ : 12
मूल्य : 3/-

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नई पत्र वार्ता

सोच आगे की ...

बोकारो में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता, मुठभेड़ में 8 नक्सली ढेर, 1 करोड़ का इनामी भी मारा गया

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

रांचीः बोकारो जिले के लुगु पहाड़ पर सोमवार की सुबह सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में एक करोड़ के इनामी नक्सली प्रयाग मांझी उर्फ विवेक सहित आठ माओवादी मारे गए हैं। मारे गए नक्सलियों में तीन की पहचान हो चुकी है।

तीन की हुई पहचान

जिनकी पहचान हुई है, उनमें माओवादियों का सेंट्रल कमेटी सदस्य सह एक करोड़ का इनामी प्रयाग मांझी उर्फ विवेक, स्पेशल एरिया कमेटी सदस्य अरविंद यादव व जोनल कमेटी सदस्य सह दस लाख रुपये का इनामी साहब राम मांझी शामिल हैं।

अरविंद यादव उर्फ अविनाश मूल रूप से बिहार के जमुई जिले के सोनू थाना क्षेत्र के ढेलगा, मोहनपुर का रहने वाला था और झारखंड में सक्रिय था।

उसपर इनाम की घोषणा अभी नहीं हुई थी। उसके रैंक के अनुसार उसपर 25 लाख रुपये का इनाम रखा जाना था। वर्तमान में अरविंद यादव पर बिहार में तीन लाख का इनाम है। शेष पांच नक्सलियों के शव की पहचान की कोशिश चल रही है।

हथियार भी हुए बरामद

सुरक्षा बलों का अभियान जारी है। अब तक सर्च अभियान में मारे गए नक्सलियों के पास से चार इंसास राइफल, एक एसएलआर व एक रिवाल्वर की बरामदगी हुई है। प्रयाग मांझी का पूरा नाम प्रयाग मांझी उर्फ विवेक उर्फ फुचना उर्फ नागो मांझी उर्फ करण उर्फ लेतरा है।

गृह मंत्रालय ने किया ट्वीट

सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ के बाद गृह मंत्रालय ने ट्वीट कर लिखा कि 'नक्सलवाद को खत्म करने की हमारी मुहिम निरंतर जारी है। आज सुरक्षा बलों को नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ने के लिए चल रहे अभियान में एक और बड़ी सफलता मिली झारखंड के बोकारो में लुगु हिल्स में मुठभेड़ में 8 माओवादी मारे गए, जिनमें एक शीर्ष स्तर का नक्सली नेता विवेक, जिस पर 1 करोड़ रुपये का इनाम था, और दो अन्य कुख्यात नक्सली शामिल हैं। ऑपरेशन जारी है। हमारे सुरक्षा बलों की सराहना करें।'

डीजीपी ने की प्रेस कांफ्रेंस

डीजीपी अनुराग गुप्ता ने पुलिस मुख्यालय में सोमवार की दोपहर प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि माओवादियों का सेंट्रल कमेटी सदस्य प्रयाग मांझी उर्फ विवेक व केंद्रीय कमेटी सदस्य सहदेव सोरेन तथा अन्य 20-25 नक्सलियों का सशस्त्र दस्ता लुगु पहाड़ पर मौजूद है।

बड़ी घटना को अंजाम देने की बना रहे थे योजना

शेष पृष्ठ-4.....

ब्रीफ न्यूज

झारखंड खो-खो बालिका टीम ने जीता कांस्य पदक

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

रांची : 18 से 20 अप्रैल तक ब्लू बेल्स पब्लिक स्कूल अतरौलिया, आजमगढ़ (उत्तरप्रदेश) में आयोजित द्वितीय जूनियर राष्ट्रीय सुपर स्पीड खो-खो प्रतियोगिता में झारखंड की बालिका टीम ने कांस्य पदक प्राप्त कर इतिहास रच दिया।

यह प्रतियोगिता सुपर स्पीड खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में आयोजित की गई थी। तीसरे स्थान के लिए झारखंड की टीम ने कड़े संघर्षपूर्ण मैच में उत्तर प्रदेश को 22-13 अंकों से पराजित कर कांस्य पदक प्राप्त कर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया।

झारखंड की टीम की ओर से कप्तान पूजा कुमारी, अन्नुप्रिया उरांव, आस्था तिग्गा, पूजा तिर्की और कोमल कुमारी का शानदार प्रदर्शन रहा।

टीम के शानदार प्रदर्शन पर झारखंड राज्य सुपर स्पीड खो-खो एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष भरत सिंह, महासचिव विवेक कुमार, कोषाध्यक्ष सहजाद कुरैशी,संयुक्त सचिव नीतेश साहू, संजय कुमार, सुभाष गांगुली, श्रीकांत कुमार, निखिल कुमार, अभिषेक कुमार एवं दिव्या रानी ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी है।

झारखंड में मौसम का तापमान पहुंचा 41 डिग्री के पार

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

रांचीः झारखंड में मौसम ने फिर से बदलाव हुआ है। राज्य के कई जिलों में तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया है। इसका सीधा असर राज्य के जन-जीवन पर पड़ रहा है।

मौसम विभाग के अनुसार राजधानी रांची में भी तापमान 36 डिग्री को पार कर गया है। जबकि डालटेनगंज में तापमान 41.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

वहीं गढ़वा में तापमान 40.5, सरायकेला में 40.7 और गुमला में भी अधिकतम तापमान बढ़कर 38.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

मौसम विभाग ने आनेवाले दिनों में तापमान में और वृद्धि होने की आशंका जतायी है।

तापमान बढ़ने से पलामू और गढ़वा सहित कई जिलों में फिर से लू चलने लगी है।

सिंदरी में मानव तस्करी का मामले का खुलासा, चार गिरफ्तार

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

सिंदरी : सिंदरी थाना क्षेत्र में मानव तस्करी के एक बड़े मामले का रविवार रात खुलासा हुआ, जब दो नाबालिग लड़कियों के अचानक लापता होने की सूचना से हड़कंप मच गया। परिजनों द्वारा विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के स्थानीय कार्यकर्ताओं को सूचना देने के बाद मामला तूल पकड़ गया। कार्यकर्ताओं ने तत्परता दिखाते हुए गुप्त सूचना के आधार पर एक संदिग्ध स्थान पर दबिश दी, जहां से दोनों नाबालिग लड़कियों को सकुशल बरामद कर लिया गया। इस दौरान मौके से मानव तस्करी गिरोह के चार सदस्यों को भी पकड़ा गया, जिन्हें तत्काल सिंदरी पुलिस को सौंप दिया गया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पुलिस गहन पूछताछ कर रही है। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि गिरोह का नेटवर्क जिले से बाहर तक फैला हुआ हो सकता है, और यह भी आशंका जताई जा रही है कि लड़कियों को बाहर भेजने की योजना थी। सिंदरी थाना प्रभारी ने

बताया कि आरोपियों के खिलाफ पोक्सो एक्ट और मानव तस्करी के तहत मामला दर्ज किया गया है। साथ ही, यह भी स्पष्ट किया कि मामले की तह तक जाने के लिए छानबीन जारी है। पुलिस अन्य संभावित पीड़ितों और गिरोह के नेटवर्क को उजागर करने में जुटी है।

गिरोह के नेटवर्क को उजागर करने में जुटी पुलिस

बताया जा रहा है कि दोनों नाबालिग रविवार रात से ही गायब थीं, जिससे परिवारजन काफी परेशान थे। उनकी खोजबीन में जब कोई सुराग नहीं मिला, तो उन्होंने विहिप के कार्यकर्ताओं से संपर्क किया। तत्परता और सतर्कता के कारण समय रहते बच्चियों को बचा लिया गया और एक बड़ी आपराधिक साजिश का पर्दाफाश हो सका।

बजरंग दल ने सिंदरी में बचाई हिंदू लड़कियों की इज्जत, 4 आरोपित गिरफ्तार

धनबाद के सिंदरी में बजरंग दल ने हिंदू शेष पृष्ठ-4.....

पोप फ्रांसिस नहीं रहेः वेटिकन ने जारी किया शोक संदेश, दुनियाभर में शोक की लहर

वेटिकन सिटी,(एजेंसी) : कैथोलिक ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस का 88 साल की उम्र में निधन हो गया। वे पिछले कुछ समय से फेफड़ों में इन्फेक्शन की शिकायत के चलते अस्पताल में भर्ती थे। वेटिकन कैमरलेन्गो कार्डिनल केविन फेरेल ने पोप फ्रांसिस के निधन की घोषणा की है। पोप फ्रांसिस के निधन से वेटिकन समेत संपूर्ण दुनियां में शोक की लहर है।

ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस का वेटिकन सिटी में निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे। निमोनिया की शिकायत के चलते पोप फ्रांसिस को पिछले दिनों अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पॉप फ्रांसिस के निधन की वेटिकन सिटी द्वारा घोषणा कर दी गई है। पोप फ्रांसिस ने 88 साल की उम्र में अंतिम सांस ली। जानकारी अनुसार निधन से एक दिन पूर्व ही अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने उनसे मुलाकात की थी। पोप फ्रांसिस के निधन से वेटिकन समेत पूरी दुनिया में शोक की लहर है।

यहां बताते चलें कि पोप फ्रांसिस पिछले एक हफ्ते से ब्रोंकाइटिस से पीड़ित थे। इसके चलते उन्हें शुक्रवार, 14 फरवरी को जेमेली अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इस दौरान उनका निमोनिया और एनीमिया का इलाज चल रहा था, लेकिन उनकी हालत बिगड़ती गई। इलाज के दौरान कैथलिक चर्च के वेटिकन ने बताया था कि पोप की ब्लड टेस्ट रिपोर्ट में किडनी फेल होने के लक्षण दिखे। इसके साथ ही प्लेटलेट्स भी कम पाई गईं। हालांकि इलाज के बाद उन्हें अस्ताल से डिस्चार्ज भी कर दिया गया था।

पहले गैर-यूरोपीय थे पोप फ्रांसिस

कैथोलिक चर्च के इतिहास में एक नया अध्याय 2013 में जुड़ा, जब अर्जेंटीना के जेसुइट पादरी जॉर्ज मारियो बर्गोग्लियो को चर्च का सर्वोच्च धर्मगुरु पोप फ्रांसिस चुना गया। वे रोमन कैथोलिक चर्च के 266वें पोप रहे और बीते 1000 वर्षों में पहले ऐसे पोप बने जो यूरोप से नहीं, बल्कि दक्षिण अमेरिका से ताल्लुक रखते थे शेष पृष्ठ-4.....

इटावा सफारी पार्क में शेरनी रूपा ने चार शावकों को दिया जन्म, शेरों की संख्या हुई 22

इटावा, (एजेंसी) : उत्तर प्रदेश के इटावा जनपद में स्थित सफारी पार्क में बब्बर शेरनी रूपा ने चार शावकों को जन्म दिया है। चारों नवजात शावक पूरी तरह स्वस्थ्य हैं। सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से शेरनी रूपा और नवजात शावकों के स्वास्थ्य एवं व्यवहार पर पशुपालन विभाग और सफारी पार्क के अधिकारी निगरानी रखे हुए हैं। इटावा सफारी पार्क में बब्बर शेरों की संख्या 22 हो गई है।

सफारी पार्क के निदेशक डॉक्टर अनिल पटेल ने सोमवार को बताया कि सफारी पार्क के बब्बर शेर प्रजनन केंद्र में बीते 26 जून 2019 को जन्मी बब्बर शेरनी रूपा ने आज तीसरी बार शावकों जन्म दिया है। उन्होंने बताया कि बब्बर शेरनी रूपा की मीटिंग गुजरात से आए बब्बर शेर कान्हा से 05 जनवरी को हुई थी। उन्होंने बताया कि शेरनी रूपा के प्रसव की सम्भावित तिथि 17 से 21 अप्रैल होने के कारण सफारी प्रशासन उस नजर रख रहा था। शेरनी रूपा ने पहले शावक 12.35 बजे, दूसरा शावक 01.42 बजे तथा तीसरा

शावक आज प्रातः 05.59 बजे तथा चौथा शावक प्रातः 09.10 बजे जन्म दिया। शेरनी रूपा व चारों नवजात शावक स्वस्थ हैं। शेरनी ने चारों शावकों को अपना दूध पिलाना शुरू कर दिया गया है।

उन्होंने बताया कि चारों नवजात शावकों और बब्बर शेरनी रूपा की विशेष देखभाल पशु चिकित्सकों की टीम के द्वारा की जा रही है। सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से शेरनी रूपा एवं नवजात चारों शावकों के स्वास्थ्य एवं व्यवहार पर उत्तर प्रदेश पशुपालन विभाग के डॉ आर.के. सिंह, उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी सफारी पार्क के वन्यजीव चिकित्सक डॉ रोबिन सिंह यादव एवं डॉ शैलेन्द्र सिंह पूरी निगरानी रखे हुए हैं।

उल्लेखनीय है कि इटावा सफारी में इससे पूर्व 03 सितंबर 2023 को शेरनी रूपा ने एक शावक को जन्म दिया था, जिसे शेरनी के दूध न पिलाए जाने के कारण कीपर एवं वन्यजीव चिकित्सकों ने हैण्ड फीडिंग कराई गई थी, जो अब डेढ़ वर्ष का हो गया है। शेष पृष्ठ-4.....

हमारे आज के निर्णय तय करेंगे एक हजार साल का भविष्य : पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी) : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17वें सिविल सेवा दिवस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार के लिए जिलों का समग्र विकास और लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार से चुनिंदा नवाचार पर ई-कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि इस बार का सिविल सेवा दिवस कई वजहों से बहुत विशेष है। इस साल हम अपने संविधान का 75वां वर्ष मना रहे हैं और ये सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती के भी साल है। 21 अप्रैल, 1947 को सरदार वल्लभभाई पटेल ने आप सभी को स्टील फ्रेम ऑफ इंडिया कहा था। उन्होंने स्वतंत्र भारत की ब्यूरोक्रेसी की नई मर्यादाएं तय की थी। एक ऐसा सिविल सर्वेंट जो राष्ट्र की सेवा को अपना सर्वोत्तम कर्तव्य माने, जो लोकतांत्रिक तरीके से प्रशासन चलाए, जो ईमानदारी, अनुशासन और समर्पण से भरा हुआ हो।

पीएम मोदी ने कहा कि कुछ समय पहले मैंने लाल किले से कहा था कि आज के भारत को आने वाले 1 हजार साल की नींव को मजबूत करना है। एक हिसाब से देखें तो 1 हजार साल की सहस्त्राब्दी में पहले 25 साल बीत गए हैं। ये नई शताब्दी का 25वां साल है और नई सहस्त्राब्दी का भी 25वां साल है। हम आज जिन नीतियों पर काम कर रहे हैं, जो निर्णय ले रहे हैं, वो 1 हजार साल का भविष्य तय करने वाले हैं। उन्होंने कहा, विकसित भारत के हमारे लक्ष्य की प्राप्ति के लिए भी विकास रथ के हर चक्र को मिलकर चलना है। दृढ़ प्रतिज्ञ होकर हर क्षण, हर दिन इस लक्ष्य के लिए काम करना है। लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जीना है, जिंदगी खपानी है।

हर गांव को डिजिटल अर्थव्यवस्था का लाभ

पीएम मोदी ने कहा कि 2014 के बाद से देश में व्यवस्था परिवर्तन का एक बहुत बड़ा महायज्ञ शुरू हुआ है। हम इस तेज रफ्तार के साथ खुद को तेजी से ढाल रहे हैं। आज भारत का आकांक्षी समाज... भारत के युवा... भारत के किसान... भारत की महिलाएं... उनके सपनों की उड़ान आज जिस ऊंचाई पर है... वो अभूतपूर्व है। इन अभूतपूर्व आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए अभूतपूर्व गति आवश्यक है। उन्होंने शेष पृष्ठ-4.....

झारखंड विधानसभा की पर्यावरण एवं प्रदूषण नियंत्रण समिति ने की बैठक

संबंधित पदाधिकारियों को दिया आवश्यक दिशा-निर्देश, कई विभागों से मांगा पत्राचार का ब्योरा, दस्तावेज उपलब्ध कराने को कहा

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो : अपने दो दिवसीय दौरे पर बोकारो पहुंची झारखंड विधानसभा की पर्यावरण एवं प्रदूषण नियंत्रण समिति ने सोमवार को बोकारो परिसदन में जिला स्तरीय पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक की अध्यक्षता समिति के सभापति उदय शंकर सिंह ने की। बैठक में समिति के सदस्य जिगा सुसारण होरो, संजीव सरदार, रोशल लाल चौधरी, श्वेता सिंह उपस्थित थी। मौके पर जिला वन प्रमंडल पदाधिकारी रजनीश कुमार, डीपीएलआर निदेशक मेनका, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, अपर नगर आयुक्त संजीव कुमार समेत जिला स्तरीय सभी पदाधिकारीगण आदि उपस्थित थे।

समिति के सभापति उदय शंकर सिंह ने क्रमवार खनन विभाग, प्रदूषण बोर्ड, वन प्रमंडल, पथ निर्माण विभाग, बीएसएल समेत अन्य विभागों एवं विभिन्न उद्योग प्रतिनिधियों पर्यावरण संरक्षण व प्रदूषण नियंत्रण के दिशा में किए गए कार्यों के संबंध में जानकारी ली।

समिति ने समीक्षा क्रम में खनन विभाग से जिले में उपलब्ध बालू घाटों की जानकारी ली। जिसमें कितने बालू का अब तक खनन हुआ है, प्रतिदिन कितने वाहनों से बालू का उठाव होता है, टीम द्वारा कितनी बार औचक निरीक्षण घाटों का किया गया है और क्या कार्रवाई की गई है, कि विस्तृत जानकारी समिति को उपलब्ध कराने को कहा। झारखंड प्रदूषण बोर्ड के धनबाद इकाई द्वारा जिले में प्रदूषण नियंत्रण को लेकर की गई कार्रवाई की समिति ने समीक्षा की। क्षेत्रीय पदाधिकारी (आरओ) से साइडिंग क्षेत्रों का निरीक्षण से संबंधित प्रतिवेदन उपलब्ध कराने को कहा। इस क्रम में क्षेत्रीय पदाधिकारी द्वारा किए गए कार्यों एवं निगरानी व्यवस्था पर समिति ने असंतोष जताया। समिति सदस्यों ने आरओ स्तर से विभिन्न तरह के वायु प्रदूषण रोकने को लेकर की गई कार्रवाई एवं कार्रवाई के लिए मुख्यालय स्तर से पत्राचार का विस्तृत ब्योरा मांगा।

वहीं, ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा सड़क निर्माण के दौरान काटे गए पौधों के बदले पौधरोपण की स्थिति की जानकारी ली गई। समिति ने जिले में संचालित विभिन्न सड़क निर्माण के दौरान प्राप्त अनुमति के विरुद्ध पौधरोपण की स्थिति से संबंधित प्रतिवेदन जमा करने को कहा।

समीक्षा क्रम में बीएसएल प्रबंधन द्वारा सेक्टर 11 अंतर्गत खुले में कुड़े के निस्तारण मुद्दे पर भी चर्चा हुई। नगर सेवा विभाग एवं प्रदूषण बोर्ड द्वारा इस पर अपनीझअपनी बात कहीं गई। समिति ने बीएसएल प्रबंधन से इस संबंध में बोर्ड एवं जिला प्रशासन के साथ किए गए पत्राचार एवं प्रदूषण बोर्ड द्वारा बीएसएल के विरुद्ध की गई कार्रवाई से संबंधित पत्राचार की कापी उपलब्ध कराने को कहा। इसके अलावा कई अन्य बिंदुओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान डीसीएलआर प्रभाष दत्ता, बियाडा सचिव मनोज कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, आपूर्ति पदाधिकारी शालिनी खालखो, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डा. सुमन गुप्ता, जिला पशुपालन पदाधिकारी डा. मनोज कुमार मणि, कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता राम प्रवेश राम, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी शक्ति कुमार, नोडल पदाधिकारी मनरेगा पंकज दुबे समेत सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी व अन्य उपस्थित थे। इससे पूर्व, जिला वन प्रमंडल पदाधिकारी रजनीश कुमार, डीपीएलआर निदेशक मेनका एवं अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी ने झारखंड विधानसभा की पर्यावरण एवं प्रदूषण नियंत्रण समिति के सभापति एवं सदस्यों को गुलदस्ता देकर स्वागत किया।

उधर, समिति ने रेलवे साइडिंग बोकारो एवं बियाडा क्षेत्र के विभिन्न औद्योगिक प्रतिष्ठानों आदि का भी औचक निरीक्षण किया। प्रदूषण नियंत्रण को लेकर औद्योगिक प्रतिष्ठानों में कि गई व्यवस्थाओं, सरकारी नियमों के अनुपालन की स्थिति का जायजा लिया।

संक्षिप्त खबर

साहित्यिक संस्था साहित्यलोक की मासिक रचना गोष्ठी आयोजित

जाहि धारा सं सभटा धारा छ्ल, धराशायी भेल

भल भेल ओ धरकट धारा तीन सए सत्तर गेल

अरुण पाठक

बोकारो : चर्चित साहित्यिक संस्था साहित्यलोक की मासिक रचना गोष्ठी रविवार की शाम वरिष्ठ साहित्यकार विजय शंकर मल्लिक सुधापति के सेक्टर 8 स्थित आवास पर हुई। साहित्य के अध्येता व रंगकर्मी शंभु झा की अध्यक्षता व साहित्यलोक के संयोजक अमन कुमार झा के संचालन में आयोजित इस रचना गोष्ठी की शुरुआत कवि व गायक अरुण पाठक ने अपनी रचना सरस्वती वंदना हे मां सरस्वती बुद्धि विद्या दायिनी, हम पर कृपा बरसाओ मां.. की सुमधुर प्रस्तुति से की। कवयित्री नीलम झा ने मैथिली कविता ई धरा केर शान मिथिला थिक हमर पहचान मिथिला.. सुनाने के बाद हिन्दी कविता खुद को देखो व वक्त कुछ ठहर, अमन कुमार झा ने मैथिली कथा मोल-भाओ के बाद मैथिली कविता इस्स व पुरखाक धरोहर, शैलजा झा ने मैथिली कविता श्री गणेश, परिवार डेयब व हिंदी कविता शेष हो अवशेष है, वरिष्ठ साहित्यकार विजय शंकर मल्लिक ने मैथिली कथा सोमन कुमार सीओ, हिंदी कविता मानो या न मानो व हे नाथ मैथिली में ओम महाभारत महाकाव्य के रचयिता प्रसिद्ध साहित्यकार बुद्धि नाथ झा ने मैथिली कविता हम ताप सभटा घोंटि रहलहुं व कश्मीर से धारा 370 हटने पर भल भेल सुनाकर सबकी प्रशंसा पायी। उनकी इस कविता की कुछ पंक्तियां द्रष्टव्य है -

जाहि धारा सं सभटा धारा छ्ल, धराशायी भेल
भल भेल ओ धरकट धारा तीन सए सत्तर गेल।

अध्यक्षीय वक्तव्य में शंभु झा ने कहा कि बोकारो के साहित्यिक परिवेश को जीवंत बनाये रखने में साहित्यलोक की भूमिका प्रशंसनीय रही है। यहां नवोदित रचनाकारों को भी जो आदर व सम्मान मिलता है वह अन्य संस्थाओं के लिए भी अनुकरणीय है। पठित रचनाओं पर समीक्षा टिप्पणी देने की परंपरा भी काबिले-तारीफ है।

पूर्व सांसद तिलकधारी प्रसाद सिंह का निधन, शोक की लहर

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह : राजनीतिक क्षेत्र के धुरंधर और भीष्म पितामह कहे जाने वाले कोडरमा लोक सभा क्षेत्र से अपनी राजनीतिक करियर की पृष्ठभूमि तैयार करने एवं अपनी ऐतिहासिक कृतिमान स्थापित करने वाले अपने इलाके का जननायक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सम्राट लोकप्रिय पूर्व सांसद तिलकधारी प्रसाद सिंह का गिरिडीह के नव जीवन नर्सिंग होम मे पूर्व से बेहतर इलाज हेतु एडमिट कराया गया था जिन्होंने सोमवार को अंतिम सांस ली और उनका आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की खबर सुनते ही इलाके में शोक की लहर दौड़ गई उनके निधन पर सहायक अध्यापक महासंघ के जिला महासचिव सुखदेव हाजरा, जेएमएम के प्रखण्ड अध्यक्ष मोजाहिद अंसारी, सचिव रघु मरांडी, कोषाध्यक्ष ब्यास राय, राजकुमार राम, सहायक अध्यापक महासंघ के अध्यक्ष उमेश प्रसाद राय, सचिव उमेश कुमार, मनोज कुमार,कांग्रेस अध्यक्ष मनोज कुमार राय,20 सूत्री अध्यक्ष विमल कुमार सिंह, उपाध्यक्ष धोकल दास, फुलचंद हाजरा,राजद नेता रामकिशुन यादव, जाकिर हुसैन अंसारी, रामकिशुन हाजरा, मिथलेश चौधरी, दासो महतो, अर्जुन मरांडी, टुकलाल हाजरा, पूर्व जिला परिषद सदस्य गीता हाजरा, जिला परिषद सदस्य उस्मान अंसारी, माले के प्रखंड सचिव मुस्तकीम अंसारी अजय कुमार चौधरी जिला परिषद सदस्य विनय कुमार शर्मा, मनीष कुमार चौधरी, अनिल चौधरी, किशोर वर्मा सहित सभी लोगों ने उनके निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। लोगों ने कहा कि उनके निधन से इंसानियत और सामाजिक, राजनीतिक क्षेत्रों को अपूर्णीय क्षति हुई है।

महंगाई के विरोध में महिलाओं ने मोदी सरकार के खिलाफ मुदार्बाद के नारे लगाए

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह : गिरिडीह जिला महिला कांग्रेस कमेटी द्वारा रसोई गैस में की गई मूल्य वृद्धि के खिलाफ टावर चौक पर एक जोरदार प्रदर्शन किया गया। जिसमें महिलाओं ने मोदी सरकार मुदार्बाद गैस के दाम कम करो महंगाई पर रोक लगाओ जैसे नारे लगाए। इस अवसर पर महिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दुर्गा शर्मा ने कहा कि केंद्र सरकार लगातार महिलाओं पर गैस के मूल्य में और अन्य पदार्थों के मूल्य में वृद्धि कर बोझ डालने का काम कर रही है। जबकि यह सरकार सत्ता में यही बोलकर आई थी कि हम आते ही महंगाई कम करेंगे लेकिन आज 11 साल हो गए महंगाई चार गुना बढ़ गई है। इसलिए मजबूरन महिलायें सड़क पर उतरकर आंदोलन कर रही है। इस अवसर पर मुख्य रूप से झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव नरेश वर्मा, महिला कांग्रेस की रोशनीटा हेंब्रम, इशरत परवीन ,बेबी देवी ,अंजुम परवीन ,सीता देवी ,अंजू कुमारी ,पूर्णिमा देवी ,सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रही।

श्रेया क्लब के सहयोग से रक्तदान सिविल का आयोजन

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह : समाजसेवी और गिरिडीह के जाने-माने प्रतिष्ठित लोगों में एक स्वर्गीय अनुज सिंह की पुण्यतिथि पर उनके पुत्र सनी सिंह के द्वारा श्रेया क्लब के सहयोग से गिरिडीह सदर अस्पताल में स्थित ब्लड बैंक में रक्तदान सिविल का आयोजन किया गया। इस दौरान गिरिडीह के कई लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया।इस अवसर पर 10 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया।इस मौके पर मौजूद स्वर्गीय अनुज सिंह के पुत्र सनी सिंह ने बताया कि उनके पिता हमेशा से ही समाज सेवा में बढ़चढ़ कर काम किया करते थे। तथा इस रक्तदान शिविर के जरिए उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया है। मौके पर उनके पुत्र सनी सिंह ने बताया कि हर एक आदमी को रक्तदान करना चाहिए। ताकि रक्त की कमी से किसी की मृत्यु ना हो।उन्होंने तमाम लोग जिन्होंने इस रक्तदान में अपना कीमती रक्तदान किया। उनका आभार भी प्रकट किया।इस मौके पर स्वर्गीय अनूज सिंह के भ्राता अशोक सिंह, संतोष सिंह, श्रेया क्लब के रमेश यादव ,रूपेश आनंद ,राजेंद्र सिंह, रुद्रवीर सिंह ,अपूर्व सिंह, सौरभ सिंह, बबन खान ,अधिवक्ता कर्नल रंजीत, रवि सिंह, टिंकू सिंह,सहित रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष अरविंद कुमार और चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. मोहम्मद सोहेल अंसारी का सराहनीय सहयोग रहा।

हॉस्पिटल के पास मिला नवजात का शव

पलामु, (एजेंसी)। जिला मुख्यालय डालटनगंज शहर के आबादगंज मोहल्ले में सोमवार को आर्यन हॉस्पिटल के पास एक नवजात शिशु का शव बरामद हुआ। शव की स्थिति अत्यंत विभत्स थी। कुत्तों ने शव का आधा हिस्सा नोच डाला था। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने इसे गंभीरता से लिया और त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम को मौके पर भेजा। उनके निर्देश पर अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। घटना को लेकर पूर्व वार्ड पार्षद मनोज सिंह ने गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा, ह्यवह मामला बेहद गंभीर है। ऐसा मामला पहले भी देखा गया है। खासकर इस हॉस्पिटल के आसपास पहले भी कई बार संदिग्ध परिस्थितियों में ऐसी घटनाएं सामने आई हैं। उन्होंने हॉस्पिटल के डॉक्टर पर भी गंभीर आरोप लगाए। मनोज सिंह का कहना है कि, ह्यइनके अस्पताल के आस-पास पहले भी कई बार इस तरह की घटनाएं घट चुकी हैं।

बोकारो में साधकों ने धूमधाम से मनाया निखिल जन्मोत्सव

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो : मंत्र, तंत्र व ज्योतिष को समस्त विश्वपटल पर पुनर्प्रतिष्ठापित करने वाले परमपूज्य गुरुदेव परमहंस स्वामी निखिलेश्वरानंदजी महाराज (लौकिक नाम - डॉ. नारायण दत्त श्रीमाली) का जन्मोत्सव सोमवार को बोकारो में पूरे धूमधाम के साथ मनाया गया। निखिल मंत्र विज्ञान (सिद्धाश्रम साधक परिवार), बोकारो से जुड़े साधकों ने 21 अप्रैल को अपने परमपूज्य गुरुदेव की जयंती नगर के सेक्टर- 12डी स्थित निखिल पारदेश्वर महादेव मंदिर में मनाई। साधकों ने उल्लासपूर्वक यज्ञ-हवन, भजन-कीर्तन का आयोजन किया, साथ ही केक भी काटा। कार्यक्रम का शुभारम्भ सुबह से ही हो गया। जिले के सुदूरवर्ती क्षेत्रों से निखिल मंत्र विज्ञान परिवार के सदस्यगण सपरिवार इस जन्मोत्सव में पहुंचने लगे। निकटवर्ती झरिया, धनबाद व अन्य जिलों से भी बड़ी संख्या में साधक शामिल हुए। गणपति पूजन के उपरांत निखिल आवाह्न और सामूहिक मंत्र-जाप का अनुष्ठान हुआ। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ-हवन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में साधक शामिल हुए।

तदुपरांत साधकों ने भावपूर्ण गुरु आरती, निखिल आरती और समर्पण स्तुति की। इसके बाद शिष्यों ने केक काटा और गुरुदेव को समर्पणरूपी उपहार देकर अपनी श्रद्धा व्यक्त की। कार्यक्रम के दौरान आसपास का पूरा वातावरण गुरुदेव की जय-जयकार और हर-हर महादेव के जयघोष से गुंजायमान बना रहा। कई साधकों ने अपने-अपने घरों में भी निखिल जयंती पर विशेष पूजन किए। उल्लेखनीय है कि सद्गुरुदेव डॉ. नारायण दत्त श्रीमाली ने अपने संन्यास जीवन में उन अज्ञात रहस्यों की खोज की, जिनके कारण मानव जीवन परिष्कृत और मधुर बन सकता है। उन्होंने संसार में रहकर सांसारिक जीवन को भी पूर्णता के साथ जिया, क्योंकि उनका यह सिद्धांत था कि गृहस्थ जीवन की समस्याओं के पूर्ण ज्ञान हेतु गृहस्थ बनना आवश्यक है। अनुभव प्राप्त कर ही शुद्ध ज्ञान प्रदान किया जा सकता है। उनके द्वारा रचित सैकड़ों ग्रन्थों में मनुष्य के जीवन में त्रास को मिटाकर सन्तोष और तृप्ति प्रदान करने की भावना निहित है। इसी क्रम में उन्होंने मन्त्र-शास्त्र, तन्त्र-शास्त्र, सम्मोहन विज्ञान, ज्योतिष, हस्तरेखा, आयुर्वेद आदि को वैज्ञानिक एवं तार्किक रूप से स्पष्ट किया। उन्होंने मासिक पत्रिका मंत्र-तंत्र-यंत्र विज्ञान तथा मंत्र, तंत्र, ज्योतिष, कर्मकाण्ड एवं यज्ञों के माध्यम से, शिविरों तथा साधनाओं के माध्यम से इस ज्ञान को जन-जन तक पहुंचाया।

अपने जीवन की 65 वर्षों की यात्रा में मानव जीवन के लिए उन्होंने ज्ञान का अमूल्य भंडार खोल दिया। अपना कार्य पूर्ण कर देने के पश्चात 03 जुलाई, 1998 को सांसारिक काया का त्याग कर वे परमात्मा के साथ अवश्य समाहित हो गए, परन्तु आशीर्वाद स्वरूप उनके द्वारा स्थापित अन्तर्राष्ट्रीय सिद्धाश्रम साधक परिवार के साथ-साथ निखिल मंत्र विज्ञान मासिक पत्रिका पूर्ण रूप से गतिशील हैं। उनके द्वारा प्रदान किया गया ज्ञान ही इसका आधार है और ज्ञान की इस अजस्त्र गंगा में लाखों शिष्य सम्मिलित हैं। अपने पूज्य पिताश्री के मार्ग पर चलते हुए परमपूज्य गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली जी ज्ञान की यह गंगा निरन्तर प्रवाहित कर रहे हैं।

गिरिडीह में तीन मंजिला मकान में लगी आग,मां-बेटी की मौत

चार लोगों को बचाया गया, फायर ब्रिगेड की 14 गाड़ियां पहुंची

गिरिडीह : गिरिडीह में सोमवार को एक तीन मंजिला मकान में आग लगने से मां-बेटी की मौत हो गई। वहां तीन मंजिला मकान के पहले तल्ले पर खुशी मार्ट नामक कपड़े की दुकान थी।आशंका है कि शॉर्ट सर्किट से सबसे पहले दुकान में आग लगी, जिसने धीरे-धीरे ऊपर बढ़ते हुए पूरी बिल्डिंग को आगोश में ले लिया। घटना पचंबा थाना क्षेत्र स्थित मारवाड़ी मोहल्ला में हुई।

आग लगने की जानकारी लोगों को तड़के तीन बजे के करीब लगी। इसके बाद इसकी जानकारी पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी गई। फिर राहत कार्य शुरू हुआ।मृतकों में सीताराम डालमियां की बहू संगीता डालमियां (45) और पोती खुशी डालमियां (21) शामिल हैं। जबकि इस घटना में चार लोगों को सीताराम डालमियां, उनकी पत्नी किरण डालमियां, बेटा दिनेश डालमियां और

पोता रिशु डालमियां को सुरक्षित बचा लिया गया। देखते ही देखते आग ने काफी भयावह रूप ले लिया।दूसरे तल्ले में रह रहा था परिवार लोगों का कहना है यह आग संभवतः शॉर्ट सर्किट के कारण लगी है। तीन मंजिला इस इमारत में नीचे दुकान तथा ऊपर दो मंजिल में आवासीय क्षेत्र है। आग की लपटें तेजी से तीनों मंजिलों में फैल गईं, जिससे अफरातफरी का माहौल बन गया। भवन में बड़ी मात्रा में कपड़े रखे होने के कारण आग ने विकराल रूप ले लिया।

दूसरे मंजिल पर सीताराम डालमियां का परिवार रहता है। आग लगने के बाद चार लोगों को बिल्डिंग से बाहर निकाल लिया गया लेकिन मां-बेटी अंदर ही फंस गईं। कुछ देर बाद उनकी मौत हो गई।स्थानीय लोगों द्वारा भवन के दीवारों को तोड़ा गया और दमकल कर्मियों को अंदर जाने के लिए रास्ता बनाया गया। स्थानीय लोगों द्वारा भवन के दीवारों को तोड़ा गया और दमकल कर्मियों को अंदर जाने के लिए रास्ता बनाया गया। कोडरमा और धनबाद से भी दमकल की गाड़ियां बुलाई गईं। आग लगने की सूचना मिलने के बाद दमकल विभाग की 14 गाड़ियां आग बुझाने में लगी रहीं। कोडरमा और धनबाद से भी दमकल की गाड़ियां बुलाई गई। वहीं, नगर विकास मंत्री सह गिरिडीह विधायक सुदिव्य कुमार सोनू भी घटनास्थल पर पहुंच कर पूरे मामले की जानकारी ली।नगर विकास मंत्री ने कहा-फायर ब्रिगेड विभाग के पास पर्याप्त मात्रा में उपकरण नहीं है। नगर विकास मंत्री ने कहा कि बचाव व राहत कार्य करने के लिए फायर ब्रिगेड विभाग के पास पर्याप्त मात्रा में उपकरण नहीं है, जिसके लिए वे सरकार से बात करेंगे। वहीं, उन्होंने घटना में मृत मां-बेटी के प्रति शोक संवेदना प्रकट की है। घटनास्थल के पास जुटी लोगों की भीड़घटना के बाद से ही राहत कार्य जारी है। स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए स्थानीय लोगों के साथ गिरिडीह दमकल की टीम प्रयास कर रही थी, लेकिन जब लगा कि उनसे स्थिति नियंत्रण में नहीं आ रही है तब खोरीमहुआ, कोडरमा और धनबाद से भी दमकल की गाड़ियों को मंगवाया गया। चूंकि रास्ता संकीर्ण है इसलिए थोड़ी समस्या हो रही है। जिस बिल्डिंग में आग लगी थी, वह पूरी तरह से पैक थी। इसलिए, मैस को बाहर निकालने के लिए स्थानीय लोगों द्वारा भवन के दीवारों को तोड़ा गया और दमकल कर्मियों को अंदर जाने के लिए रास्ता बनाया गया।

कबीर ज्ञान मन्दिर में किया गया योग शिविर का आयोजन

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह : सोमवार को पतंजलि के सदस्यों की एक बैठक प्रातः योग कक्षा के बाद पतंजलि युवा भारत के जिला प्रभारी रणधीर कुमार गुप्ता के नेतृत्व मे भारत स्वाभिमान के जिला प्रभारी नवीन कान्त के उपस्थिति में हुई. इस बैठक मे रणधीर ने बताया कि सोमवार 21 अप्रैल को स्वामी रामदेव के दो परम शिष्य स्वामी विश्वदेव एवं स्वामी कौशल देव का आगमन हरिद्वार से गिरिडीह मे होगा, जिनके द्वारा एक स्पेशल योग शिविर कबीर ज्ञान मन्दिर में मंगलवार यानि कल 22 अप्रैल से 26 अप्रिल शनिवार सुबह तक 5:15 से 7:00 बजे सुबह तक होगा. इस दौरान नवीन कान्त ने बताया कि गिरिडीह शहर के योग प्रेमी इस शिविर में पहुंचकर विशेष लाभ प्राप्त कर सकते हैं, उन्होंने शहर के लोगों से निवेदन किया कि सभी योग साधक 5:00 बजे तक कबीर ज्ञान मन्दिर मे पहुंचने का प्रयास करें।

वहीं, योग साधक सरदार देवेंद्र सिंह ने बताया, योग सभी के लिए जरूरी है। सबों को योग करना चाहिए और खास तौर पर आज के समय मे अपने आप को स्वस्थ्य रखने के लिए योग से अच्छा दूसरा कोई साधन नहीं है। इस बैठक मे सरदार गुरदीप सिंह, गौतम कुमार, प्रभाकर कुमार, हेमंत सिन्हा, विजय बरणवाल, उपेंद्र सिंह, मंजीत सिंह, निर्मल कौर, प्रेमलता अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, पिंकी खेतान, प्रभात खेतान आदि उपस्थित थे.

साउथ एशियन कराटे चैंपियनशिप का हुआ समापन

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह : वर्ल्ड फूनाकोशिश शॉटोकन कराटे झारखंड के तत्वाधान में तीन दिवसीय दक्षिण भारत कराटे प्रतियोगिता का आयोजन गिरिडीह में किया गया।इस प्रतियोगिता का आयोजन 18 अप्रैल से लेकर 20 अप्रैल तक गिरिडीह के सुभाष इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी में किया गया।जिसमें ओवरऑल का खिताब नेपाल और उपविजेता भारत रहा। इस प्रतियोगिता में भारत नेपाल ,भूटान ,अफगानिस्तान ,और मलेशिया की टीम ने हिस्सा लिया था।जिसमें शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत देश के कराटे खिलाड़ी ने अपना दम खम दिखाया।इस प्रतियोगिता के समापन में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में संघ के संरक्षक डॉ. अमरजीत सिंह सलूजा ,सरदार देवेंद्र सिंह ,चुन्नू कांत ,अध्यक्ष डॉ. विजय सिंह एवं अतिथि के रूप में राजेंद्र सावन ,रमेश डॉक्टर तारक नाथ देव , सीए आकाश रोशन ने सभी खिलाड़ियों को मेडल देकर सम्मानित किया।

इसकी जानकारी देते हुए वर्ल्ड फूना कोशी झारखंड के चीफ उज्जवल सिंह ने ने बताया कि गिरिडीह में कराटे को और भी विकसित किया जाएगा और सभी महिलाओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाया जाएगा।वहीं संघ संरक्षक सरदार देवेंद्र सिंह और अध्यक्ष डॉ. विजय सिंह ने सभी खिलाड़ी कोच और ऑफिशियल को धन्यवाद देते हुए कहा कि लगातार गिरिडीह में कराटे का कार्यक्रम करवाया जाएगा। इसके साथ ही साथ उन्होंने सभी खिलाड़ी ओर कोच को धन्यवाद दिया।

Page 3_Page 3.qxd 4/21/2025 10:16 PM Page 1

संक्षिप्त खबर

झरिया किड्स गार्डन के छात्र अनमोल कुमार ने जेईई मेंस सेकेंड सेशन में किया बेहतर प्रदर्शन

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

धनबादः झरिया किड्स गार्डेन विद्यालय के तीन विद्यार्थियों ने बेहतर प्रदर्शन किया है. जिसमें प्रथम स्थान पर अनमोल कुमार 97.11 अंक हासिल किया है. विद्यालय प्राचार्य डॉ सुरेश लता ने अनमोल को बधाई दी है. विद्यालय के संरक्षक असित कुमार बनर्जी सहित कई शिक्षकों ने अनमोल के इस उपलब्धि पर बधाई दी है. इस अवसर पर स्नेह लता के द्वारा पुष्प कुछ देकर के बधाई दी. साथ में भविष्य की उज्जवल कामना की है. अनमोल के पिता पेशे से अधिवक्ता हैं और चाचा पत्रकार हैं साथ में उनकी माता और चाची गृहणी ह.अनमोल इस सफलता का श्रेय अपने शिक्षकों और पूरे परिजन को दिया है.

गोविंदपुर एरिया के पदोन्नति पाने वाले कोयला अधिकारियों को दी गई विदाई

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

कतरास : गोविंदपुर क्षेत्रीय कार्यालय में सोमवार को पदोन्नति पाने वाले कोयला अधिकारियों को विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. गोविंदपुर एरिया में कार्यरत क्षेत्रीय प्रबंधक वित्त रविकांत, क्षेत्रीय प्रशिक्षण पदाधिकारी कृपा शंकर द्विवेदी, एबीजी कोलियरी प्रबंधक विश्वधर राय,सुरक्षा पदाधिकारी अशोक कुमार का पदोन्नति के साथ स्थानांतरण होने पर गोविंदपुर एरिया के अपर महाप्रबंधक सह सीएमओएआई के अध्यक्ष जयंत कुमार ने अंगवस्त्र एवं माला पहनाकर उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए विदाई दी.

कार्यक्रम का संचालन क्षेत्रीय विक्रय पदाधिकारी संजीव कुमार झा धन्यवाद ज्ञापन क्षेत्रीय प्रबंधक अमित कुमार महतो ने किया. समारोह में क्षेत्रीय प्रबंधक सुरक्षा अवधेश कुमार, अमित कुमार अभिषेक गुप्ता, सचिन जायसवाल भोला भंडारी, आयुष आनंद, डॉ वरुण कुमार झा, शशि रंजन आदि उपस्थित थे.

अल्प मानदेय कर्मियों को भी मिले आयुष्मान और आवास योजना का लाभ : डिंपल चौबे

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

धनबादः झारखण्ड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा महिला धनबाद जिला अध्यक्ष डिंपल चौबे ने सरकार से मांग किया है कि अल्प मानदेय में काम कर रहे कर्मचारियों की जीवन स्तर नर्क से भी बदतर जीने को विवश है चाहे पारा शिक्षक हो, आंगनबाड़ी सेविका, पोषण सखी, संविदा में कार्यरत कर्मी, अनुबंध कर्मचारी इस महंगाई में घर खर्च अपनी दवाई बेटी की विदाई अल्प मानदेय में संभव नहीं हो सकता. या तो गठबंधन की सरकार इन्हें समान काम का सामान वेतन उपलब्ध कराए अन्यथा यथा शीघ्र इन्हें आयुष्मान और आवास योजना से जोड़ा जाए. विगत बीस बाईस वर्षों से ये अपनी सेवा अल्प मानदेय में झारखंड को दे रहे है.सरकार को इन कर्मियों के प्रति उचित और ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है.

नौकर संग फरार हुई कारोबारी की पत्नी, गहने-नकदी लेकर हो गई गायब

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

धनबादः समाज जिस दिशा में आगे बढ़ रहा है, यह आजकल सामने आने वाली घटनाएं बखूबी बयां कर रही हैं। पारिवारिक मूल्यों और रिश्तों की मर्यादा लगातार टूटती जा रही है। कभी सास-दामाद, तो कभी समधी-समधन के रिश्ते सवालों के घेरे में आते हैं, और अब धनबाद से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक शादीशुदा महिला अपने ही घर में काम करने वाले नौकर के साथ फरार हो गई। यह मामला जितना हैरान करने वाला है, उतना ही समाज में बदलते संबंधों पर चिंता भी पैदा करता है। घटना सरायढेला थाना क्षेत्र के डांगी मोड़ इलाके की है, जहां एक जमीन कारोबारी ने पुलिस में अपनी पत्नी और नौकर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में कारोबारी ने बताया कि उसकी पत्नी अपने नौकर के साथ गहना-जेवर और नकदी लेकर फरार हो गई है।

कैसे हुआ पूरा घटनाक्रम

पीड़ित पति ने पुलिस को दिए अपने आवेदन में बताया कि बिहार निवासी एक युवक को उन्होंने कुछ महीने पहले अपने घर में घरेलू कामकाज के लिए नौकर के रूप में रखा था। वह युवक उनके पैतृक गांव के पास का ही रहने वाला है। शुरू में सब कुछ सामान्य था, लेकिन 15 अप्रैल को अचानक उन्हें एक वीडियो मिला, जिसमें वह युवक उनकी पत्नी का हाथ पकड़ते हुए नजर आ रहा था। इस वीडियो को देखकर पति को संदेह हुआ और उन्होंने उसी दिन पत्नी और नौकर को फोन कर डांट-फटकार लगाई। लेकिन इसके बाद जो हुआ, वह हैरान कर देने वाला था। 16 अप्रैल की रात को जब पूरा परिवार सो रहा था, तब नौकर उनकी पत्नी को लेकर फरार हो गया। फरार होने से पहले महिला ने बैंक खाते से 90,000 की नकदी निकाली, और उसके पास पहले से ही 1 लाख नकद मौजूद थे। इसके अलावा नौकर ने घर से करीब 10 लाख रुपए के सोने के गहने और चांदी के सिक्के भी चुरा लिए। बैंक खाते की जांच में सामने आया कि महिला द्वारा यूपी स्थित एक एटीएम से रकम की निकासी की गई है। इससे यह स्पष्ट हो गया कि दोनों यूपी भाग गए हैं। घटना के बाद पीड़ित पति ने अपनी पत्नी का बैंक खाता और मोबाइल नंबर बंद करवा दिया है। वहीं, सरायढेला पुलिस ने आरोपियों के मोबाइल नंबर के आधार पर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही दोनों को पकड़ लिया जाएगा।

मंत्री हफीजुल हसन के संविधान विरोधी बयान के खिलाफ भाजपा का आक्रोश मार्च

पलामू (एजेंसी) । झारखंड सरकार के मंत्री हफीजुल हसन के संविधान विरोधी बयान को लेकर भाजपा में उबाल है। पूरे राज्य में विरोध दर्ज किया जा रहा है। इसी कड़ी में सोमवार को पलामू प्रमंडल अंतर्गत गढ़वा जिले में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकताओं ने आक्रोश मार्च निकाला। चिनियां रोड नहर चौक से समाहरणालय गढ़वा तक पार्टी का झंडा और हाथों में तख्तियां लेकर प्रदर्शन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान संविधान विरोधी मंत्री हफीजुल हसन को बर्खास्त करो, बाबा भीमराव अंबेडकर का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, हेमंत सरकार हाय हाय आदि कई नारे लगाए गए। कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा जिलाध्यक्ष ठाकुर प्रसाद महतो ने किया।

उल्लेखनीय है कि विगत दिनों मंत्री हफीजुल हसन ने कहा था कि मेरे लिए शरीयत पहले है बाद में संविधान है।

गढ़वा में भाजपा कार्यकताओं ने आक्रोश मार्च के बाद राज्यपाल के नाम उपायुक्त गढ़वा को मांग पत्र सौंपा, जिसमें झारखंड सरकार के मंत्री हफीजुल हसन को संविधान विरोधी बयान देने पर सरकार से बर्खास्त करने की मांग की गयी है।

मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष ठाकुर प्रसाद महतो ने कहा कि भारत रत्न बाबा भीमराव अंबेडकर ने देश चलाने के लिए संविधान बनाया, जिसे झामुमो सरकार में बैठे लोग अपमानित करने का काम कर रहे हैं। भारत देश संविधान से चलते आ रहा है लेकिन झामुमो के मंत्री पहले संविधान नहीं बल्कि शरीयत को मानने की बात बोल कर बाबा भीमराव अंबेडकर सहित तमाम आम जनमानस का अपमान किया है। ऐसे लोगों को मंत्री बनने का कोई अधिकार नहीं है।

जिला महामंत्री संतोष दुबे ने कहा कि झामुमो के लोग झारखंड में शरीयत लागू करना चाहते हैं लेकिन भाजपा कार्यकर्ता बाबा भीमराव अंबेडकर के बनाए संविधान के साथ मजबूती से खड़ा है।

वक्फ बोर्ड संशोधन फैसले के खिलाफ भी मंत्री का धमकी भरा बयान से संविधान का अपमान किया गया है। बाबा भीमराव अम्बेडकर ने किसी भी कानून में संशोधन का अधिकार संसद को दिया है लेकिन झामुमो सरकार के मंत्री हफीजुल हसन लगातार संविधान का अपमान कर हैं। मंत्री बनने समय संविधान की शपथ दिलाई गई थी, लेकिन वही मंत्री संविधान का अपमान कर रहा है।

वरिष्ठ नेता मुरारी यादव ने कहा कि मंत्री हफीजुल हसन ने जिस तरह का बयान दिया है इससे इनका देश द्रोही चरित्र उजागर हो रहा है। केंद्रीय एजेंसी से इनके कार्य की जांच होनी चाहिए। पूरे देश के साथ साथ झारखंड भी संविधान से ही चलेगा। किसी भी कीमत पर शरीयत लागू नहीं होने दिया जाएगा।

पूर्व जिलाध्यक्ष विनोद तिवारी ने कहा कि झामुमो-कांग्रेस महागठबंधन सरकार शरीयत लागू करने के लिए साजिश रचने में लगी हुई है। उनका यह मंशा सफल नहीं होगी। संविधान बचाने के लिए सड़क से सदन तक आंदोलन जारी रहेगा।

तेतुलमारी शक्ति चौक स्थित बैंक ऑफ इंडिया के सीएचपी से तीन अपराधियों ने लूटा एक लाख

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

कतरास : तेतुलमारी थाना क्षेत्र के शक्ति चौक के समीप स्थित बैंक ऑफ इंडिया के ग्राहक सेवा केंद्र (सीएचपी) में सोमवार दोपहर में अपराधियों ने लूट की घटना को अंजाम दिया. दोपहर करीब डेढ़ बजे तीन नकाबपोश अपराधियों ने शक्ति चौक सीएचपी में धावा बोलकर संचालक राजू प्रसाद मंडल को हथियार का भय दिखाकर कब्जे में ले लिया.गल्ले में रखे नगद रुपए के साथ-साथ बैग और पॉकेट में रखे पैसे भी लूट लिए. घटना में एक लाख रुपये की लूट की बातें सामने आयी है. अपराधियों ने संचालक के हाथ को प्लास्टिक की रस्सी से बांध दिया और केंद्र का शटर गिराकर मौके से फरार हो गए. संचालक किसी तरह रस्सी खोलकर बाहर निकल घटना की सूचना तेतुलमारी पुलिस को दी. भुगतभोगी राजू प्रसाद मंडल ने बताया कि एक लुटेरा हेलमेट पहने हुए था, दूसरा टोपी और मास्क लगाए था, जबकि तीसरे ने गमछा से चेहरा ढका हुआ था. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है. आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि अपराधियों की पहचान की जा सके. लूट की घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है. पुलिस ने मामले को उद्भेदन का आश्वासन दिया है.

तेतुलमारी के पीएसटी 2 नंबर खदान से बायोमेट्रिक मशीन चोरी, मजदूरों ने किया हंगामा

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

कतरास : तेतुलमारी कोलियरी के पीएसटी 2 नंबर खदान से कोलकर्मियों के उपस्थिति मशीन (हाजरी) बनाने के लिए प्रबंधन के द्वारा लगवाये गये बायोमेट्रिक मशीन को बीते रात्रि चोरों या असामाजिक तत्वों ने चुरा लिया. सूत्रों ने बताया कि रात्रि पाली में मजदूरों का हाजरी बायोमेट्रिक से बना था.उक्त घटना के कोयला कर्मियों व यूनियन प्रतिनिधियों में आक्रोश व्याप्त है.हाजरी बनाने को लेकर मजदूरों द्वारा लगाए गये मशीन की चोरी होने से हाजरी बनाने को लेकर हंगामा किया.जिसे बाद में प्रबंधन में तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था करवाने की आश्वासन मिलने के बाद मजदूर शांत हुए. आज मजदूरों का खाता में हाजरी बनवाया गया.

हीरापुर हरिमंदिर में नाट्य सामग्री विनोदनी यात्रानुष्ठान का किया गया शानदार आयोजन

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : हीरापुर हरिमंदिर में काव्य ओ संस्कृतिर मेर खुशीमना के द्वारा नाट्य सम्राज्ञी विनोदिनीर यात्रानुष्ठान का आयोजन किया गया. यात्रा का निर्देशन तपन राय ने किया. रामकृष्ण की भूमिका तपन राय ने गिरिश घोष की भूमिका सुदीप विश्वास ने सुरत की भूमिका अनिंदिता साहा ने, विनोदिनी की भूमिका वन्दना घोषाल ने, ह्रदय की भूमिका मनोजीत सान्याल ने, राम की भूमिका मनोज मजुमदार ने, गुरमुख राय की भूमिका कल्याण गुप्त ने, रसराज की भूमिका आशीष भट्टाचार्य ने, रांगाबाबू की भूमिका सोमनाथ चक्रवर्ती ने और अतुल की भूमिका अनुप कुमार दत्त ने निभाई.

यात्रा समाप्त होने के बाद धनबाद के जानेमाने साहित्य कार एव कवि स्वर्गीय प्रभात कुमार भट्टाचार्य का बंगाला उपन्यास साल शिमुलेर गल्पो जिन्होंने अपना छद नाम हुल के नाम से प्रसिद्ध थे ,का विमोचन विनोद बिहारी माहातो कोयलांचल विश्वविद्यालय के बंगला विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर मानस, आचार्य ,देववानी विश्वास ने किया.इसके बाद अरात्रिका साहा, निर्झर बक्सी ने संगीत और श्रेया, सृष्टि, आदि नृत्य प्रस्तुत किया.

मुगमा के पैराडाइज पब्लिक स्कूल में इंटर स्कूल एलोक्युशन प्रतियोगिता आयोजित

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

निरसा : सोमवार को कंचनडीह मुगमा स्थित पैराडाइज पब्लिक स्कूल में सभी बच्चों के लिए एलोक्यूशन प्रतियोगिता 2025 का आयोजन किया गया. जिसका मुख्य उद्देश्य बच्चों में बौद्धिक एवं तार्किक क्षमता एवं उन्हें मंच पर बोलने की कला और सभा में अपनी बातों को सही ढंग से रखने की कला का विकास करना था.

इसके लिए विभिन्न कक्षा के बच्चों को अलग-अलग टॉपिक दिए गए थे। जैसे, जल ही जीवन है,वृक्ष का महत्व,नारी शिक्षा, भ्रष्टाचार के दुष्प्रभाव , खेलकूद का महत्व , बढ़ती बेरोजगारी , जातीय जनगणना के अच्छे एवं बुरे प्रभाव , भारत में राजनीतिक दलों द्वारा चलाए जा रहे मुफ्त की योजनाओं का देश के विकास पर प्रभाव इत्यादि.

प्रतियोगिता में सफल होने वाले विद्यार्थी में अमृता कुमारी , रुबी परवीन , आंचल कुमारी , श्रेया कुमारी , बेबी कुमारी , सुहानी कुमारी सिंह , देवलीना दत्ता , कोमल कुमारी , श्रेया बाउरी , वृष्टि पाल , मेघा चंद्रा , मोहम्मद शाबान अंसारी , अरिजीत दत्ता , रिद्धि कुमारी , तृप्ति दत्ता , बादल कुमार , अभिजीत दत्ता , दयानंद महतो , शौर्य कुमार , अभिमन्यु माझी, श्रुति माझी , माही सिंह , रेहान अंसारी , संचयन पांडे , देवस्मिता दत्ता , आर्या महतो , जयदीप बाउरी , अर्नब हालदार , ऋषिमान ,अबृस नबिहा आदि थे. सभी सफल बच्चों को विद्यालय के निदेशक रंजीत कुमार मिश्रा द्वारा सर्टिफिकेट एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया.

इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक रंजीत कुमार मिश्रा ने बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन करने से बच्चों में अपने परिवेश से ज्ञान अर्जित कर मंच पर उसे दूसरों के बीच प्रस्तुत करने का अवसर प्राप्त होता है. जिससे बच्चों में रचनात्मकता एवं क्रियात्मकता का विकास होता है.कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षक मानस कुमार चंद्र , घनश्याम पांडे ,अमृता मिश्रा ,अशोक केसरी, प्रतिमा मिश्रा, पल्लवी सिंह, सूरजमुखी मंडल , पप्पू सिंह , गौतम प्रसाद महतो , संतोष घोष ,श्वेता श्रीवास्तव , पलक खान ,निरुपमा कुमारी आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा.

झरिया में संदेहास्पद स्थिति में मिला शव, पुलिस जांच में जुटी

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

झरिया : झरिया के कुजामा बस्ती निवासी मनोहर मल्लाह (48) का शव सोमवार की शाम कुजामा आउटसोर्सिंग परिसर में संदेहास्पद स्थिति में पाया गया। लोदना ओपी पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पीएमसीएच भेज दिया। मनोहर मल्लाह झरिया में ट्रैक से मिर्च उतारने का काम करता था। वह कुजामा बस्ती में अपने पिता के साथ रहता था। रविवार से ही वह लापता था। मनोहर शादीशुदा था, लेकिन उसकी पत्नी पिछले 10 साल से उसके साथ नहीं रह रही थी।उसका एक पुत्र भी है। ओपी प्रभारी गौरव कुमार का कहना है कि प्रथम दृष्टया हत्या का मामला नहीं लगता है। पोस्टमार्टम के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। चर्चा है कि आउटसोर्सिंग स्थल के समीप घर जाने के क्रम में गिर पड़ा होगा और गर्मी के कारण उसकी यह हालत हुई होगी।पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

रामकनाली के फटामाहुल से बाइक चोरी

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

कतरास : रामकनाली ओपी क्षेत्र के फटामाहुल निवासी बबलू मंडल के स्पेलेंडर बाइक संख्या जेएच 10 बीडब्लू 8714 चोरी हो गयी घटना की सूचना भुगतभोगी ने रामकनाली ओ पी पुलिस को दे दी है,घटना के बाद मौके पर पुलिस पहुचकर जांच की.

किताबें हमारे जीवन में संस्कार भरती है : अर्जुन मुंडा

रामगढ़ (एजेंसी) । किताबें हमारे जीवन में संस्कार भरती है। यह बातें सोमवार को रामगढ़ के राधा गोविंद यूनिवर्सिटी में पुस्तक विमोचन कार्यक्रम के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने कही। उन्होंने डॉ संजय प्रसाद सिंह की ओर से लिखी गई संस्कृति - संस्कार के सुपथ नामक पुस्तक का विमोचन किया।

पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने राधा गोविंद विश्वविद्यालय की ओर आयोजित भव्य पुस्तक विमोचन समारोह में उपस्थित सभी को हार्दिक बधाई दी। पुस्तक के कुछ पन्नों को निहारने के बाद उन्होंने इसे ज्ञानवर्धक बताया और कहा कि यह हमें एक बार सोचने के लिए प्रेरित करती है। पुस्तक पढ़ने के बाद अक्सर हम शब्दों को भूल जाते हैं लेकिन उनके भाव हमेशा हमारे अंदर रहते हैं।

मौके पर यह लोग थे मौजूद

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी एन साह ने की।

मौके पर पूर्व सांसद प्रो (डॉ) यदुनाथ पाण्डेय, समाजसेवी तिलक राज मंगलम, विश्वविद्यालय की सचिव प्रियंका कुमारी, फूलमती देवी, प्रति कुलपति प्रो (डॉ) रश्मि, कुलसचिव प्रो (डॉ) निर्मल कुमार मंडल, वित्त एवं लेखा पदाधिकारी डॉ संजय कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो (डॉ) अशोक कुमार, प्रबंध समिति के सदस्य अजय कुमार आदि उपस्थित थे।

रांची में महिला कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन, महंगाई के खिलाफ आवाज उठाई

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

रांची : अखिल भारतीय महिला कांग्रेस कमिटी के निर्देश पर झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष गुंजन सिंह के नेतृत्व में सोमवार को अल्बर्ट एक्का चौक रांची में रसोई गैस सिलेंडर मूल्य वृद्धि, बेतहाशा बेरोजगारी, गिरती अर्थव्यवस्था एवं केन्द्र सरकार के गलत नीतियों के खिलाफ में विरोध प्रदर्शन किया गया.इस अवसर पर महिला कांग्रेस नेत्रियों ने बढ़ती महंगाई के खिलाफ सांकेतिक रूप से गैस सिलेंडर उठाकर केन्द्र सरकार के विरुद्ध नारेबाजी की.इस अवसर पर झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष गुंजन सिंह ने कहा कि केन्द्र के भाजपा सरकार ने महंगाई से मुंह मोड लिया है. इनका एकमात्र लक्ष्य है कि कैसे सरकारी और निजी कंपनियों की जेब भरी जाए। उन्होंने केन्द्र सरकार से मांग किया है कि देश की महिलाओं और गरीब परिवारों के लिए विशेष राहत पैकेज की घोषणा की जाए। देश भर की महिलाएं महंगाई से त्रस्त हैं और वे हमारे साथ आंदोलन में जुड़ रही हैं। उन्होंने कहा कि चुनावी जुमले देने वाले देश के प्रधानमंत्री और गृहमंत्री जवाब दें और तत्काल कदम उठाते हुए रसोई गैस, डीजल पैट्रोल और महंगाई से तुरंत राहत दें।विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम में सुन्दरी तिर्की, पार्वती सिंह, नीलम सहाय, पार्वती सिंह, सीमा साहू, सरिता देवी, रिना सांगा, अंजू देवी, मेरी तिर्की, सहनाज खातून, शीला उरांव, अनीता सिंह, पूजा कुमारी, कंचन कुमारी दास, महिमा सिन्हा, अंजू कुमारी, अनराधा, मीना देवी आदि शामिल थीं।

संक्षिप्त खबरें

फतेहपुर के गझंडी महादलित टोला में एससी-एसटी नामांकन शिविर का हुआ आयोजन

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

फतेहपुर :फतेहपुर प्रखंड की उत्तरी लोधवे पंचायत के गंझंडी महादलित टोला में पिरामल फाउंडेशन की समृद्धि परियोजना के अंतर्गत एससी-एसटी नामांकन शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में समाज के वंचित वर्गों, विशेषकर अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समुदाय के बच्चों के लिए समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने और शत-प्रतिशत बालिका नामांकन सुनिश्चित कराने पर विशेष जोर दिया गया। शिविर में विशेष रूप से बालिकाओं की शिक्षा के महत्त्व पर प्रकाश डाला गया। साथ ही लोगों के बीचयवाह संदेश दिया गया है कि कोई भी बच्चा सामाजिक या आर्थिक कारणों से शिक्षा से वंचित न रहे। शिविर में गांधी फेलो उदित कुर्मी, कार्यक्रम प्रभारी अरविंद कुमार व गांधी फेलो मजहर रजा द्वारा सामुदायिक संवाद व सहभागिता गतिविधियों के माध्यम से अभिभावकों को स्कूल में बच्चों का नामांकन व शैक्षणिक छात्रवृत्ति योजनाओं की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। शिविर में समुदाय के लोगों ने प्रत्येक बालिका का विद्यालय में नामांकन सुनिश्चित कराने और शिक्षा को प्राथमिकता देने का सामूहिक रूप से संकल्प लिया।

शिविर में मुखिया अभय कुमार ने भी सहभागिता कर समुदाय को प्रेरित किया। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की शैक्षिक योजनाओं का पूर्ण लाभ उठाने पर विशेष जोर देते हुए शिक्षा को जीवन में परिवर्तन का सशक्त माध्यम बताया और पिरामल फाउंडेशन की इस पहल की सराहना की। शिविर के दौरान अभिभावकों, विद्यार्थियों एवं पंचायत प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली।

नई दिल्ली-गया के बीच आरक्षित स्पेशल ट्रेनों का परिचालन

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गयाः रेल यात्रियों की सुविधा के तहत रेलवे द्वारा गर्मियों के दौरान अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के उद्देश्य से नई दिल्ली-गया के बीच आरक्षित स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। ट्रेन संख्या 04064/04063 नई दिल्ली-गया-नई दिल्ली सुपरफास्ट स्पेशल एक्सप्रेस सोमवार से 10 जुलाई तक प्रत्येक सोमवार और गुरुवार को नई दिल्ली से चलेगी। इसी तरह 22 अप्रैल से 11 जुलाई तक प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को गया से ट्रेन चलायी जाएगी। यह ट्रेन सुबह 09:30 बजे नई दिल्ली से प्रस्थान कर डीडीयू होते हुए रात 03:15 बजे गया पहुंचेगी। जबकि वापसी में सुबह 04:45 बजे गया से चलकर रात 10:35 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी।

फारबिसगंज प्रखंड कांग्रेस कमिटी की बैठक में बूथ स्तर पर कमिटी निर्माण का टास्क

अररिया,(एजेंसी) : फारबिसगंज प्रखंड कांग्रेस कमिटी की बैठक प्रखंड अध्यक्ष गुलाबचंद ऋषिदेव की अध्यक्षता में सोमवार को ढोलबज्जा स्टेशन चौक पर हुई बैठक में जिला कांग्रेस समन्वयक किरण श्रेत्री के साथ जिला कांग्रेस के पुर्व उपाध्यक्ष शंकर प्रसाद साह उपस्थित हुए।

बैठक में जिला समन्वयक किरण श्रेत्री ने प्रखंड एवं बुथ स्तर तक कांग्रेस की मजबूती के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए एवं शीघ्र प्रखंड कांग्रेस कमिटी का प्रखंड स्तर से बुथ स्तर तक पूर्ण कर लेने का निर्देश दिया। सभी बुथ पर दो बीएलए अनिवार्य रूप से होने के निर्देश दिया गया। साथ ही कांग्रेस के सभी फ्रंटियल ऑर्गेनाइजेशन एवं सभी संभाग संगठन को भी प्रखंड स्तर से पंचायत स्तर तक बनाने एवं मजबुत करने का निर्देश दिया गया।मौके पर कांग्रेस नेता डॉ तसद्दुक खान, सेवा दल प्रखंड अध्यक्ष शाकिब रजा सहित अन्य नेता मौजूद थे।

मनुआपुल से बगहा के मंगलपुर तक गंडक नदी के किनारे बांध पर मरीन ड्राइव बने : सांसद सुनील कुमार

पश्चिम चंपारण (बगहा),(एजेंसी) : मनुआपुल - रतवल-रजवटीया गंडक नदी के किनारे के बांध पर, बगहा शहर होते हुए मंगलपुर तक मरीन ड्राइव के तर्ज पर बनाने का प्रस्ताव वाल्मीकिनगर सांसद सुनील कुमार ने सोमवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलकर रखा है।उक्त आशय की जानकारी जद यू बगहा के मीडिया प्रभारी राकेश कुमार सिंह ने दी है।

उन्होंने बताया है कि सांसद ने मुख्यमंत्री से कहा है कि इसके लिए हमने आपको पत्र भी लिखा था जिस पर मुख्यमंत्री सचिवालय से जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव को पत्र भी भेजा गया है। मैं उनसे मिलकर इसपर चर्चा भी कर चुका हूं।सांसद के अनुसार उन्होंने मुख्यमंत्री का ध्यान टाइगर रिजर्व प्रोजेक्ट के वैकल्पिक मार्ग के निर्माण की तरफ ध्यान आकृष्ट करते हुए बताया कि अनुमंडल मुख्यालय से सुदूर पिपरासी प्रखंड को जोड़ने के लिए अभी से कार्य योजना बनाने की जरूरत है। आगे बताया कि उन्होंने उपमुख्यमंत्री से भी इस संबंध में चर्चा की है कि राष्ट्रीय राजमार्ग-727 के अंतर्गत बगहा से बेलवनिया तक बनने जा रहे पुल सह राजमार्ग के बीच सर्वे कराकर नैनहा गाँव के समीप प्रस्तावित पीलर नंबर 13 के आस पास से एक एलाइनमेंट स्वीकृत गंडक पुल के नीचे उतारा जाय जिसके माध्यम से जटहा बाजार होते पिपरासी प्रखंड आने -जाने वालों को सुविधा हो।वाल्मीकिनगर सांसद ने मुख्यमंत्री से अपने लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत बुद्ध सर्किट , रामायण सर्किट और गांधी सर्किट के तहत वाल्मीकि आश्रम के आस पास के सभी मंदिर, सोमेश्वर धाम, नंदनगढ़, लौरिया, रमपुरवा, चानकीगढ़, भीतिहरवा आश्रम को पर्यटन के दृष्टिकोण से और अधिक विकसित करने केसाथ रतवल-धनहा मे प्रस्तावित टेक्सटाइल पार्क के संबंध में चर्चा किया। खासकर सोमेश्वर पहाड़ को पर्यटन की दृष्टि से सुगम बनाने को लेकर इन पर्वत श्रृंखलाओं के बीच पर्यटकों की सुविधा के लिए रोपवे अथवा केबल कार उपलब्ध कराने पर विशेष चर्चा हुई।

ट्रेन से छह नाबालिग बच्चे कराए गए मुक्त, दो मानव तस्कर गिरफ्तार

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गया : गया-डीडीयू रेल सेक्शन के गया-डेहरी स्टेशनों के बीच गया आरपीएफ व सीपीडीएस के सब इंस्पेक्टर जावेद एकबाल के नेतृत्व में ऑपरेशन आहट के तहत गया-चेन्नई एक्सप्रेस में विशेष निगरानी सह चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। उसी क्रम में डेहरी ऑनसोन रेलवे स्टेशन के पहुंचने से थोड़ी देर पहले इंजन से पहला सामान्य कोच में एक व्यक्ति कुछ नाबालिक बच्चों के साथ संदिग्ध अवस्था में बैठे हुए देखा गया। नाबालिग बच्चों के साथ बैठे व्यक्ति से पूछताछ करने पर उसने अपना नाम रवि कुमार पिता सुरेश भारती साकिन हरनो थाना मेंगरा जिला-गया बताया तथा वह भी बताया कि साथ में बैठे चारो नाबालिग बच्चे जो गाँव के ही हैं। इन्हें चेन्नई में होटल में काम कराने के लिए समान्य टिकट लेकर उक्त गाडी से गया से चेन्नई लेकर जा रहा हूँ। जिन्हें प्रतिदिन 8 से 10 घंटा काम करवाकर प्रतिमाह 12 हजार रुपया पगार दिया जायेगा। बाद मामला बाल मजदुरी का संदिग्ध पाकर उक्त सभी को पुछताछ एवं कार्यवाही के लिए डेहरी रेलवे स्टेशन पर उतारा गया। इसी दौरान डेहरी ऑन सोन स्टेशन पर उक्त गाडी के इंजन से दुसरे समान्य कोच के पास मे एक व्यक्ति को दो नाबालिक बच्चों के साथ संदिग्ध अवस्था में देखा गया। जिन्हे रोक कर पुछताछ करने पर दोनो नाबालिक बच्चों के साथ वाले व्यक्ति ने अपना नाम देवनारायण उरांव पिता कृष्ण उरांव पता रानाडीह थाना रोहतास जिला रोहतास बताया तथा यह भी बताया की साथ के दोनो नाबालिक बच्चे गाँव के ही हैं। इन्हें चेन्नई में पाईप लाईन बिछाने का काम कराने के लिए लेकर जा रहा हूँ जिनसे प्रतिदिन 10 से 12 घंटे काम करवाकर प्रतिमाह ₹15 हजार पगार दिया जायेगा। डेहरी से चेन्नई जाने के लिए समान्य टिकट लेकर गाडी संख्या 12389 को पकडने के लिए प्लेटफार्म पर आये थे। मामला बाल मजदुरी का पाकर उन्हें रोका गया। उपरोक्त सभी को डेहरी ऑन सोन रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या 3 के अंतिम पश्चिमी छोर पर बने यात्री शेड मे लाया गया एवं सालिनतापूर्वक कॉउन्सिलिंग किया गया। बाद मामला तस्करी व बाल मजदुरी का पाकर दोनो चाईल्ड ट्रैफिकररवि कुमार एवं देवनारायण उरांव को अपराध का जुर्म बताते हुए गिरफ्तार किया गया। नाबालिग 06 बच्चों को एसोसिएट टू जस्टिस फॉर चिल्ड्रेन रोहतास को सुपुर्द किया गया।

पोप फ्रांसिस की गिनती दुनिया के सबसे प्रगतिशील व संवेदनशील धर्मगुरुओं में होगी: मांझी

केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस के निधन पर जताया दुख

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गया : ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस के निधन पर केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने गहरा दुख जताया है।श्री मांझी ने कहा कि वेटिकन सिटी से आई यह खबर बेहद दुखद है। ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस के निधन से दुनिया भर में उनके चाहने वालों को मर्माहत कर दिया है। दुख और पीड़ा की इस घड़ी में प्रभु सबको संबल प्रदान करें। केन्द्रीय मंत्री के सलाहकार डॉ दानिश रिजवान ने बताया कि केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने अपने शोक संवेदना संदेश में कहा कि दुनिया भर के कैथोलिक ईसाइयों के धर्मगुरु पोप फ्रांसिस 88 वर्ष की उम्र तक किसी योद्धा की तरह रहे और पिछले कुछ महीनों से गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जूझने के बावजूद उनकी चिंता विश्व शांति को लेकर रही। पोप फ्रांसिस को नमन करते हुए कहा कि पोप फ्रांसिस अपने दौर के सबसे प्रगतिशील और संवेदनशील धर्मगुरु के तौर पर हमेशा याद किए जाएंगे। उन्होंने कई गंभीर सवालों पर परंपराओं को तोड़ते हुए क्रांतिकारी फैसले लिए, भारत के साथ पोप फ्रांसिस के संबंध बेहद आत्मीय और खास थे उनका निधन हमारे देश के लिए भी एक अपूरणीय क्षति है।

बारात से लौट रही गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त,हादसे में एक की मौत,पांच घायल

अररिया (एजेंसी) : अररिया-रानीगंज मार्ग में नारायणपुर के पास सोमवार को सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं पांच लोग घायल हो गए। मृतक की पहचान जेपी आंदोलनकारी 74 वर्षीय रामचंद्र चौधरी के रूप में की गई है।

घटना को लेकर मिली जानकारी के अनुसार,जिले के सिकटी प्रखंड के बरदाहा से शादी समारोह में शामिल होकर निवास लौटने के क्रम में चालक को झपकी आ जाने से कार बिजली के खंभे और पेड़ से टकरा गई।जिसमें सवार सवार सभी 6 लोग घायल हो गए।

हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने सभी घायलों को तुरंत सदर अस्पताल अररिया पहुंचाया। जहां अस्पताल में इलाज के दौरान रामचंद्र चौधरी की मौत हो गई। घायलों की पहचान कार चालक उमाशंकर साह और मिथुन कुमार समेत तीन अन्य लोग शामिल हैं।

डॉक्टरों ने बताया कि सभी घायलों की हालत गंभीर लेकिन स्थिर है।सूचना के बाद यातायात थानाध्यक्ष अरविंद कुमार मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी।उन्होंने बताया कि आवेदन मिलने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

यात्री सुरक्षा को लेकर जीआरपी की बढ़ी चौकसी, नहीं बख्शे जाएंगे अपराधी

रेल एसपी अमृतेन्दु ठाकुर के निर्देशन में रेल डीएसपी के साथ थानाध्यक्ष ने तेज किया अभियान

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गया : गया जंक्शन व आसपास स्टेशनों व रेल क्षेत्र में यात्री सुरक्षा को लेकर जीआरपी की चौकसी बढ़ी है। किसी भी परिस्थिति में अपराधी नहीं बख्शे जाएंगे। ट्रेनों में रील बनाने व महिला यात्रियों को फोटो लेने वाले भी जेल के सलाखों में भेजे जाएंगे। पटना रेल एसपी अमृतेन्दु कुमार ठाकुर के निर्देशन में रेल डीएसपी आलोक कुमार सिंह के साथ थानाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने सुरक्षात्मक अभियान तेज किया है। सुरक्षात्मक अलर्ट के तहत जीआरपी की टीम रेल थानाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में बदमाशों व अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई अभियान तेज किया गया है। चोरी और जहरखुरानी जैसी घटनाओं को रोकने के लिए जेल से छूटे अपराधियों की निगरानी शुरू कर दी है। ट्रेनों व रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जीआरपी ने तैयारी तेज कर दी है। अपराधियों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए जीआरपी ने एक विशेष टीम बनाकर कार्रवाई तेज की है। यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए रेलवे स्टेशन पर सीसी कैमरे की मदद से निगरानी की जा रही है।

स्टेशन परिसरों में अतिरिक्त पुलिस बलों को तैनात किया गया है और संदिग्ध व्यक्तियों पर विशेष निगरानी बढ़ा दिया गया है। रेल अपराधियों के खिलाफ जीआरपी कई तरह के अभियान चलाती है। इनमें विशेष सत्यापन अभियान, संयुक्त अभियान और नियमित और आकस्मिक चेकिंग अभियान शामिल हैं।

विशेष अभियान के तहत जेल से छूटे अपराधियों की निगरानी,पिछले कुछ सालों में जेल गए अपराधियों का विशेष सत्यापन,चोरी और जहरखुरानी जैसी घटनाओं को रोकने के लिए विशेष अभियान,

जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीमों द्वारा चेकिंग अभियान,ट्रेनों और रेलवे स्टेशनों पर चोरी, लूट, जहरखुरानी, और मादक पदार्थों की तस्करी जैसी घटनाओं को रोकने के लिए अभियान,स्टेशन परिसर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अभियान,भरी हुई गाड़ियों में निगरानी रखने के लिए अभियान तेज किया गया है।

पृष्ठ एक का शेष...

बोकारो में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता....

ये किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। इसी सूचना पर संयुक्त बलों की एक टीम बनाई गई। टीम में 209 कोबरा बटालियन, बोकारो पुलिस, झारखंड जगुआर व सीआरपीएफ के जवानों को शामिल किया गया। अभियान का नाम दिया गया था 'ऑपरेशन डाकाबेड़ा'।

यह अभियान बोकारो जिले के लुगु पहाड़ इलाके में चलाया गया। सोमवार की सुबह करीब साढ़े पांच बजे माओवादियों के दस्ते के साथ सुरक्षा बलों की कई बार मुठभेड़ हुई। अभियान अभी जारी है।

इस अभियान के दौरान अब तक नक्सलियों के आठ शव बरामद हुए हैं। इनमें से तीन की पहचान हो चुकी है, पांच की शिनाख्त की कोशिश चल रही है। मौके से भारी मात्रा में हथियार व दैनिक उपयोग की सामग्री बरामद

डीजीपी ने कहा, बचे हुए नक्सली आत्मसमर्पण करें नहीं उनका भी हाल यही होगा

डीजीपी ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि जो भी बचे हुए नक्सली हैं, वे आत्मसमर्पण करें नहीं तो उनका भी हाल यही होगा। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों ने माओवादियों के गढ़ में घुसकर आठ माओवादियों को मारा है। इस पूरे अभियान का श्रेय जेजे, जिला पुलिस व सीआरपीएफ को जाता है।

अभियान डेढ़-दो घंटे तक चला। यह मुठभेड़ माओवादियों के मुख्य समूह के साथ हुआ है। सुरक्षा बलों की मुख्य स्ट्राइक फोर्स कोबरा थी। झारखंड पुलिस ने जो वादा किया था, उसे पूरा किया। पुलिस ने वादा किया था कि सभी शहीद जवानों का बदला लेंगे और नक्सलियों को झारखंड से उखाड़ फेंकेंगे। यह बड़ी सफलता मिली है।

पुलिस के पास बचे हुए सभी नक्सलियों के पल-पल की जानकारी

डीजीपी अनुराग गुप्ता ने कहा कि झारखंड पुलिस को राज्य के बचे हुए सभी नक्सलियों की जानकारी है, कोई बचेगा नहीं। बचे खुचे नक्सली या चाईबासा के सारंडा के जो नक्सली हैं उनसे डीजीपी ने अपील की है और चेतावनी दी है कि अगर उन्हें अपनी जान प्यारी है तो वे आत्मसमर्पण करें।

झारखंड पुलिस की खूबसूरत आत्मसमर्पण नीति है, उसके तहत वे सरेंडर करें। उन्हें नियमित जेल में नहीं, बल्कि उनके लिए एक अलग स्पेशल जेल है। रिवार्ड की राशि उन्हें ही मिलती है। शिक्षा, आवास सहित उन्हें अनेक सुविधाएं मिलती हैं।

यह मुठभेड़ उन्हें चेतावनी भी है और सुझाव भी है। डीजीपी ने अब चाईबासा के सारंडा में अभियान को और तेज करने की बात कही है। जवान वहां चप्पे-चप्पे पर तैनात होंगे। बरसात तक नक्सलियों की समाप्ति की तैयारी है।

राज्य में अब भी चार सेंट्रल कमेटी व पोलित ब्यूरो सदस्य मौजूद

डीजीपी ने कहा कि राज्य में अब भी चार पोलित ब्यूरो सदस्य, सेंट्रल कमेटी सदस्य मौजूद हैं। इनमें पोलित ब्यूरो सदस्य मिसिर बेसरा, सेंट्रल कमेटी सदस्य असीम मंडल व अनल उर्फ तूफान शामिल हैं।

माओवादियों की उत्तरी छोटानागपुर टीम प्रयाग मांझी के बाद दूसरे नंबर पर स्पेशल एरिया कमेटी सदस्य सह 25 लाख रुपये का इनामी प्रवेश उर्फ अमलेश उर्फ अनुज उर्फ सहदेव सोरेन है जो इस मुठभेड़ में बच निकला है। वह भी एक करोड़ के इनामी सेंट्रल कमेटी सदस्य के रूप में कार्यरत है। उसपर भी इनाम की राशि एक करोड़ करने का प्रस्ताव है।

पोप फ्रांसिस नहीं रहेः वेटिकन ने जारी किया शोक......

फ्लोरेंस में जन्मे

पोप फ्रांसिस का जन्म 17 दिसंबर 1936 को अर्जेंटीना के फ्लोरेंस शहर में हुआ था। उनका बचपन और युवावस्था ब्यूनस आयर्स में बीता। उनके दादा-दादी इटली से आकर अर्जेंटीना में बसे थे, जब इटली में तानाशाह बेनिटो मुसोलिनी का शासन था। जॉर्ज मारियो बर्गोग्लियो ने सोसाइटी ऑफ जीसस (जेसुइट्स) में दीक्षा ली और ब्यूनस आयर्स यूनिवर्सिटी से दर्शनशास्त्र और धर्मशास्त्र में मास्टर डिग्री प्राप्त की। 1998 में वे ब्यूनस आयर्स के आर्कबिशप बने और 2001 में पोप जॉन पॉल द्वितीय ने उन्हें कार्डिनल नियुक्त किया।

सादगी और सहानुभूति थी पहचान

पोप फ्रांसिस अपने सादगीपूर्ण जीवन, सामाजिक न्याय के लिए उठाई गई आवाज और गरीबों के प्रति सहानुभूति के लिए जाने जाते रहे हैं। उनके नेतृत्व में चर्च ने कई आधुनिक विषयों पर खुले विचारों की ओर कदम बढ़ाया था। उनका यूं इस दुनियां को हमेशा के लिए अलविदा कह जाना न केवल कैथोलिक समुदाय बल्कि बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक दुःखद क्षण है। वे अपने कार्यों के माध्यम से हमेशा याद किए जाएंगे।

सिंदरी में मानव तस्करी का मामले का....

लड़कियों की तस्करी के आरोप में चार मुस्लिम युवकों को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के विभाग मंत्री सोनू गिरी ने बताया कि सुबह घटना की जानकारी मिलने पर बजरंग दल के युवकों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए लड़कियों को तस्करों के चंगुल से मुक्त कराकर उनके परिजनों को सौंप दिया। भाजपा महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष रंजना शर्मा ने बताया कि सभी नाबालिग लड़कियों के पिता बलियापुर थाना में मामला दर्ज करवा रहे हैं। इस आधार पर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बजरंग दल की इस कार्रवाई के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

हमारे आज के निर्णय तय करेंगे एक हजार....

कहा, मुझे खुशी है की इस बार सिविल सेवा दिवस की थीम भारत का समग्र विकास रखी गई है। भारत का समग्र विकास यानी कोई गांव पीछे न छूटे। कोई परिवार पीछे न छूटे। कोई नागरिक पीछे न छूटे। असल प्रगति का मतलब छोटे बदलाव नहीं होता... बल्कि पूर्ण पैमाने पर प्रभाव होता है। हर घर में साफ पानी, हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, हर उद्यमी को वित्तीय पहुंच और हर गांव को डिजिटल अर्थव्यवस्था का लाभ। यही है- समग्र विकास।

विकसित भारत की नींव बहुत मजबूत

पीएम मोदी ने कहा कि मैं मानता हूं कि शासन में गुणवत्ता सिर्फ योजनाएं लॉन्च करने से नहीं आती, बल्कि शासन में गुणवत्ता से इससे तय होती है कि वो योजना कितनी गहराई तक जनता के बीच पहुंची और उसका कितना वास्तविक प्रभाव हुआ। पिछले 10-11 साल की देश की जो सफलताएं रही हैं, उन्होंने विकसित भारत की नींव को बहुत मजबूत किया है। आज देश इस मजबूत नींव पर विकसित भारत की भव्य इमारत का निर्माण शुरू कर रहा है। लेकिन निर्माण की इस प्रक्रिया में हमारे सामने चुनौतियां कम नहीं हैं। भारत अब दुनिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन चुका है। ऐसे में बेसिक सुविधाओं की परिपूर्णता हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। आपको अंतिम छोर डिलीवरी पर हमेशा बहुत ज्यादा फोकस करते रहना है। समय के साथ देशवासियों की जरूरत और आकांक्षाएं तेजी से बदल रही हैं। उन्होंने कहा कि तेजी से बदलते समय में हमें वैश्विक चुनौतियों पर भी गहरी नजर रखनी है। आप देख रहे हैं कि खाना, पानी और ऊर्जा सुरक्षा अब भी बड़ी चुनौती बनी हुई है। विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण के लिए ये बहुत बड़ा संकट है।

इटावा सफारी पार्क में शेरनी रूपा ने चार शावकों को .....

इससे पूर्व, सफारी पार्क की एक अन्य शेरनी रूपा की मां जेसिका ने वर्ष 2016 में दो नर शावक सिम्बा व सुल्तान, वर्ष 2017 में नर शावक बाहुबली, वर्ष 2019 में दो मादा व एक नर शावक रूपा, सोना और भारत तथा वर्ष 2020 में दो मादा शावक गार्गी व नीरजा को जन्म दिया था। इसके अतिरिक्त सफारी पार्क की दिवंगत शेरनी जेनिफर जो 25 सितंबर 2020 को गुजरात से लाई गई, जिसकी मां जेसिका है, ने वर्ष 2020 में नर शावक केसरी तथा अगस्त 2022 में एक नर शावक विश्वा को जन्म दिया।

निदेशक ने बताया कि यहां पर पैदा हुई बब्बर शेरनी नीरजा ने भी मार्च 2025 में तीन शावकों को जन्म दिया था। जो वर्तमान में एक माह से अधिक के हो चुके हैं। इस प्रकार सफारी में चार नवजात शावकों के अतिरिक्त कुल 16 शावकों ने जन्म लिया है।

संक्षिप्त खबर

राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने हेतु किया गया बैठक का आयोन

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह : झालसा रांची के निदेशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गिरिडीह के मार्गदर्शन में आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 10 मई को जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गिरिडीह की ओर से व्यवहार न्यायालय परिसर गिरिडीह में किया जाएगा। इस संबंध में जानकारी प्रदान करते हुए सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार गिरिडीह सफदर अली नेयर ने कहा कि झालसा, रांची द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 10 मई को कराने का निर्देश प्राप्त हुआ है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार गिरिडीह अरविन्द कुमार पांडेय के मार्गदर्शन में इस आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने हेतु व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही है। इसी कड़ी में 21अप्रैल को प्रेस, मीडिया बंधुओं के साथ बैठक किया गया। साथ ही आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत के सफलतापूर्वक आयोजन हेतु एवं अधिक से अधिक मामलों के निस्तारण हेतु गिरिडीह जिले के सभी अनुमंडल पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण ऑनलाइन बैठक का भी आयोजन किया गया।इसके अलावा फ्रंट कार्यालय में पति पत्नी मामले में एक दंपति के बीच सुलह करा कर मामले को निष्पादित किया गया। विदित हो कि इस राष्ट्रीय लोक अदालत में सुलहनीय आपराधिक मामले, सिविल मामले, वाहन दुर्घटना वाद से संबंधित मामले, वन विभाग, बिजली विभाग, माप तौल विभाग, श्रम विभाग, उत्पाद विभाग, भूमि अधिग्रहण से संबंधित मामले, सर्टिफिकेट केस, बैंक वाद, इंश्योरेंस क्लेम, टेलीफोन एवं नगर निगम से संबंधित मामले, ट्रैफिक चालान सहित जनोपयोगी सेवा से संबंधित मामलों का निष्पादन पक्षकारों के आपसी सहमति के आधार पर किया जाना है।इसके लिए सभी संबंधित न्यायालयों तथा विभागों से सुलहनीय मामलों को चिन्हित करने तथा संबंधित पक्षकारों को नोटिस प्रदान करने का कार्य किया जा रहा है।इस संबंध में जानकारी प्रदान करते हुए सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार गिरिडीह सफदर अली नेयर ने कहा कि झालसा, रांची के निदेशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गिरिडीह ने आम पक्षकारों, बुद्धिजीवियों, समाजसेवियों, विद्वान अधिवक्ताओं, मीडिया बंधुओं से अपील की कि सभी अपने अपने-अपने स्तर से इस आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में आम जनों में प्रचार प्रसार कर इसे सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें। समझौता को सफल बनाने में मध्यस्थ तृप्ति रंजना, पीएलवी दिलीप कुमार, अशोक कुमार वर्मा, शालिनी प्रिया, कामेश्वर कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

फतेहपुर प्रखण्ड में लगभग 100 प्रधानमंत्री आवास अधूरे और लंबित हैं

संबंधित कर्मचारी उसे शीघ्र पूरा कराएं : बीडीओ

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

विन्दापाथर : फतेहपुर प्रखण्ड विकास पदाधिकारी प्रेम कुमार दास ने प्रखण्ड क्षेत्र के कई पंचायतों का भ्रमण कर वर्ष 2016 से वर्ष 2023 तक के अधूरे पड़े प्रधानमंत्री आवास का भौतिक सत्यापन किया। प्रखण्ड विकास पदाधिकारी ने सवालों का जवाब देते हुए कहा कि फतेहपुर प्रखण्ड क्षेत्र में लगभग 100 प्रधानमंत्री आवास लंबित हैं। उन्होंने कहा कि औसत में यदि कहा जाय तो प्रत्येक पंचायत में लगभग पांच से अधिक आवास लंबित हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रधानमंत्री आवासों को शीघ्र पूरा करने के लिए संबंधित पंचायत कर्मियों को कहा जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे लंबित योजनाओं को पूर्ण करने में क्या कमी या त्रुटि रही है उसे दूर करते हुए अंतिम रूप तक अंजाम देना है।उन्होंने कहा कि इसलिए हर पंचायत का भ्रमण कर वस्तुस्थिती की जानकारी ली जा रही है। पालाजोरी पंचायत सचिवालय में इस अवसर पर पंचायत मुखिया छोटे लाल हेमरम, उपमुखिया दामोदर राय, पंचायत सचिव मुकेश कुमार पाण्डेय सहित अन्य उपस्थित थे।

अधिवक्ता संघ के सभागार में पूर्व अध्यक्ष मिहिर कुमार दुबे के निधन पर शोक सभा का आयोजन

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

जामताड़ा : जामताड़ा के प्रतिष्ठित अधिवक्ता सह जिला अधिवक्ता संघ के पूर्व जिला अध्यक्ष मिहिर कुमार दुबे के निधन पर संघ के सभागार में सोमवार को एक शोक सभा का आयोजन किया गया जिसमें संघ के सैकड़ो अधिवक्ताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की एवं उनकी आत्मा की शांति हेतु 2 मिनट का मौन रखकर भगवान से प्रार्थना की। वे कुछ दिनों से अस्वस्थ होने के कारण इलाजरत थे।वे पूरा जीवन समाजसेवा अधिवक्ता, राजनीतिज्ञ के नाम से सुशोभित होने वाले अब जीवन का जंग हार गए ,और परलोक चल बसे वह विभिन्न पदों पर जैसे अधिवक्ता के रूप मे बार एसोसिएशन के अध्यक्ष के पद पर सुशोभित रहे। साथ ही लगातार कई वर्षों तक कांग्रेस अध्यक्ष के पद पर भी नवाजे गए। वे मधुर भाषी थे। इस अवसर पर अधिवक्ता संघ के जिला अध्यक्ष मोहनलाल बर्मन ने उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मिहिर दुबे संघ के अध्यक्ष के नाते एवं जीवन में एक ऐसे कार्य किए जिनके लिए उन्हें हम याद रखेंगे। इस मौके पर संघ के अधिवक्ता शांति नाथ मंडल ,सौमित्र सरकार उर्फ लालटु बाबु, मनोज कुमार सिंह ,समीर कुमार दत्ता, संजय कुमार मेहता ,जसीमुद्दीन खान, अरविंद कुमार सरकार, लक्ष्मी दुबे, मुक्ता मंडल, पुष्पा शर्मा सहित अधिवक्ता उपस्थित थे।

निशिकांत दुबे के बयान पर कांग्रेस पार्टी में भारी उबाल

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

जामताड़ा : निशिकांत दुबे के बयान पर कांग्रेस पार्टी में भारी उबाल देखा जा रहा है. कांग्रेस विधायक सह झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने जामताड़ा स्थित अपने आवासीय कार्यालय पर प्रेस वार्ता का आयोजन कर सांसद निशिकांत दुबे के बयान की कड़ी निंदा की. उन्होंने भारतीय जनता पार्टी को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि भाजपा अब देश के सर्वोच्च न्यायालय का भी मजाक बना रही है. उन्होंने कहा कि एक तरफ जात धर्म के नाम पर देश में लड़ाई करवाने का प्रयास कर रहे हैं. तो वहीं दूसरी तरफ न्याय व्यवस्था पर टिप्पणी कर सर्वोच्च न्यायालय पर उंगली उठा रहे हैं.उन्होंने कहा कि भाजपा अब कानून व्यवस्था को हाईजैक करने का प्रयास कर रही है, जिससे यही स्पष्ट होता है कि इनके बड़बोले सांसद खुद को सर्वोच्च न्यायालय से भी ऊपर समझने लगे हैं.

डॉ. इरफान ने कहा कि इससे पूर्व लोकसभा के डिप्टी स्पीकर ने भी न्यायालय को आंख दिखाने का काम किया है. जिस न्यायालय को आस्था का मंदिर माना जाता है, जहां लोग हर जगह निराश होने के बाद न्याय के लिए पहुंचते हैं उसके लिए इन लोगों की टिप्पणी काफी गंभीर मुद्दा है. उन्होंने कहा कि हम देश के राष्ट्रपति और लोकसभा स्पीकर से मांग करते हैं कि निशिकांत दुबे की संसद सदस्यता अविलंब समाप्त की जाए. उन्होंने कहा कि मैं देश के प्रधानमंत्री से कहना चाहता हूं कि आप अपने सांसदों को नियंत्रण में रखें, इन्हें नियम कानून से ऊपर ना जाने दें. कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी के कारण पूरे देश की शांति व्यवस्था प्रभावित हो रही है. सांसदों के ऐसी टिप्पणी से पूरी दुनिया में देश की जगहंसाई हो रही है.

पलामू का अधिकतम तापमान 43 डिग्री के पार, 24 घंटे में दो डिग्री की बढ़ोतरी

पलामू, (एजेंसी)। पलामू का अधिकतम तापमान 43 डिग्री के पार कर गया है। 24 घंटे में दो डिग्री की बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में दोपहर के समय सड़कों पर निकलना मुश्किल हो गया है। कोयल पुल पर दोपहर के समय पार करते समय अधिकतर लोग अपने चेहरों को ढके नजर आए। गर्म हवा से बदन झुलस रहा था। देर शाम तक लू चल रहा है, जिससे जनजीवन पर असर पड़ा है। मौसम विभाग ने बताया कि सोमवार का दिन इस सीजन का सबसे गर्म रहा। अधिकतम तापमान 43.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। न्यूनतम तापमान 25.6 डिग्री रहा। रविवार को अधिकतम तापमान 41.8 डिग्री सेल्सियस रहा था। पलामू में सोमवार से मौसम में परिवर्तन फिर से शुरू हो गया है। पिछले कुछ दिनों से हो रही लगातार बारिश का दौर फिलहाल रुक गया है। मौसम विभाग के अनुसार आसमान मुख्यत साफ और मौसम शुष्क बना रहेगा। मौसम का ऐसा ही हाल 24 अप्रैल तक रहेगा। इस दौरान तापमान में वृद्धि होना भी अब तय माना जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में और वृद्धि हो सकती है। इसके बाद अगले दो दिन इसमें कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं है।

भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर सम्मान समारोह मनाया गया

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

विन्दापाथर : भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर सम्मान अभियान के तहत नाला विधानसभा के पावन भूमि पर भूत पूर्व नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी का पदार्पण नाला में हुआ जहां उनके साथ नाला विधानसभा के भाजपा प्रत्याशी रह चुके माधव चन्द्र महतो के सानिध्य मे एक संगोष्ठी का आयोजन की गई। भाजपा नेता द्वय ने सबसे पहले नाला विद्यालय में स्थापित डॉ. भीमराव अंबेडकर के मुर्ती पर माल्यार्पण किया। उनके साथ भाजपा कार्यकर्ताओं की समूह शामिल रहे। कार्यक्रम में पूर्व प्रतिपक्ष नेता अमर बाउरी ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास कार्यों को जनता तक पहुंचाएं। कांग्रेस की सरकार जब से देश में रही तब क्या क्या कांड कर गई है वह भी जनता को जानकारी दें। कांग्रेस की तुष्टिकरण नीति को भी जनता को बताएं। इस अवसर पर काफी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और उनके समर्थक उपस्थित थे।

श्यामलाल हेंब्रम की पुण्यतिथि पर जेएमएम कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

मिहिजाम: झारखंड मुक्ति मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष स्वर्गीय श्यामलाल हेंब्रम की पहली पुण्यतिथि रविवार को केलाही गांव के हुचुकपाड़ा में आदर और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता, समर्थक और ग्रामीण उपस्थित हुए और दिवंगत नेता को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। समारोह की शुरुआत उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पण और दीप जलाकर की गई। उपस्थित लोगों ने एक-एक कर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन समर्पित किया। पूरा माहौल भावुक और श्रद्धा से भरा हुआ था। कई पुराने सहयोगी और अनुयायी उन्हें याद कर भावुक हो उठे। समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में शामिल प्रोफेसर कैलाश साव ने श्यामलाल हेंब्रम के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे झारखंडी पहचान के प्रतीक थे।

उन्होंने समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति की आवाज को बुलंद किया और संगठन को जमीनी स्तर तक सशक्त बनाया।उन्होंने कहा, हेंब्रम सिर्फ एक राजनेता नहीं, बल्कि एक आंदोलन की तरह थे, जिनकी सोच और कार्यशैली आज भी प्रेरणास्रोत है। इस मौके पर जेएमएम के वरिष्ठ नेताओं सहित कार्यकर्ताओं की बड़ी भागीदारी रही। कार्यक्रम में सलिल रसन, महेंद्र टुडू, किंकर राय, विष्णु देव मुर्मू, मेरी मरांडी और इरशाद आलम समेत कई प्रमुख चेहरे मौजूद रहे। सभी ने उनके आदर्शों को अपनाने और उनके अधूरे कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम के अंत में शांति प्रार्थना आयोजित की गई। जिसमें सभी ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

बोकारो इस्पात जनता मजदूर संघ की बैठक, मजदूर दिवस को लेकर विचार-विमर्श

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो : बोकारो इस्पात जनता मजदूर संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों की एक महत्वपूर्ण बैठक बुधवार को सेक्टर 3 स्थित टुडेन गार्डेन में संपन्न हुई। इस बैठक की अध्यक्षता तारकेश्वर महतो ने की, जिसमें कई अहम मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में अध्यक्ष ने कहा कि पिछले प्लांट एपेरेटिस दुर्घटना में घायल श्रमिकों के लिए 20,000 रुपए का मुआवजा अभी तक प्राप्त नहीं हुआ है, जबकि दुर्घटना में घायल श्रमिकों के इलाज के लिए बी जी एच अस्पताल अब अतिरिक्त चार्ज कर रहा है, जो अनुचित है। इस पर महामंत्री सुमन सिंह ने भी अपनी चिंता जताते हुए कहा कि यह स्थिति मजदूरों के अधिकारों के उल्लंघन के समान है। महामंत्री सुमन सिंह ने आगे बताया कि 1 मई को मजदूर दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यशाला में मजदूरों के अधिकारों, उनके हितों और बेहतर कार्य स्थितियों पर विशेष चर्चा की जाएगी, जिससे मजदूरों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा सके। उपाध्यक्ष नवीन सिंह ने भी बैठक में महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए। उन्होंने कहा कि बी एस एल प्लॉटधारियों से प्रतिमाह 3500 रुपए की साफ-सफाई शुल्क लिया जा रहा है, लेकिन इस शुल्क का उपयोग सही तरीके से नहीं किया जा रहा है।

इसके अलावा, बी एस एल आवास के सामने सड़क पर स्ट्रीट लाइट की कमी है, जिससे कर्मचारियों और उनके परिवारों को अंधेरे में सड़क पर चलने में काफी कठिनाई होती है। इस समस्या के समाधान के लिए प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग की गई। कार्यालय सचिव गणेश कुमार पाठक ने बताया कि नया मोड़ मुख्य चौराहे पर गति अवरोधक (हम्प) की अनुपस्थिति के कारण कई दुर्घटनाएँ हो चुकी हैं, और यह दुर्घटनाओं का कारण बना है। उन्होंने बी एस एल नगर प्रशासन और प्रबंधन से आग्रह किया कि इस समस्या का शीघ्र समाधान किया जाए। बैठक में उपस्थित अन्य पदाधिकारियों और सदस्यों में प्रमुख रूप से पुष्पा मिश्रा, प्रतिमा शर्मा, लक्ष्मण शर्मा, गुलाम जिलानी, सुमित सिंह, श्याम कुमार, गोकुल प्रसाद, हरिश्चंद्र गांधी, विश्वेश्वर बम, भोला प्रसाद, लक्ष्मण सिंह आदि शामिल थे।

बैठक का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसे पदाधिकारी देवेन्द्र कुमार ने दिया। सभी ने बैठक में उठाए गए मुद्दों पर शीघ्र समाधान की उम्मीद जताई और मजदूरों के अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

उत्कृष्ट कार्य के लिए रनिया के थाना प्रभारी विकास जायसवाल सम्मानित

खूंटी, (एजेंसी)। रनिया के थाना प्रभारी विकास कुमार जायसवाल को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने सोमवार को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। रनिया थाना क्षेत्र में नाबालिग लड़कियों के साथ घटी सामूहिक दुष्कर्म की घटना का त्वरित उदभेदन कर इसमें शामिल सभी आरोपितों को 12 घंटे के अंदर निरुद्ध करने के मामले में थाना प्रभारी को सम्मानित किया गया। एसपी कार्यालय में सोमवार को आयोजित अपराध गोष्ठी के दौरान एसपी ने थाना प्रभारी को प्रशस्ति पत्र दिया। इस कांड के उदभेदन में शामिल रहे एएसपी क्रिस्तोफर केरकेट्टा, पुलिस इंस्पेक्टर अशोक कुमार सिंह सहित तोरपा और रनिया के पुलिस पदाधिकारियों को पूर्व में ही प्रशस्ति दिया गया है। प्रशिक्षण के लिए चले जाने के कारण रनिया थाना प्रभारी को प्रशस्ति पत्र प्रदान नहीं किया गया था।

क्या है मामला: रनिया थाना क्षेत्र में 21 फरवरी की रात को पांच नाबालिग लड़कियों के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना हुई थी। घटना को अंजाम देने वाले भी नाबालिग थे। घटना की सूचना रनिया पुलिस को मिलने के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए 12 घंटे के अंदर घटना में शामिल सभी लड़कों को निरुद्ध कर ससमय कानूनी कार्रवाई की गयी। इसी मामले के उदभेदन में शामिल रनिया थाना प्रभारी विकास कुमार जायसवाल सहित पुलिस पदाधिकारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया है। गैंग रेप की इस घटना ने लोगों को झकझोर कर रख दिया था। यह मामला विधानसभा में भी उठा था। जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू ने यह मामला विधानसभा में उठाया था। घटना को बाल संरक्षण आयोग की टीम ने भी संज्ञान में लिया था। राज्य बाल संरक्षण आयोग की टीम गांव का दौरा कर पीड़ित लड़कियों से मिली थी।

बीएसएल इंटर-डिपार्टमेंटल क्रिकेट चैम्पियनशिप 2025 का शुभारंभ

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो : बीएसएल इंटर-डिपार्टमेंटल क्रिकेट चैम्पियनशिप 2025 का शुभारंभ सोमवार को बीएसएल के क्रिकेट स्टेडियम में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक (सीईडी) शालिग्राम सिंह ने प्रतियोगिता का औपचारिक उद्घाटन किया। इस अवसर पर महाप्रबंधक (टीए) ए के अविनाश, महाप्रबंधक (एल एंड ए) सीआरके सुधांशु, उप महाप्रबंधक (एल एंड ए) आलोक कुमार सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार की खेल प्रतियोगिताएं न केवल कर्मचारियों के बीच टीम भावना और आपसी सहयोग को सुदृढ़ करती हैं, बल्कि कार्यस्थल पर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को भी प्रोत्साहित करती हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया और उन्हें शुभकामनाएं दीं।

आज के उद्घाटन मैच में जेजीओएम और एसआरयू के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला, जिसमें एसआरयू ने 2 विकेट से शानदार जीत दर्ज की, वहीं दूसरे मुकाबले में आयरन जोन 1 की टीम ने आरईडी को एकतरफा मुकाबले में 10 विकेट से पराजित कर अपने शानदार प्रदर्शन का परिचय दिया।

गौरतलब है कि इस प्रतियोगिता में कुल 16 विभागीय टीमें प्रतिभाग कर रही हैं, जिन्हें दो समूहों में विभाजित किया गया है और इसका समापन 26 मई 2025 को होगा।

संपादकीय

बदलेगा मनरेगा

भले ही मौजूदा केंद्रीय सरकार में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना यानी मनरेगा को लेकर उत्साहजनक प्रतिसाद नजर न आता हो, लेकिन बदलते वक्त में पैदा चुनौतियों में भी इसकी प्रासंगिकता कम नहीं हुई है। कोरोना काल ने इस योजना की उपयोगिता को साबित किया है। देश के ग्रामीण अंचल में जहां एक ओर लाखों श्रमिकों व महिलाओं को रोजगार मिला, वहीं अन्य राज्यों के लिये होने वाले पलायन पर रोक लगी। सही मायनों में देश के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिये एक उम्मीद बनकर उभरा है मनरेगा। खासकर अकुशल श्रमिकों को अपने घर के आसपास काम मिलने से लाखों घरों के चूल्हे जलते रहे हैं। लंबे समय से इस योजना के लिये धन आवंटन तथा काम के दिन व मजदूरी बढ़ाने की मांग होती रही है। जिस पर संसद की स्थायी समिति ने मोहर लगा दी है। दरअसल हाल ही में संपन्न बजट सत्र के अंतिम सप्ताह में संसदीय समिति ने मंदी की आहट व ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों के चलते श्रम दिवसों की संख्या डेढ़ सौ दिन करने के साथ मजदूरी चार सौ रुपये प्रतिदिन करने की सिफारिश की है। निस्संदेह, बढ़ती महंगाई व अदृश्य बेरोजगारी दूर करने में ये बदलाव लाभकारी साबित हो सकते हैं। मौजूदा दौर में कम मजदूरी में जीवन-यापन लगातार कठिन होता जा रहा है। यदि ये बदलाव सिरे चढ़ते हैं तो योजना के सार्थक परिणाम सामने आएंगे। जिसे मूर्तरूप देने हेतु मनरेगा के लिये आवंटित धन में वृद्धि भी जरूरी है। इसमें दो राय नहीं कि मनरेगा को लेकर अनेक विसंगतियां भी सामने आई हैं। इसमें भ्रष्टाचार और फर्जी प्रमाणपत्रों के जरिये लाभ उठाने के मामले हैं। आधार कार्ड के जरिये भुगतान ऑनलाइन करने के बाद लाखों श्रमिक फर्जी पाये गए। निस्संदेह, योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता जरूरी है। लेकिन मानना चाहिए कि ग्रामीण इलाकों में कम पढ़े-लिखे लोगों व ऑनलाइन सेवाओं का उपयोग न कर पाने से भी कई तरह की विसंगतियां सामने आ सकती हैं। इसमें ठेकेदारों की मनमानी व अनियमितताओं की भी भूमिका हो सकती है। दरअसल, ग्रामीण विकास व पंचायती राज मंत्रालय की स्थायी समिति ने योजना का मूल्यांकन करके कई रचनात्मक सुझाव दिए थे। जिसमें राज्यों में मजदूरी में एकरूपता लाने तथा काम के दिन बढ़ाने के भी सुझाव शामिल थे। जिस पर अब संसद की स्थायी समिति ने मोहर लगाई है। साथ ही,नीतिगत सुधारों के लिये पारदर्शी सर्वेक्षण की बात भी कही गई है। निस्संदेह, ऐसे प्रयासों से योजना में श्रमिकों की भागीदारी बढ़ेगी। साथ ही जरूरी है कि मनरेगा के जरिये उत्पादक कार्यों को बढ़ावा दिया जाए। जिससे देश की कर्मशील आबादी में वृद्धि होगी। शायद तब देश के अस्सी करोड़ों लोगों को मुफ्त अनाज बांटने की जरूरत न होगी। लेकिन साथ ही जरूरी है कि मनरेगा के बजट आवंटन में जो ठहराव पिछले दिनों देखने में आ रहा था, उसे भी दूर किया जाए। जिसको लेकर विपक्षी कांग्रेस सत्तारूढ़ दल पर हमले बोलती रही है। कांग्रेस अपने कार्यकाल में लायी गई योजना को आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिये सुरक्षा कवच बताती रही है।

(चिंतन-मनन)

मृत्यु का अर्थ

मृत्यु एक शात सत्य है। यह अनुभूति प्रत्यक्ष प्रमाणित है, फिर भी इसके संबंध में कोई दर्शन नहीं है। अब तक जितने ऋषि-महर्षि या संत-महंत हुए हैं, उन्होंने जीवन दर्शन की चर्चा की है। जीवन के बारे में ऐसी अनेक दृष्टियां उपलब्ध हैं जिनसे जीवन को सही रूप में समझा जा सकता है और जिया जा सकता है। किंतु मृत्युक को एक अवश्यंभावी घटना मात्र मानकर उपेक्षित कर दिया गया। मृत्यु के पीछे भी कोई दर्शन है, इस रहस्य को अधिक लोग पकड़ ही नहीं पाए। यही कारण है कि जीवन दर्शन की भांति मृत्यु दर्शन जीवन में उपयोगी नहीं बन सका। जैन दर्शन एक ऐसा दर्शन है जिसने जीवन को जितना महत्व दिया, उतना ही महत्व मृत्यु को दिया। बशर्ते कि वह कलात्मक हो। कलात्मक जीवन जीने वाला व्यक्ति जीवन की सब विसंगतियों के मध्य जीता हुआ भी उसका सार तत्व खींच लेता है। इसी प्रकार मृत्यु की कला समझने वाला व्यक्ति भी मृत्यु से भयभीत न होकर उसे चुनौती देता है। जैन दर्शन में इसका सर्वांगीण विवेचन उपलब्ध है। मृत्यु का अर्थ है- आयुष्य प्राण चुक जाने पर जीव का स्थूल शरीर से वियोग इसके कई प्रकार हैं। उन सबका संक्षिप्त वर्गीकरण किया जाए तो मृत्यु के दो प्रकार होते हैं- बाल मरण और पंडित मरण. असंयम और असमाधिमय मरण बाल मरण है।

संसाधनों के अंतहीन दोहन से बढ़ रहा धरती का तापमान

–राज कुमार सिन्हा–

पृथ्वी का निर्माण करीब 4.6 अरब साल पहले हुआ था। पृथ्वी पर जीवन का विकास करीब 460 करोड़ वर्ष पहले हुआ था। परन्तु धरती तो तब से संकट में है, जब से मनुष्य अपना नाम दर्ज करा कर उसका मालिक बन बैठा है। उसने यह मानने से इंकार कर दिया है कि मनुष्य के नाते वह भी प्रकृति का हिस्सा है। मनुष्य और प्रकृति एक दूसरे के पूरक हैं। दोनों का साथ और सहयोग ही पृथ्वी को हरा-भरा और खूबसूरत बना सकता है। लेकिन हम सभी इस पूरकता को भूलते जा रहे हैं। मनुष्य के सहयोग से उपभोग की बढ़ती लालसाओं का ही परिणाम है कि जल, जंगल और जमीन की समस्या आज सभी समस्याओं में केंद्रीय समस्या बनकर उभर रही है। पृथ्वी केवल मनुष्य की नहीं है बल्कि इस जगत में व्यापत सभी प्राणियों की है। इन सभी के सहयोग व सहचर्य के कारण पृथ्वी जीवित है। आज व्यक्ति व सामाजिक हितों की टकराहट के कारण पृथ्वी में असंतुलन की स्थितियां पनप रही है। आधुनिक जीवनशैली की प्रवृत्तियों ने प्रकृति के साथ हमारे संबंधों को तनावपूर्ण बना दिया है, जिससे स्थिरता में कमी आई है। यह समस्या अब गंभीर हो चुकी है और इसका समाधान यही है कि हम प्रकृति के साथ ऐसा संबंध स्थापित करें जो उसके सम्मान, संरक्षण एवं संतुलन को बनाए रखे। हमें प्रकृति के साथ शांतिपूर्ण व्यवहार करते हुए ऐसे रहना होगा जैसा कि हम उसका एक साधारण अंश मात्र हैं।

आधुनिकता के चलते मनुष्य प्रकृति से दूर होता जा रहा है, जिससे कई समस्याएं पैदा हो रही है। वहीं, प्रकृति में रहने से रचनात्मकता बढ़ती है। भारत की बात करें तो इंग्लैंड स्थित ह्ययूटिलिटी बिडरह्न की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले तीस वर्षों में 6, 68, 400 हेक्टेयर जंगल देश ने खो दिया है। वर्ष 1990 से 2020 के बीच वनों की कटाई की दर में भारत दुनिया के दूसरे सबसे बड़े देश के रूप में उभरा है। ह्यग्लोबल फारेस्ट वाचह्न ने यह भी बताया है कि 2013 से 2023 तक 95 प्रतिशत वनों की कटाई प्राकृतिक वनों में हुई है। जैव-विविधता पर ह्यअंतर-सरकारी निकायह्न (आईपीबीईएस) के अनुसार, पृथ्वी की सतह का तीन-चौथाई हिस्सा पहले ही मानव जाति के लालची उपभोग के कारण काफी हद तक बदल चुका है और दो-तिहाई महासागरों का क्षरण हो चुका है। पहले के मुकाबले 10 गुना ज्यादा तेजी से पिघल रहे हैं हिमालय के ग्लेशियर, भारत में गहरा सकता है जल संकट। वेटलैंड इंटरनेशनलह्न के अनुसार भारत की करीब 30 प्रतिशत आर्द्रभूमि पिछले तीन दशकों में विलुप्त हो चुकी है। आर्द्रभूमि (वेटलैंड) हमारा सबसे प्रभावी पारिस्थितिकी तंत्र है। ये कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर तापमान कम करने और प्रदुषण घटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बीसवीं सदी के दौरान मानव जनसंख्या में तीन गुना की वृद्धि हुई है और दुनिया का सकल घरेलू उत्पाद बीस गुना बढ़ा। ऐसे विस्तार ने इस ग्रह की पारिस्थितिकी पर लगातार दबाव बढ़ाया। हर जगह जब हम वायुमंडल, समुंद्र, जलाशय, जंगल, मिट्टी को देखते हैं तो यह स्पष्ट होता है कि पारिस्थितिकी में बहुत तेजी से गिरावट हो रही है। उन्नीसवीं सदी के जर्मन दार्शनिक शोपेनहावर ने एक बार कहा था कि एक आदमी जैसा चाहे जी सकता है। लेकिन वो जो चाहता है वह नहीं चाह सकता है। देखा जाए तो व्यक्ति खुद की आंतरिक इच्छाओं के अनुरूप कार्रवाई नहीं करता है, बल्कि उत्पादन का ट्रेडमिल उसे चलाता है, जिस पर हम सबलोग स्थापित हैं और जो पर्यावरण का मुख्य दुश्मन बन गया है। यह ट्रेडमिल उस दिशा में बढ़ती है जो इस ग्रह के बुनियादी पारिस्थितिकी चक्र से उल्टा है। ऐसा लगता है कि पर्यावरण के दृष्टिकोण से हमारे पास उत्पादन के ट्रेडमिल का प्रतिरोध करने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा। जब ग्लोबल वार्मिंग की दर को धीमा करने के लिए कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी की बात आती है तो पूंजीपति वर्ग विभाजित हो जाता है। संयुक्त राज्य अमरीका में शासक वर्ग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा अधिक कुशल प्रौद्योगिकी पर विचार करने की बात करने लगता है। जहां तक पेट्रोलियम हितों का सवाल है, तेल की मांग को बढ़ावा देने में उनका निहित स्वार्थ स्पष्ट है। ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में बाध्यकारी कटौती वाला क्योटो प्रोटोकॉल स्पष्टतः अमरीकी पूंजी और उसकी सरकार जो चाहती थी, उससे कहीं आगे था। जब जलवायु समझौते को खारिज करने का कोई वैचारिक आधार नहीं रहा तो उसे स्वीकार करने को मजबूर होना पड़ा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जलवायु परिवर्तन पर वैश्विक सहयोग के लिए किए गए पेरिस समझौते से अमेरिका को अलग कर दिया है। हमें ऐसे विकल्पों का अनुसरण करना चाहिए जो मुनाफे की हवस से नहीं बल्कि लोगों की वास्तविक जरूरतों और सामाजिक -पारिस्थितिकीय टिकाऊपन की जरूरतों से संचालित हो। माह मार्च 2025 वैश्विक स्तर पर दूसरा सबसे गर्म मार्च था, जिसमें धरती के सतह पर वायु का औसत तापमान 14.06 डिग्री सेल्सियस था, जो 1991-2020 के औसत से 0.65 डिग्री सेल्सियस अधिक और पूर्व-औद्योगिक स्तर से 1.60 डिग्री सेल्सियस अधिक था। मार्च 2025 पिछले 21 महीनों में से 20वां महीना था, जिसमें वैश्विक स्तर पर सतह का औसत वायु तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक था। पॉट्सडेम इंस्टीट्यूट फॉर क्लाइमेट इम्पैक्ट रिसर्च द्वारा किए गए एक अध्ययन में बताया गया है कि दुनिया भर में कार्बन चक्र प्रक्रियाओं के कारण इस सहस्राब्दी में पिछले अनुमानों के मुकाबले गर्मी में कहीं अधिक इजाफा हो सकता है। वैश्विक तापमान वृद्धि को दो डिग्री सेल्सियस से कम पर सीमित रखने के पेरिस समझौते को हासिल करना केवल बहुत कम उत्सर्जन परिदृश्यों के तहत संभव है। एक अध्ययन से पता चला है कि वैश्विक तापमान में चार डिग्री सेल्सियस की वृद्धि के साथ ही सदी के अंत तक वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में करीब 40 फीसदी तक की कमी आ सकती है। शोधकर्ताओं के अनुसार वैश्विक तापमान में होता इजाफा की तरह से अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा रहा है। दुनिया के बढ़ते तापमान का असर रहा कि 2022 में कृषि पैदावार में करीब 20 फीसदी की कमी आई है। आईआईटी मुंबई के प्रोफेसर चेतन सोलंकी के अनुसार जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, हम खुद को ठंडा रखने के लिए अधिक से अधिक फ्रिज, कुलर, एसी, पंखे का इस्तेमाल करते हैं। इसमें उर्जा की खपत होती है। इस उर्जा का अधिकांश हिस्सा जीवाश्म ईंधन, खासकर कोयले को जलाने से आता है जो वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड और ग्रीन गैसों का उत्सर्जन करता है। इसलिए गर्मी से बचने की हमारी कोशिशें उल्टे गर्मी को बढ़ा रहा है। पृथ्वी पर तापमान बढ़ने के पीछे मुख्य कारण मानवीय गतिविधियों से उत्सर्जित ग्रीनहाउस गैसें हैं। इन गैसों में कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन, सीएफसी और नाइट्रस ऑक्साइड शामिल हैं। इनके बढ़ने से ग्रीनहाउस का प्रभाव बढ़ता है और पृथ्वी गर्म होती है। नेचर क्लाइमेट चेंज के मुताबिक दुनिया में रोजाना 1 करोड़ 70 लाख मेट्रिक टन कार्बन पैदा हो रही है। ग्लोबल कार्बन प्रोजेक्ट के मुताबिक 2017 में कार्बन उत्सर्जित करने वाले प्रमुख चार देश की हिस्सेदारी चीन (27%), अमेरिका (15%), यूरोपीयन यूनियन (10%) और भारत (7%) था। कार्बन उत्सर्जन में चार देशों की 59 प्रतिशत है और बाकी देशों की 41 प्रतिशत ही है। कारण ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के कारण भारत में तापमान बढ़ोतरी, बारिश के पेटर्न में बदलाव, सुखे की स्थिति में बढ़ोतरी, भूजल स्तर का गिरना, ग्लेशियर का पिघलना, तीव्र चक्रवात, समुद्र का जलस्तर बढ़ना, राज्यों में भूस्खलन और बाढ़ की घटनाएं आदि प्रमुख है। जंगलों को काटना, नदियों को गंदा करना, अवैध खनन कर पहाड़ों का सीना छलनी करने तथा अंधाधुंध पानी के दोहन से वातावरण को प्रदूषित कर हम प्रकृति का अस्तित्व खत्म करने के साथ ही अपने जीवन और आने वाली पीढ़ी के लिए खतरनाक वातावरण बना रहे हैं। ऐसे में जरूरत है पर्यावरण संरक्षण के छोटे-छोटे प्रयास करने की जरूरत है। उदाहरण के लिए जैसे जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल को कम करना, वनों की कटाई को रोकना, वनीकरण को बढ़ावा देना, विनिर्माण में नवीकरणीय ऊर्जा का इस्तेमाल बढ़ाना, भवन और निर्माण उद्योग में कार्बन को कम करना, समुद्री संरक्षित क्षेत्रों को बढ़ाना, ऑटोमोबाइल का उपयोग सीमित करना और रीसाइक्लिंग को प्रोत्साहित करना, वेटलैंड को संरक्षित करना आदि प्रमुख उपाय हैं।

(लेखक बरगी बांध विस्थापित एवं प्रभावित संघ से जुड़े हैं)

श्रद्धा : मां पृथ्वी को स्वस्थ रखने की भूली हुई कुंजी

आलेख : गुरुदेव श्री श्री रविशंकर

पृथ्वी केवल अंतरिक्ष में तैरता हुआ एक निर्जीव पत्थर नहीं है, यह सजीव है। सभी प्राचीन और जनजातीय संस्कृतियों को यह रहस्य पता था। इसी कारण, प्राचीन हिन्दू ग्रंथों में भी पृथ्वी को केवल ह्यपृथ्वीह्न नहीं कहा गया, बल्कि भूमि देवी, अर्थात मां धरती, के रूप में सम्मानित किया गया। नदियां केवल जल-स्रोत नहीं थीं, उन्हें देवी के रूप में पवित्र माना गया और पूजा गया। पेड़, पर्वत, जानवर, यहां तक कि प्रकृति की प्रत्येक वस्तु को पूजनीय माना गया।

हमें अपनी आध्यात्मिक जड़ों की ओर लौटना होगा और इस चेतना को फिर से जगाना होगा। हमें यह समझना होगा कि कैसे मानसिक अवस्था किसी व्यक्ति को पर्यावरण के प्रति असंवेदनशील बना देती है, और कैसे उसे स्नेही और संरक्षक बना देती है। जब भीतर करुणा और संवेदना जगती है, तो वह हमारे व्यवहार में झलकती है, और एक पवित्रता की भावना अपने आप आती है।संवेदनशीलता को बढ़ाने के लिए यह आवश्यक है कि हम इस ग्रह के प्रति अपनापन महसूस करें, पेड़ों, नदियों और लोगों को अपना मानें और प्रकृति तथा सभी लोगों में ईश्वर को देखें।एक संवेदनशील व्यक्ति प्रकृति के बारे में चिंता किए बिना रह ही नहीं सकता। जिस नदी को आप पूजते हैं, उसे प्रदूषित करने से रोकने के लिए किसी नियम के पालन करने की आवश्यकता नहीं पड़ती। जिस पेड़ को आप नमन करते हैं, उसे काटने से रोकने के लिए किसी कानून की आवश्यकता नहीं होती।जिसे आप पवित्र मानते हैं, उसका दोहन आप नहीं कर सकते,बल्कि आप उसकी रक्षा करते हैं, उसका ध्यान रखते हैं, उसका आदर करते हैं। आध्यात्मिकता हमारे अंदर कर्तव्य की भावना जगाती है-- अपने लिए, दूसरों के लिए, और इस धरती के लिए। यह हमारे पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता को गहराई देती है।जब हम अपनी प्रकृति से दूर होते हैं, तभी हम प्रकृति को प्रदूषित करने लगते हैं।केवल परंपरा के लिए नहीं, बल्कि इस ग्रह के भविष्य के लिए हमें विचार करना होगा और इसी चेतना को फिर से जगाना होगा।प्रदूषण केवल फैक्ट्रियों या वाहनों से ही नहीं शुरू होता, बल्कि मन से शुरू होता है—जब वह तनाव, नकारात्मकता और लालच से भरा होता है। ऐसा मन न तो संवेदनशील होता है, न ही सचेत। वह केवल अपनी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति में दौड़ता रहता है।अत्यधिक पाने की लालसा, कर्मों में लापरवाही और परिणामों की अवहेलना—ये सब इस आंतरिक दरिद्रता के लक्षण हैं।जब आप किसी वस्तु को पवित्र मानते हैं, तो उसके प्रति श्रद्धा, सजगता और सावधानी की भावना जन्म लेती है।पर्यावरण के प्रति सजग होना हमारी प्रकृति में निहित है—यह कोई बाहर से सिखाई गई बात नहीं है।हम अक्सर सतत विकास के द्वारा पर्यावरण को बचाने की बात करते हैं।सतत विकास वही है जिसमें किसी भी परियोजना के दीर्घकालिक प्रभाव और लाभों को ध्यान में रखा जाए। अगर हम प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन करते रहेंगे, तो वह जीवन का आधार को ही नष्ट कर देगा।विकास का उद्देश्य और मंशा यह होनी चाहिए कि वह जीवन का समर्थन करे, उसे पुनर्जीवित करे, और उसे टिकाऊ बनाए।तभी विकास की प्रक्रिया एक जागरूक प्रयास बन जाएगी जो इस ग्रह और इसके संसाधनों की रक्षा करे।

श्रद्धा ही वह तत्त्व है जो चेतना को कर्म में बदलता है

जब कोई व्यक्ति केवल बौद्धिक रूप से ही नहीं, बल्कि भावनात्मक और आध्यात्मिक रूप से भी संवेदनशील हो जाता है, तो वह धरती पर हल्के पांव चलता है, विवेकपूर्ण उपभोग करता है।जब हम इस पवित्र ग्रह को बचाने की दिशा में काम कर रहे हैं, तब हमें प्रकृति से बहुत कुछ सीखने की आवश्यकता है।

जितना अधिक आप प्रकृति की ओर ध्यान देते हैं, उतना अधिक आप उससे कुछ सीख पाते हैं। उदाहरण के लिए, यदि आप किसी जंगल में जाएं, तो देखेंगे कि वहां अनगिनत जानवर रहते हैं,लेकिन वे उस जगह को मनुष्यों की तरह गंदा नहीं करते।

प्रकृति में पांचों तत्त्व एक-दूसरे के विरोध में हैं, पशु जगत में कई प्रजातियां एक-दूसरे के शत्रु हैं फिर भी प्रकृति में एक अद्भुत संतुलन है।मिट्टी के कीड़े (अर्थवर्म्स) इस बात का उत्कृष्ट उदाहरण हैं कि कैसे प्रकृति अपशिष्ट को पचाकर पुनर्चक्रित करती है।लेकिन जब हम इस संतुलन को अंधाधुंध उपभोग, जंगलों की कटाई और संसाधनों के शोषण से बिगाड़ते हैं, तो प्रकृति बाढ़, सूखा और जलवायु परिवर्तन के रूप में प्रतिक्रिया देती है।आर्ट ऑफ लिविंग में हमने विश्वभर में अनेक परियोजनाएं की हैं।नदियों का पुनर्जीवन, 100 मिलियन से अधिक पेड़ों का रोपण, प्राकृतिक खेती और पर्यावरण-प्रेमी जीवनशैली को बढ़ावा देना। और यह सब उस साधक में संवेदनशीलता और जागरूकता को जगाने पर आधारित है जो आध्यात्मिक मार्ग पर अग्रसर होता है।बिना इस आध्यात्मिक चेतना के, कार्य केवल सतही रह जाते हैं।जब आप प्रकृति का सम्मान करते हैं और उसकी पवित्रता को बनाए रखने का प्रयास करते हैं, तब प्रकृति भी इस ग्रह पर आपकी उपस्थिति का उत्सव मनाती है।

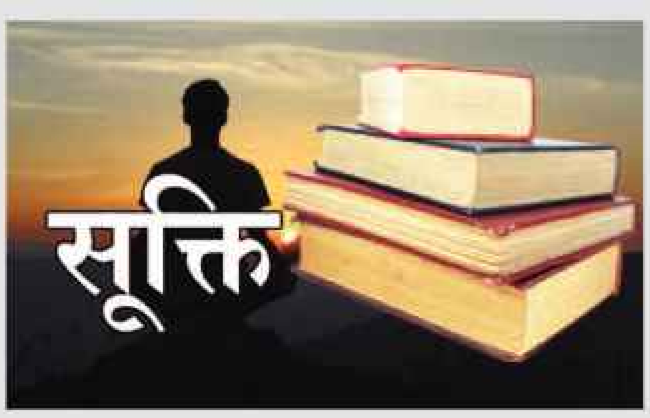

हमारे अंदर अंधकार और रोशनी दोनों है, यह हमें चुनना है कि इनमें से हम किस को महत्व देते है। - जे. के. रालिंग

मुझे आने वाले कल का भय नहीं है क्योंकि मैंने बीता हुआ कल देखा है और मुझे आज से प्यार है। - विलियम ए व्हाइट

विनाश के पाँच तोप: शिक्षा से तहसील तक

प्रियंका सौरभ–

शिक्षा, स्वास्थ्य, चिकित्सा, थाने औ तहसील।
सब मिलकर ताबूत में, ठोंक रहे हैं कील।।

यह दो पंक्तियाँ महज अलंकार नहीं, बल्कि उस निराशा का संगीन उद्घोष हैं, जो आम आदमी की उम्मीदों को कुचलकर उसे निराशा की चुम्बक बनाती हैं। ये पाँच स्तंभों से हमारा समाज अपनी नाजुक मिट्टी का संतुलन बनाये रखता है- पर, अफसोस, वे स्वयं पत्थर बन चुके हैं।

शिक्षा: जहाँ विद्या बिक रही है

बचपन से हमें सिखाया गया कि शिक्षा से इंसान का चरित्र बनता है। पर अब चरित्र कहीं बिकता नहीं, बल्कि कोचिंग सेंटर की दीवारों पर टंगा पाया जाता है। दसवीं बोर्ड हो या मेडिकल प्रवेश, सवाल योग्यता का नहीं, पक्षपात और सिफारिश का होता है।

वर्दीधारी शिक्षक उस जादुई इकाई में बदल चुके हैं, जहाँ से विद्वता कम, फीस वसूली ज्यादा जरूरी है। स्मार्ट क्लासरूम में धूल जमी पाठ्यपुस्तकें नहीं, बल्कि अभिभावकों के कष्ट होते हैं। एनआईटी का सपना देखता छात्र, एनपीए (नॉन-परफॉर्मिंग असेट) बन जाता है, क्योंकि रोजगारदाता अब 'डिग्री' नहीं, 'प्रैक्टिकल स्किल्स' मांगते हैं-जिन्हें हासिल करने का रास्ता फीस के अतिरिक्त टेस्ट में दिक्कतें है। वह कोचिंग सेंटर जहाँ प्रवेश परीक्षा की तैयारी होती थी, वह अब नकदी की परीक्षा लेता है। हर साल लाखों अभिभावक 'अब्जॉर्ब' हो जाते हैं- एक कोचिंग सेंटर की माला में पिरोकर, दूसरा सेंटर की रस्सी से लटका दिए जाते हैं। नतीजा? शिक्षा की किरणें फीकी पड़ चुकी हैं।

स्वास्थ्य: सेवा नहीं, सेवा शुल्क

स्वास्थ्य सेवा का नाम सुनते ही सरकारी अस्पतालों के मरघट जैसे माहौल की याद ताजा हो जाती है। जहाँ प्रतीक्षा कक्ष में पंखे हवा नहीं, बल्कि बीमारी फैलाने की तैयारी करते हैं। डॉक्टर गिनती में कम, प्राइवेट विभागीकरण में ज्यादा। मरीज तो बस एक कैश-काउंटर बन कर रह गया है।

निजी अस्पतालों ने बीमार ग्राहक को ह्यलक्षित बाजारह्न मान लिया है। जांच-परीक्षण, एमआरआई, सर्जरी-सब कुछ पैकेज में बिका जाता है। एक छोटी सी खांसी के लिए भी प्रोसिजर चार्ज लगता है, जबकि कमरे में बिताई एक रात का बिल हृदयाघात से कम नहीं। अगर गरीब मौत को गले लगा लेता है, तो उसे सकुशल ताबूत में अंतिम यात्रा के लिए भी केवल ह्यशव-परिवहन शुल्कह्न अदा करना होता है। एक मरीज की जिद्दी साँसें किसी को नहीं रुलाती; केवल उसका बिल रुलाता है। डॉक्टर अब जीवनदायी गुंजन नहीं, जीवनदायी इनकम-रसीद बन गए हैं। चिकित्सकीय कौशल की जगह, बीमा कंपनी के क्रेडेंशियल्स की कीमत पर सौदा होता है। और जब बीमारी हिम्मत हार जाती है, तो अस्पताल भी ह्यफ्री डिस्चार्जह्न का विज्ञापन ऑफर कर देता है- गरीबों के आखिरी ह्यमोक्षह्न का प्रचार।

चिकित्सा: इलाज नहीं, मर्ज का मॉल

चिकित्सा शब्द का अर्थ होता है बीमारी का निवारण, पर अब मिक्स-फेक्स का बाजार सजीव हो गया है। जनरल प्रैक्टिशनर अब बहुराष्ट्रीय फार्मास्युटिकल कंपनियों के एजेंट की भूमिका निभाते हैं। हर खांसी पर टेबलेट, हर दर्द पर इंजेक्शन; मर्ज मायाजाल बनता चला जाता है।

बिना एमआरआई या सीटी–स्कैन के कोई डॉक्टर अब मर्ज का अंदाजा नहीं लगाता। कटघरे में तब मरीज आता है, जब उसकी जेब से दवा का डिब्बा गायब हो जाता है। जॉइंट पेन के इंजेक्शन से ह्यमेरुदण्ड का व्यापारह्न फल-फूल रहा है, और किडनी ट्रांसप्लांट का ह्यवॉर रूमह्न हड्डियों की चिमत्कार कर रहा है। हर दिन नए मर्ज की लिस्ट एप्रूवल के लिए सीईओ के टेबल पर जमा होती है।

यहाँ तक कि आयुर्वेद और यूनानी भी ह्यलक्जरी-ब्रांडेडह्न काउंटर में बिकने लगे हैं। प्रभावी हर्बल फॉर्मूलों की जगह, चाय-पत्ती का ढेर और ह्यरवश के चक्केह्न तुल्य कीमतों में दवा बिक रही है। मरीज तो बस ह्यफलता प्रमाणपत्रह्न बन कर रह जाता है, जिसकी असली कीमत उसे तब पता चलती है, जब वह बैंक शाखा में ह्यसुसाइड नोटह्न लिखने बैठता है।

थाने: न्याय नहीं, नोट छापने की मशीन

हमारी कल्पना में पुलिस ह्यन्याय का प्रहरीह्न थी, पर अब वह ह्यप्रहार का दूतह्न बन चुकी है। थानों में धूल नहीं, बल्कि रिश्वत का आयोजन होता है। मोल-भाव के बाद मुकदमा दर्ज होता है या ठुकरा दिया जाता है। शिकायतकर्ता को पहले परमिशन लेनी पड़ती है- और यदि रुपये नहीं दिए, तो परमिशन के साथ ह्यखामोशीह्न भी थमा दी जाती है।

मारुति गाड़ी से टकरा भी जाओ, तो कोर्ट-कचहरी की झकझोराहट से पहले चार्जशीट का पेपर वसूली होती है। फास्ट-ट्रैक की जगह, फास्ट-पेमेंट ट्रैकिंग सिस्टम चालू हो गया है। भारी भरकम बजट मिलने के बावजूद, पुलिस स्टेशन का एकमात्र फंड ह्यमुझबकों की रकमह्न बन चुका है। इंसान इतना छोटा हो गया है कि दर्ज शिकायत से पहले उसका राशन कार्ड पूछा जाता है।

केस फास्ट-ट्रैक की हकीकत
एफआईआर के लिए रिश्वत
बरी होने के लिए और रिश्वत
डीटेंशन में खाने के लिए रिश्वत

और जब इंसाफ नसीब हो, तब भी वह ह्ययाचिका शुल्कह्न में डूबकर मर जाता है। एक बार पुलिस की अक्षुण्ण मशीन में फँस गए तो पत्ते नहीं, रुपए उड़ते हैं।

तहसील: लोकतंत्र का कागजी जंगल

तहसील एक ऐसा महल है, जहाँ दस्तावेजों की भीड़ में इंसान गुम सा हो जाता है। भूमि का बंटवारा हो या जाति-प्रमाण-पत्र, हर चीज के लिए पर्ची की महफिल सजती है। सरकारी स्टांप पेपर, ई-सिग्नेचर, ऑनलाइन पोर्टल-सब आधुनिकता के नाम पर जंजाल हैं। कागजी जंगल में सफर करते हुए, आदमी भूल जाता है कि उसका मकान है या कागजों का ब्रोकरेज। लैंड रजिस्ट्रेशन के लिए लाइन में पसीना सूखता है, लेकिन कमेटी शुल्क नहीं सूखता। जाति प्रमाण पत्र के लिए बैकडेटेड दस्तावेजों का जादूगर हीरो बन जाता है। एक भूल से दस्तावेज रद्द, और फिर ह्यनया दस्तावेज यानी नया बिल।

यहाँ नवाचार नाम पर फ्लिपकार्ट-पोशाक की तरह ह्यडिजिटल इमेजिंगह्न बिक रही है- पर असल में मोबाइल पर मैसेज चेक कराते-कराते आदमी की आत्मा सूख जाती है। ह्यऑनलाइन आवेदनह्न में करंसी के बजाय ह्यक्रेडिट कार्डह्न रोल करता है। और जो भारी-भरकम फीस भरता है, वही असली ह्यअदालतह्न में दर्शक बनकर रह जाता है।

कब बदलेंगी कीलें?

ये पाँचों स्तंभ, जो हमारे विश्वास के आधार थे, आज ताबूत की कीलें बन चुके हैं। हर समाज में विकार होते हैं, पर जहाँ विकार व्यवस्था की आत्मा बन जाए, वहाँ परिवर्तन की पुकार गूँज उठती है। पर क्या हमारी पुकार चुप्पी तोड़ पाएगी?

हमारी ज़िम्मेदारी है:

शिक्षा के निजी कोचिंग मॉल के बजाय सामुदायिक ज्ञान-केन्द्रों का निर्माण करें।

स्वास्थ्य सेवाओं को मुनाफे के बजाय मानवता के सिद्धांत पर पुनर्निर्मित करें। चिकित्सा व्यावसायीकरण को विनियमन के जरिए रोकें—लाभ का नहीं, इलाज का मानदंड बनाएं। पुलिस सुधार अधिनियमों को लागू करें—न्याय के प्रहरी को रिश्वत की मशीन न बनने दें। तहसील और प्रशासनिक सेवाओं में पारदर्शिता लाकर कागजी जंगल को सुनहरे बगीचे में बदल दें। तब तक तकदीर की ठोकरें चलेंगी, पर हम खेती की कलम से अंकुरित करेंगे न्याय, सेवा और गरिमा के बीज। तभी शायद ये कीलें ताबूत से जुदा हों, और देश की आत्मा फिर से फड़फड़ाए।

वास्तु-दोष से निपटने के लिए सबसे पहले दिशा-ज्ञान होना जरूरी है। ऐसा होने पर आप खुद समझ जाएंगे आप कहां गलत हैं और कहां सही...

सुख-समृद्धि के लिए दिशा ज्ञान जरूरी

घर में कौन-सा सामान कहां रखें? कहीं कबाड़ का इस दिशा में होना नुकसानदेह तो नहीं! किचन किस दिशा में हो, टॉयलेट का फलां दिशा में होना अशुभ तो नहीं? दिशा से जुड़े इस तरह के सवाल आपको परेशान करते हैं? वास्तु-दोष से निपटने के लिए सबसे पहले दिशा-ज्ञान होना जरूरी है। ऐसा होने पर आप खुद समझ जाएंगे आप कहां गलत हैं और कहां सही। जानिए और आज ही अपने घर के इंटीरियर को बदलकर शुरू कर दीजिए पॉजिटिव नतीजे पाना...

उत्तर दिशा - उत्तर दिशा के अधिष्ठित देवता कुबेर है जो धन और समृद्धि के द्योतक हैं। ज्योतिष के अनुसार बुद्ध ग्रह उत्तर दिशा के स्वामी हैं। उत्तर दिशा को मातृ स्थान भी कहा गया है। इस दिशा में स्थान खाली रखना या कच्ची भूमि छोड़ना धन और समृद्धि कारक है।

पूर्व दिशा - पूर्व दिशा के देवता इंद्र हैं। आत्मा के कारक और रासृष्टि प्रकाश सूर्य पूर्व दिशा से उदय होते हैं। पूर्व दिशा पितृस्थान का द्योतक है। इस दिशा में कोई रुकावट नहीं होनी चाहिए। पूर्व दिशा में खुला स्थान परिवार के मुखिया की लम्बी उम्र का प्रतीक है।

पश्चिम दिशा - वरुण पश्चिम दिशा के देवता है और ज्योतिष के अनुसार शनिदेव पश्चिम दिशा के स्वामी हैं। यह दिशा प्रसिद्धि, भाग्य और ख्याति का प्रतीक है।

दक्षिण दिशा - यम दक्षिण दिशा के अधिष्ठित देव हैं। दक्षिण दिशा में वास्तु के नियमानुसार निर्माण करने से सुख, सम्पन्नता और समृद्धि की प्राप्ति होती है।

ईशान कोण - पूर्व और उत्तर दिशाएं जहां पर मिलती हैं उस स्थान को ईशान कोण की संज्ञा दी गई है। यह दो दिशाओं का सर्वोतम मिलन स्थान है। यह स्थान भगवान शिव और जल का स्थान भी माना गया है। ईशान को सदेव स्वच्छ और शुद्ध रखना चाहिए। इस स्थान पर जलीय स्रोतों जैसे कुआं, बोरिंग वगैरह की व्यवस्था सर्वोतम परिणाम देती है। पूजा स्थान के लिए ईशान कोण को विशेष महत्व दिया जाता है। इस स्थान पर कूड़ा करकट रखना, स्टोर, टॉयलट वगैरह बनाना वर्जित है।

आग्नेय कोण - दक्षिण और पूर्व के मध्य का कोणीय स्थान आग्नेय कोण के नाम से जाना जाता है। नाम से ही साफ हो जाता है कि यह स्थान अग्नि देवता का प्रमुख स्थान है इसलिए रसोई या अग्नि संबंधी (इलैक्ट्रॉनिक उपकरणों आदि) के रखने के लिए विशेष स्थान है। शुक्र ग्रह इस दिशा के स्वामी हैं। आग्नेय का वास्तुसम्मत होना निवासियों के उत्तम स्वास्थ्य के लिए जरूरी है।

नैऋत्य कोण - दक्षिण और पश्चिम दिशा के मध्य के स्थान को नैऋत्य दिशा का नाम दिया गया है। इस दिशा पर निरूति या पूतना का आधिपत्य है। ज्योतिष के अनुसार राहू और केतु इस दिशा के स्वामी हैं। इस क्षेत्र का मुख्य तत्व पृथ्वी है। पृथ्वी तत्व की प्रमुखता के कारण इस स्थान को ऊंचा और भारी रखना चाहिए। इस दिशा में गड्ढे, बोरिंग, कुंए इत्यादि नहीं होने चाहिए।

वायव्य कोण - उत्तर और पश्चिम दिशा के मध्य के कोणीय स्थान को वायव्य दिशा का नाम दिया गया है। इस दिशा का मुख्य तत्व वायु है। इस स्थान का प्रभाव पड़ोसियों, मित्रों और संबंधियों से अच्छे या बुरे संबंधों का कारण बनता है। वास्तु के सही उपयोग से इसे सदोपयोगी बनाया जा सकता है।

घर में ईश्वरीय शक्तियों के प्रवेश से खोलें किस्मत का ताला

सनातन धर्म में व्रत व पूजा-पाठ का विशेष महत्त्व है। यह हमारे रीति-रिवाज व परंपरा के द्योतक है। पूजा-पाठ करने से पूर्व सिर पर पल्लू, हाथों में पुजन सामग्री और समर्पण भाव से झुकी हुई आंखें रखना हमारी विरासत है, जिसकी जिम्मेदारी विशेष रूप से घर की महिलाएं संभालती हैं।

जब आप किसी कारणवश मानसिक रूप से कमजोर पड़ जाते हैं अथवा घर में क्लेश, रोग या आर्थिक तंगी से परेशान होते हैं तो उस समय जादू टोने तंत्र मंत्र में पड़ने से बेहतर है भगवान की शरण में जाएं। पूजा-पाठ से समस्त कार्यों के अच्छा होने की उम्मीद जाग जाती है। भक्ति में बड़ी शक्ति है अवश्यकता है तो केवल विश्वास रखने की। यही विश्वास घर और ऑफिस की जिम्मेदारियों के बीच पूजन करने को विवश करता है। जब किसी भौतिक समस्या का निदान हम अपने प्रयासों से नहीं ढूंढ पाते तब पुजा-पाठ ही आखिरी रास्ता बचता है। यह महज धारणा नहीं, बल्कि हकीकत है। घर में देवालाय वास्तु शास्त्र के अनुरूप हो तो अत्यन्त शुभ फल प्रदान करता है और देवालाय के माध्यम से आपकी किस्मत का ताला भी खुल जाता है। देवालाय पूर्वी या उत्तरी ईशान कोण में बनाएं क्योंकि ईश्वरीय शक्तियां ईशान कोण से प्रवेश करती हैं और नैऋत्य कोण पश्चिम-दक्षिण से बाहर निकलती है। इसका एक हिस्सा शरीर द्वारा ग्राह्य बायोशक्ति में बदलकर जीवनोपयोगी बनता है। वास्तुशास्त्र प्रकृति से पूर्ण लाभ प्राप्त करने की व्यवस्था करता है न कि भाग्य को बदलने की। पूजा-पाठ करते समय जातक का मुंह पश्चिम दिशा में होना शुभ फलदायी होता है इसके लिए पूजा स्थल का द्वार पूर्व की ओर होना चाहिए। शौचालय तथा पूजा घर पास-पास नहीं होना चाहिए। जब भी आपका मन अशांत हो, यहां आकर आप नई ऊर्जा प्राप्त कर सकते हैं। कर्मों का फल शुभाशुभ जैसा भी हो हमें भोगना अवश्य पड़ेगा। इतना है कि सुकर्म कष्ट को कम कर देते हैं।

घर में सुख शांति और धन लाभ हेतु चमत्कारी उपाय

क्या आपके घर में कलह क्लेश का माहौल रहता है? क्या घर में झगड़ों की वजह से आपका चित्त अशांत रहता है? घर में पैसों का अभाव रहता है? यदि ऐसा है तो कहीं न कहीं आपके घर का वास्तु ठीक नहीं है। घर में सुख शांति और धन लाभ हेतु चमत्कारी उपाय

- प्रतिदिन गणेश पूजन करें और मोदक का भोग लगाएं।
- नवग्रह शांति पूजा, वास्तु पुरुष की पूजा, नवचंडी यज्ञ, शांतिपाठ, अग्नि होत्र यज्ञ अपनी क्षमता अनुसार करवाते रहें।
- वास्तु पुरुष की मूर्ति, चांदी का नाग, तांबे की तार, मोती और पौला को थोड़ी सी लाल मिट्टी के साथ लाल कपड़े में डाल कर पूर्व दिशा में रखें।
- लाल रेती, काजू, पौला को लाल कपड़े में बांध कर मंगलवार के दिन पश्चिम दिशा में रख दें और रोजाना उसकी पूजा करें तो घर में शांति का माहौल बना रहता है।
- घर की दक्षिण-पश्चिम दिशा कटी हो अथवा पारिवारिक सदस्यों में मतभेद रहते हो तो घर में पितृशांति, पिंडदान, नागबली, नारायण बली करवाएं।
- प्रत्येक सप्ताह में पड़ने वाले सोमवार को और महीने में आने वाली अमावास्या के दिन रुद्री करें।
- भंडार घर को हमेशा भर कर रखने से घर में सकरात्मकता आती है।
- हर साल ग्रह शांति करवाने से पापों का क्षय होता है।
- परिवार के सभी सदस्यों का एक साथ खींचा हुआ चित्र किसी उपयुक्त स्थान पर लगाना चाहिए। ध्यान रहें कि सभी सदस्य प्रसन्न मुद्रा में मुस्कराते हुए दिखाई दें। यह चित्र दक्षिण-पश्चिम दिशा में लगाएं।

जीवन में आकर्षण निर्धारित करना चाहते हैं तो...

बांस का पौधा फेंग शुई का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। सौभाग्य के लिए लम्बी आयु का होना आवश्यक है। बांस का पौधा लम्बी आयु तथा अच्छे स्वास्थ्य का प्रतीक है। भाग्य के लिए बांस के पौधे प्रतिकूल परिस्थितियों में भी भरपूर वृद्धि का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह पौधा अच्छे स्वास्थ्य का प्रतीक है। यह अच्छे भाग्य का भी संकेत देता है। आफिस या दुकान के मुख्य द्वार के ऊपर बांस के दो टुकड़े छ इंच या नौ इंच के लाल रिबन में बांध कर टांग सकते हैं। बांस के टुकड़े के दोनों सिरे खुले होने चाहिए। इससे व्यवसाय प्रतीकात्मक रूप में बांस के पौधे की भांति संकट काल में स्थिर रहेगा तथा अनुकुल समय आने पर खुब समृद्ध होगा। बांस का पौधा ऊर्जा के संयंत्र घर और जीवन में आकर्षण निर्धारित करता है। बागान में जितने अधिक डंठल का पौधा होगा। जातक को उतनी अच्छी किस्मत और भाग्य का आशीर्वाद मिलेगा। लकी लॉग बांस समृद्धि से भरा है और मजबूत जीवन का प्रतीक है। बहुत से लोग उपहार, जन्मदिन, वर्षगांठ, भव्य उद्घाटन, पुरस्कार, उपलब्धियों और अन्य शुभ अवसरों पर बांस का पौधा उपहार के रूप में देते हैं। उपहार प्राप्त करने वाले का भाग्य चमकने लगता है। आप अपने घर में सद्भाव को प्राप्त करने के लिए भाग्यशाली बांस का उपयोग कर सकते हैं।

रसोई होगी समृद्धशाली तो घर में आएगी खुशहाली

घर की रौनक होती है रसोई। गृह लक्ष्मी का भी ज्यादातर समय रसोई में ही बीतता है। ऐसे में रसोई का वास्तु के अनुसार होना बेहद जरूरी है क्योंकि इसका सीधा संबंध हमारे स्वास्थ्य से होता है। स्वच्छ चित्त, प्रसन्न मन और सर्वोत्तम आहार सभी में रसोई की अपनी भूमिका होती है। रसोई बनाने से पहले वास्तु के अनुसार आदर्श स्थान दक्षिण-पूर्व कोना (आग्नेय कोण) होता है। दूसरे स्थान के रूप में उत्तर-पश्चिम या वायव्य कोण में भी रसोई का निर्माण किया जाए तो अच्छा रहता है। दक्षिण, पश्चिम, उत्तर, ईशान कोण एवं नैऋत्य कोण रसोई के लिए वर्जित होते हैं। रसोई में गैस सिलैंडर और चूल्हा स्थापन इस प्रकार होना चाहिए कि खाना बनाने वाले का चेहरा पूर्व की तरफ हो। साथ ही प्लेटफार्म उत्तर एवं पूर्व की दीवार में एकदम न लगता हो।

जल और अग्नि साथ-साथ न हों इसके लिए बर्तन धोने का सिंक और पानी के नल चूल्हे से दूर होने चाहिएं। रसोई घर में अवन इत्यादि बिजली उपकरण अग्नि कोण में होने चाहिए। फ्रिज दक्षिण-पश्चिम में तथा एग्जॉस्ट फैन ईशान कोण में होना चाहिए। गैस चूल्हे के ऊपर सामान रखने के लिए अलमारियों का निर्माण नहीं करवाना चाहिए। हवा का आवागमन सुगमता से हो सके, इसका विशेष ध्यान रखना चाहिए। रसोई घर की दीवार से सटा कर, इसके ऊपर या नीचे टॉयलैट नहीं होना चाहिए। रसोई घर के एकदम मध्य में बैठकर कभी भी भोजन नहीं करना चाहिए साथ ही रसोई घर का चूल्हा बाहर बैठे व्यक्ति को दिखाई नहीं देना चाहिए। रसोई के ऊपर या नीचे सोने का कमरा या पूजा कक्ष न हो, इसका भी ध्यान रखना जरूरी है। रसोई के उत्तर-पूर्व की ओर हल्के सामान का भंडारण करें, जबकि दक्षिण और पश्चिम की ओर भारी वस्तुओं का।

संक्षिप्त खबरें

डीबीटी योजना से 3.48 लाख करोड़ रुपये की हुई बचत: वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली,(एजेंसी) : भारत की प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) प्रणाली ने कल्याण वितरण में लीकेज को रोककर देश को 3.48 लाख करोड़ रुपये की संचयी बचत हासिल करने में मदद की है। एक रिपोर्ट में यह भी पाया गया है कि डीबीटी के कार्यान्वयन के बाद से सब्सिडी आवंटन कुल सरकारी व्यय के 16 फीसदी से घटकर 9 फीसदी रह गया है, जो सार्वजनिक व्यय की दक्षता में एक बड़ा सुधार दर्शाता है।

वित्त मंत्रालय ने सोमवार को जारी एक बयान में बताया कि ब्लूक्राफ्ट डिजिटल फाउंडेशन के एक नए मात्रात्मक मूल्यांकन के अनुसार यह मूल्यांकन बजटीय दक्षता, सब्सिडी युक्तिकरण और सामाजिक परिणामों पर डीबीटी के प्रभाव की जांच करने के लिए वर्ष 2009 से 2024 तक के आंकड़ों का मूल्यांकन करता है। वर्ष 2013 में शुरू की गई भारत की डीबीटी प्रणाली ने देश की कल्याणकारी योजनाओं को नया स्वरूप दिया है, जिसने दक्षता और समावेशिता के लिए वैश्विक मानक स्थापित किया है।

मंत्रालय के मुताबिक यह दर्शाता है कि कागज-आधारित वितरण से सीधे डिजिटल हस्तांतरण में बदलाव ने यह सुनिश्चित किया है कि सार्वजनिक धन उन लोगों तक पहुंचे जिनके लिए वे हैं। डीबीटी की प्रमुख विशेषताओं में से एक जेएएम ट्रिनिटी का उपयोग है, जिसका अर्थ है जन-धन बैंक खाते, आधार विशिष्ट आईडी नंबर और मोबाइल फोन। इस ढांचे ने बड़े पैमाने पर लक्षित और पारदर्शी हस्तांतरण को सक्षम किया है।

उल्लेखनीय है कि भारत में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) प्रणाली कल्याणकारी योजनाओं के लिए दक्षता को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रणाली लाभार्थियों को सीधे लाभ पहुंचाने के लिए आधार कार्ड और बैंक खातों का उपयोग करती है, जिससे बीच के लोगों को खत्म करके पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ती है।

देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर मार्च में 3.8 फीसदी पर रही

नई दिल्ली, (एजेंसी) : देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर मार्च में सुस्त पड़कर 3.8 फीसदी रही है। पिछले साल इसी महीने में बुनियादी उद्योगों का उत्पादन 6.3 फीसदी की दर से बढ़ा था। मासिक आधार पर इन उद्योगों की वृद्धि दर फरवरी में 3.4 फीसदी के मुकाबले थोड़ी अधिक है। पिछले साल इसी अवधि में इन बुनियादी उद्योगों का उत्पादन 6.3 फीसदी की दर से बढ़ा था।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार यह आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों के उत्पादन में गिरावट का परिणाम है, जिनमें कोयला, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात और बिजली शामिल हैं। आंकड़ों के अनुसार मार्च महीने में कोयला, रिफाइनरी उत्पाद, इस्पात और बिजली उत्पादन में क्रमशः 1.6 फीसदी, 0.2 फीसदी, 7.1 फीसदी और 6.2 फीसदी की हल्की वृद्धि हुई। उर्वरक उत्पादन मार्च में 8.8 फीसदी बढ़ा है, जबकि पिछले साल इसी महीने में इसमें 1.3 फीसदी की गिरावट आई थी। सीमेंट उत्पादन बीते महीने 11.6 फीसदी बढ़ा है, जबकि एक साल पहले इसी महीने में इसमें 10.6 फीसदी की वृद्धि हुई थी।

आंकड़ों के मुताबिक बुनियादी उद्योगों में कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली की वृद्धि दर वित्त वर्ष 2024-25 में 4.4 फीसदी रही। इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में यह दर 7.6 फीसदी थी। देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में भार 40.27 फीसदी होता है, जो औद्योगिक वृद्धि दर को मापने में महत्वपूर्ण है। इन आठ उद्योगों में कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली शामिल है।

आजादी के बाद पहली बार खादी एवं ग्रामोद्योग का कारोबार एक लाख 70 हजार करोड़ रुपये के पार

नई दिल्ली, (एजेंसी) : देश में आत्मनिर्भरता की भावना को सशक्त करने वाले खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नया कीर्तिमान रचा है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार खादी और ग्रामोद्योग का कारोबार 1 लाख 70 हजार करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। पिछले 11 वर्षों में उत्पादन में 347 फीसदी के उछाल के साथ चार गुना और बिक्री में 447 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ पांच गुना की वृद्धि हुई है।केवीआईसी के अध्यक्ष मनोज कुमार ने राजधानी नई दिल्ली के राजघाट स्थित कार्यालय में खादी और ग्रामोद्योग के वित्त वर्ष 2024-25 के अनंतिम आंकड़े जारी किये हैं। वित्त वर्ष 2024-25 के आंकड़ों में बताया गया है कि 11 वर्षों में कुल रोजगार सृजन के क्षेत्र में 49.23 फीसदी की ऐतिहासिक बढ़ोतरी हुई है, जबकि 1.94 करोड़ लोगों को केवीआईसी रोजगार दे रहा है। उन्होंने बताया कि खादी-ग्रामोद्योग भवन नई दिल्ली का कारोबार पहली बार रिकॉर्ड 110.01 करोड़ रुपये के आंकड़े तक पहुंच गया है। उन्होंने बताया कि केवीआईसी ने वित्त वर्ष 2024-25 में उत्पादन, बिक्री और नए रोजगार सृजन का नया रिकॉर्ड बनाया है।

एलआईसी ने बैंक ऑफ बड़ौदा में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 7.05 फीसदी की

नई दिल्ली, (एजेंसी): देश और सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) में अपनी हिस्सेदारी करीब दो फीसदी बढ़ाकर 7.05 फीसदी कर ली है। एलआईसी ने सोमवार को नियामकीय फाइलिंग में शेयर बाजार को बताया कि जीवन बीमा कंपनी ने डेढ़ साल की अवधि के दौरान खुले बाजार से 10.45 करोड़ अतिरिक्त शेयर खरीदे हैं, जिससे बैंक ऑफ बड़ौदा में हिस्सेदारी 5.03 फीसदी से बढ़कर 7.05 फीसदी हो गई है। इस तरह कंपनी ने बैंक ऑफ बड़ौदा में अपनी हिस्सेदारी करीब दो फीसदी बढ़ाई है।

लगातार 5वें कारोबारी दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी

बाजार की तेजी से निवेशकों को 1 दिन में 6.23 लाख करोड़ का फायदा

नई दिल्ली, 21 अप्रैल (हि.स.)। घरेलू शेयर बाजार में तेजी का सिलसिला लगातार पांचवें कारोबारी दिन सोमवार को भी जारी रहा। आज के कारोबार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण शेयर बाजार की चाल में कुछ देर के लिए मामुली गिरावट का रुख भी बना। इस गिरावट के थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी का रुख बन गया। इस लिवाली के कारण सेंसेक्स आज 79 हजार अंक के स्तर को और निफ्टी 24 हजार अंक के स्तर को पार करने में सफल रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.09 प्रतिशत और निफ्टी 1.15 प्रतिशत की मजबुती के साथ बंद हुए।

आज दिन भर के कारोबार के दौरान आईटी, बैंकिंग और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में जमकर खरीदारी होती रही। इसके साथ ही ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, हेल्थकेयर, मेटल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। एफएमसीजी सेक्टर में आज लगातार बिकवाली होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 2.20 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.67 प्रतिशत उछल कर आज के कारोबार का अंत किया।

आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 6 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक का इजाफा हो गया। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 425.83 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन

419.60 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 6.23 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,247 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,917 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,169 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 161 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,615 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 2,079 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 536 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 23 शेयर बढ़त के साथ और 7 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 39 शेयर हरे निशान में और 11 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स आज 349.89 अंक की मजबूती के साथ 78,903.09 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही मुनाफा वसूली के चक्कर में शुरू हुई बिकवाली के कारण थोड़ी ही देर में यह सूचकांक गिर कर 78,776.06 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद बाजार में खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया। लगातार हो रही लिवाली के सपोर्ट से दोपहर 1 बजे के करीब यह सूचकांक 1,081.85 अंक की तेजी के साथ 79,635.05 अंक के स्तर तक पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स ऊपरी स्तर से थोड़ा नीचे खिसक कर 855.30 अंक की बढ़त के साथ 79,408.50 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 97.50 अंक की तेजी के साथ 23,949.15 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण पहले 15 मिनट में ही यह सूचकांक गिर कर 23,903.65 अंक तक आ गया। इसके बाद बाजार में चौतरफा खरीदारी शुरू हो गई, जिससे इस सूचकांक की चाल में भी तेजी आ गई। लगातार हो रही लिवाली के सपोर्ट से दोपहर 1 बजे के करीब यह सूचकांक 337.90 अंक उछल कर 24,189.55 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। दिन भर हुई खरीद-बिक्री के बाद निफ्टी 273.90 अंक की मजबूती के साथ 24,125.55 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टेक महिंद्रा 5.10 प्रतिशत, ट्रेंट लिमिटेड 4.47 प्रतिशत, इंडसइंड बैंक 4.22 प्रतिशत, हीरो मोटोकार्प 3.85 प्रतिशत और पावर ग्रिड कॉरपोरेशन 3.56 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। अडाणी पोर्ट्स 1.29 प्रतिशत, एचडीएफसी लाइफ 1.09 प्रतिशत, आईटीसी 1.00 प्रतिशत, हिंदुस्तान यूनिलीवर 1.01 प्रतिशत और एशियन पेंट्स 0.93 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

ईपीएफओ ने फरवरी महीने में 16.10 लाख नए सदस्य जोड़े, युवाओं की संख्या अधिक

नई दिल्ली, (एजेंसी) : सेवानिवृत्ति कोष का प्रबंधन करने वाले निकाय कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने फरवरी में कुल 16.10 लाख नए सदस्य जोड़े हैं। पिछले साल की इसी महीने की तुलना में 3.99 फीसदी अधिक है। फरवरी, 2025 में जोड़े गए नए सदस्यों में 18-25 आयु वर्ग का प्रभुत्व है, जिनमें उनकी हिस्सेदारी 4.27 लाख यानी 57.71 फीसदी है। इससे पता चलता है कि संगठित कार्यबल में शामिल होने वाले अधिकांश व्यक्ति युवा हैं।

श्रम और रोजगार मंत्रालय ने सोमवार को जारी आंकड़ों में बताया कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने फरवरी में कुल 16.10 लाख नए सदस्य जोड़े हैं। ईपीएफओ ने फरवरी, 2025 में लगभग 7.39 लाख नए सदस्य बनाए हैं, जबकि साल-दर-साल विश्लेषण से पता चलता है कि फरवरी 2024 की तुलना में पेरोल में 3.99 फीसदी की वृद्धि हुई है। इसके अलावा फरवरी, 2025 में 18-25 आयु वर्ग के कुल सदस्यों की संख्या में लगभग 6.78 लाख की वृद्धि हुई है, जो सालाना आधार पर 3.01 फीसदी अधिक है।

आंकड़ों से पता चलता है कि लगभग 13.18 लाख सदस्यों ने अपनी नौकरी बदली और ईपीएफओ के दायरे में आने वाले प्रतिष्ठानों में फिर से शामिल हो गए।

आंकड़े बताते हैं कि फरवरी, 2025 में लगभग 2.08 लाख महिला सदस्य पहली बार ईपीएफओ में शामिल हुईं। इसमें सालाना आधार पर 1.26 फीसदी की वृद्धि हुई है। इसके अलावा फरवरी के दौरान कुल महिला पेरोल वृद्धि करीब 3.37 लाख रही, जो फरवरी 2024 की तुलना में 9.23 फीसदी की साल-दर-साल वृद्धि है। महिला सदस्यों की संख्या बढ़ने से अधिक समावेशी और विविध कार्यबल की ओर व्यापक बदलाव का संकेत है।

आंकड़ों का राज्यवार विश्लेषण करने से पता चलता है कि शीर्ष पांच राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों ने कुल पेरोल में करीब 59.75 फीसदी की वृद्धि की है, जिन्होंने महीने के दौरान कुल लगभग 9.62 लाख शुद्ध पेरोल जोड़े हैं। सभी राज्यों में से महाराष्ट्र फरवरी महीने के दौरान 20.90 प्रतिशत कुल पेरोल जोड़कर सबसे आगे है। महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, गुजरात, हरियाणा, दिल्ली, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों ने फरवरी के दौरान कुल पेरोल में 5 फीसदी से अधिक की वृद्धि की है।

ट्रंप ने दी चेतावनी, ब्याज दरें नहीं घटीं तो अमेरिकी अर्थव्यवस्था हो सकती है धीमी

वॉशिंगटन, (एजेंसी) : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर फेडरल रिजर्व और इसके चेयरमैन जेरोम पॉवेल पर तीखा बोला। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि फेड ने ब्याज दरों में तुरंत कटौती नहीं की, तो अमेरिकी अर्थव्यवस्था मंदी की ओर बढ़ सकती है।

ट्रंप ने सोमवार को ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में लिखा, ₹महंगाई की दर घट रही है, जैसा मैंने पहले ही अनुमान लगाया था। ऐसे में महंगाई का खतरा तो नहीं है, लेकिन अगर 'मिस्टर टू लेट' (एक बड़ा नाकाम शख्स) ने अब भी ब्याज दरें नहीं घटाई, तो अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी हो सकती है।

इस बयान के बाद अमेरिकी शेयर बाजार में और गिरावट देखने को मिली। पहले से ही पॉवेल पर ट्रंप के हमलों से परेशान निवेशक और घबरा गए। प्रमुख एसएंडपी 500 इंडेक्स सोमवार को 2 फीसदी तक लुढ़क गया।

फेडरल रिजर्व की 'रुको और देखो' नीति से ट्रंप पहले ही नाखुश हैं। बीते शुक्रवार को ट्रंप के एक सलाहकार ने संकेत दिया था कि प्रशासन पॉवेल को हटाने के विकल्पों पर विचार कर रहा है। इस बयान ने फेड की स्वतंत्रता पर सवाल खड़े किए और निवेशकों की चिंता और बढ़ा दी है। खासकर तब जब अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध भी उग्र होता जा रहा है।

ट्रंप का मानना है कि ब्याज दरें ऊंची होने से कर्ज महंगा हो जाता है, जिससे व्यापार और उपभोग पर असर पड़ता है। वे चाहते हैं कि अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए दरों में तत्काल कटौती की जाए।

वॉशिंगटन, (एजेंसी) : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर फेडरल रिजर्व और इसके चेयरमैन जेरोम पॉवेल पर तीखा बोला। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि फेड ने ब्याज दरों में तुरंत कटौती नहीं की, तो अमेरिकी अर्थव्यवस्था मंदी की ओर बढ़ सकती है।

ट्रंप ने सोमवार को ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में लिखा, ₹महंगाई की दर घट रही है, जैसा मैंने पहले ही अनुमान लगाया था। ऐसे में महंगाई का खतरा तो नहीं है, लेकिन अगर 'मिस्टर टू लेट' (एक बड़ा नाकाम शख्स) ने अब भी ब्याज दरें नहीं घटाई, तो अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी हो सकती है।

इस बयान के बाद अमेरिकी शेयर बाजार में और गिरावट देखने को

भारत ने बांग्लादेश के मछुआरों की दो नावें लौटाईं

ढाका, (एजेंसी) :भारतीय सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बांग्लादेश के मछुआरों की दो नावें लौटा दी हैं। रविवार दोपहर दोनों देशों के बीच सतखोरा सीमा पर कालिंदी नदी के शून्य बिंदु पर नौकाओं को सौंप दिया गया। इसके बाद 18 और 19 अप्रैल को बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) और बीएसएफ के कैंप कमांडरों के बीच दो दौर की फ्लैग मीटिंग हुई।

ढाका ट्रिब्यून अखबार के अनुसार, कालिंदी नदी पर आयोजित मीटिंग में बीजीबी कोइखाली कैंप कमांडर सूबेदार अबू बकर और बीएसएफ शमशेरनगर कैंप कमांडर शामिल हुए। सूबेदार अबू बकर ने पुष्टि की कि बीएसएफ ने जाल, रस्सियों, सामान और उसमें मौजूद सभी पैसों के साथ दो नावें लौटा दीं। दोनों पक्षों ने सख्त सीमा सुरक्षा सुनिश्चित करने और सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। यह घटना 15 अप्रैल की है, जब बीएसएफ कर्मियों ने कथित तौर पर एक स्पीडबोट में बांग्लादेशी क्षेत्र में प्रवेश किया और बोयारसिंह क्षेत्र में मछली पकड़ रहे मछुआरों की नावों को जब्त कर लिया। घटना के बाद, श्यामनगर उपजिला के टेंगरा खली, मानिकपुर और शैलखली गांवों के आठ मछुआरे दो दिनों में जंगल के रास्ते पैदल घर लौट आए। इसके जवाब में बीजीबी ने औपचारिक विरोध दर्ज कराया और बीएसएफ को फ्लैग मीटिंग के लिए आमंत्रित किया।

अमेरिका का यमन पर हमला, 12 की मौत, 30 घायल

सना, (एजेंसी) : यमन की राजधानी सना पर अमेरिका ने बड़ा हवाई हमला किया है। ईरान समर्थित हूती विद्रोही समूह के अल-मसीरा सैटेलाइट न्यूज चैनल ने इस हमले के फुटेज जारी किए हैं। समूह ने दावा किया है कि अमेरिकी हमले में कम से कम 12 लोग मारे गए और 30 अन्य घायल हो गए।

वेब पोर्टल माइक्रोसॉफ्ट नेटवर्क की खबर के अनुसार, अमेरिका ने ताजा हमले में ईरान समर्थित विद्रोहियों को निशाना बनाया। हालांकि अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने हमले के बारे में सवालों के जवाब देने या अपने अभियान में नागरिक के हताहतों पर चर्चा करने से इनकार कर दिया।

हूती विद्रोही समूह के अनुसार, यह हमला सना के शुब जिले के फरवा पड़ोस के बाजार में हुआ। इस इलाके को पहले भी अमेरिकी सेना ने निशाना बनाया है। अल-मसीरा के प्रसारित फुटेज में इलाके में वाहनों और इमारतों को नुकसान पहुंचा हुआ दिखाया गया है। साथ ही चीखते हुए लोगों ने एक मृत बच्चे को पकड़ा हुआ है। अन्य लोग अस्पताल ले जाते समय स्ट्रेचर पर रो रहे हैं। समूह ने कहा कि रात से लेकर सुबह तक देश के कई इलाकों में हमले किए गए। इनमें अमरान, होदेदा, मारिब और सादा के शासन क्षेत्र शामिल हैं। ताजा हमले पिछले सप्ताह रास ईसा बंदरगाह पर अमेरिकी हवाई हमलों के बाद हुए हैं। पिछले सप्ताह हुए हमले में कम से कम 74 लोग मारे गए और 171 अन्य घायल हो गए थे।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले महीने हूती विद्रोहियों के खिलाफ नया सैन्य अभियान शुरू करने की घोषणा की थी। यह हमले तेहरान के तेजी से बढ़ते परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच रोम में वार्ता की बहाली के बाद हुए हैं। अमेरिका का कहना है कि वह हूतियों को तब तक निशाना बनाएगा जब तक वह लाल सागर में शिपिंग पर हमला बंद नहीं करते।

नेपाल में शिक्षकों का देशव्यापी आंदोलन 20वें दिन भी जारी

काठमांडू, (एजेंसी) : विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे शिक्षकों के आंदोलन सोमवार को 20वें दिन भी जारी है। सरकार के साथ कई चरणों की वार्ता असफल होने के बाद शिक्षकों ने आज भी प्रदर्शन किया है। शिक्षकों का यह प्रदर्शन धीरे-धीरे उग्र होता जा रहा है।

नेपाल शिक्षक महासंघ के आह्वान पर देशभर के सरकारी शिक्षक काठमांडू में प्रदर्शन कर रहे हैं। सरकारी विद्यालय के शिक्षकों को स्थानीय निकाय के मातहत से हटाने की मुख्य मांग के साथ शिक्षक आंदोलन कर रहे हैं। महासंघ के आह्वान पर शिक्षा विधेयक को जल्द से जल्द संसद से पारित करने की मांग के साथ देशभर के सरकारी और सामुदायिक विद्यालयों के शिक्षक आंदोलनरत हैं।

नेपाल शिक्षक महासंघ के अध्यक्ष लक्ष्मी किशोर सुवेदी ने कहा कि जब तक हमारी मांगे पूरी नहीं हो जाती, तब तक आंदोलन जारी रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार उनकी मांगों पर सिर्फ आश्वासन दे रही है, लेकिन उसे पूरा करने की निश्चित समय सीमा नहीं बता रही है। सुवेदी ने बताया कि सरकार की तरफ से 25 अप्रैल को शिक्षा विधेयक सदन में पेश करने की जानकारी दी गई है। हालांकि, महासंघ ने सरकार के मौखिक आश्वासन को मानने से इनकार कर दिया है।

बीते दिनों प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के साथ भी शिक्षकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर अपनी मांगों से अवगत कराया था। प्रधानमंत्री के आश्वासन के बाद भी शिक्षकों ने अपना आंदोलन खत्म करने से इंकार कर दिया है। इनका कहना है कि जब तक संसद से विधेयक के पारित होने का पूरा विश्वास नहीं हो जाता है, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। इसी बीच नेपाल शिक्षक महासंघ ने सभी निजी विद्यालयों के शिक्षक को भी सड़कों पर उनके साथ प्रदर्शन के सहभागी होने का आह्वान किया है।

शिक्षकों की हड़ताल की वजह से देशभर के सभी सरकारी और सामुदायिक विद्यालय में पठन पाठन का काम ठप्प हो गया है और 10वीं बोर्ड परीक्षा की उत्तर पुस्तिका की जांच भी रुकी हुई है। इतना ही नहीं, 12वीं की बोर्ड परीक्षा भी स्थगित करना पड़ गया है।

संक्षिप्त खबरें

राजौरी में अंतर क्षेत्रीय एवं अंतरराज्यीय कुश्ती प्रतियोगिता आयोजित

राजौरी, (एजेंसी) : पहाड़ी क्षेत्र के लोगों में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के प्रयासों की श्रृंखला में राजौरी के बागनसाल में अंतर क्षेत्रीय एवं अंतरराज्यीय कुश्ती प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता का उद्देश्य पहलवानों को अपना कौशल दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करना था।

इस आयोजन में 69 पहलवानों ने भाग लिया। सैन्य कर्मियों के अलावा पूर्व सरपंच और स्थानीय लोगों सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी इस दौरान मौजूद थे। दर्शकों ने प्रतियोगिता को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके उत्साह, समर्थन और खेल भावना ने प्रतियोगिता के उत्साह और ऊर्जा को और बढ़ा दिया। समापन समारोह में विजेताओं को पुरस्कार और पदक वितरित किए गए।

मुख्य अतिथि और गणमान्य व्यक्तियों ने विजेताओं को बधाई दी और प्रतिभागियों को उनके कौशल और खेल भावना के प्रदर्शन की प्रशंसा की। यह उन पहलों की श्रृंखला का हिस्सा है जिसके माध्यम से भारतीय सेना युवाओं को सकारात्मक रूप से जोड़ने के लिए आगे आ रही है और युवाओं को राष्ट्र निर्माण की दिशा में अपनी ऊर्जा को रचनात्मक तरीके से लगाने के लिए प्रोत्साहित करके एक सकारात्मक दृष्टिकोण बना रही है।

राजौरी में स्थानीय युवाओं के लिए वॉलीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन

राजौरी, (एजेंसी) : युवाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने और स्वस्थ, सक्रिय जीवनशैली को बढ़ावा देने के निरंतर प्रयास में भारतीय सेना ने समोटे में केसरी हिल पर स्थानीय युवाओं के लिए चार दिवसीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया।

इस आयोजन का उद्देश्य क्षेत्र के युवा लड़कों को खेलों में भाग लेने और अपनी ऊर्जा को सकारात्मक गतिविधियों में लगाने के लिए प्रेरित करना था। टूर्नामेंट में आस-पास के गांवों के युवाओं का प्रतिनिधित्व करने वाली टीमों ने हाई वोल्टेज मैचों के साथ उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस आयोजन को स्थानीय समुदाय से भरपूर समर्थन मिला।

सभी प्रतिभागी टीमों को उनके उत्साही प्रदर्शन के लिए सराहा गया और खिलाड़ियों को इस आयोजन को सफल बनाने में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। टूर्नामेंट में कुल 127 स्थानीय निवासियों ने भाग लिया जिससे यह एक यादगार और सफल आयोजन बन गया। इस तरह की सकारात्मक भागीदारी युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में ले जाती है, प्रतिस्पर्धी कौशल को बढ़ावा देती है और उन्हें राष्ट्र-विरोधी और असामाजिक तत्वों के जाल में फंसने से रोकती है।

क्षेत्र के युवाओं और स्थानीय लोगों ने केसरी हिल पर युवाओं के लिए वॉलीबॉल मैच आयोजित करने और प्रभावी युवा सहभागिता की दिशा में इस नेक पहल के लिए भारतीय सेना के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की।

पोप फ्रांसिस के निधन के बाद सीरी ए के मुकाबले स्थगित

नई दिल्ली, (एजेंसी) : कैथोलिक चर्च के सर्वोच्च धर्मगुरु पोप फ्रांसिस के निधन के बाद इटली की शीर्ष फुटबॉल लीग सीरी ए ने सोमवार को होने वाले सभी मुकाबलों को स्थगित कर दिया है। वेटिकन ने वीडियो बयान जारी कर उनके निधन की पुष्टि की। 88 वर्षीय पोप फ्रांसिस लंबे समय से बीमार चल रहे थे और हाल ही में उन्हें डबल न्यूमोनिया की गंभीर समस्या भी हुई थी।

पोप फ्रांसिस न सिर्फ दुनिया भर के कैथोलिक समुदाय के आध्यात्मिक प्रमुख थे, बल्कि फुटबॉल के भी बड़े प्रशंसक माने जाते थे। अर्जेंटीना में जन्मे पोप फ्रांसिस जीवनभर फुटबॉल से जुड़े रहे।

लीग ने बयान जारी कर कहा, "पोप फ्रांसिस के निधन के बाद आज (सोमवार) होने वाले सभी सीरी ए और प्राइमा वेरा 1 के मैच स्थगित किए जाते हैं।" स्थगित मैचों की नई तारीखों का ऐलान जल्द किया जाएगा।पोप फ्रांसिस के निधन के बाद वेटिकन सिटी समेत दुनियाभर में शोक की लहर है। कैथोलिक समुदाय और फुटबॉल प्रेमी उनके निधन पर शोक जता रहे हैं।

आईपीएल 2025: संजू सैमसन आरसीबी के खिलाफ मैच से बाहर, रियान पराग संभालेंगे कमान

नई दिल्ली, (एजेंसी) : इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में राजस्थान रॉयल्स को बड़ा झटका लगा है। टीम के कप्तान संजू सैमसन चोट के चलते रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ होने वाले अहम मुकाबले में हिस्सा नहीं लेंगे। राजस्थान फ्रेंचाइजी ने सोमवार को इसकी आधिकारिक पुष्टि की।राजस्थान रॉयल्स ने बयान जारी कर बताया, संजू सैमसन फिलहाल रिकवरी प्रोसेस से गुजर रहे हैं और टीम के मेडिकल स्टाफ के साथ होम बेस पर ही रहेंगे। वह बैंगलोर नहीं जाएंगे।बता दें कि दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच के दौरान संजू को पेट के हिस्से में हल्का दर्द महसूस हुआ था, जिसके बाद उनका स्कैन कराया गया। इसके चलते वह लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ पिछला मुकाबला भी नहीं खेल पाए थे। संजू सैमसन की गैरमौजूदगी में रियान पराग एक बार फिर टीम की कमान संभालेंगे।

फेडे वॉल्वरडे ने 93वें मिनट में किया कमाल, एथलेटिक क्लब पर जीत से रियल मैड्रिड ने जलाई खिताबी उम्मीदें

मैड्रिड, (एजेंसी) : ला लिगा में खिताबी दौड़ में बने रहने के लिए रियल मैड्रिड ने आखिरी पलों में शानदार जीत दर्ज की। रविवार देर रात खेले गए मुकाबले में फेडे वॉल्वरडे ने 93वें मिनट में गोल दागकर एथलेटिक क्लब को 1-0 से हराया। इस जीत के साथ ही मैड्रिड ने टाइटल रेस में बार्सिलोना से फासला चार अंक पर कायम रखा।

बार्सिलोना से पिछड़ने की कगार पर था मैड्रिड

चैंपियंस लीग में आर्सेनल से हारने के बाद रियल मैड्रिड के लिए यह मुकाबला बेहद अहम था। लंबे समय तक गोल के लिए जूझने के बाद लग रहा था कि टीम एक और निराशाजनक नतीजा झेलेगी, लेकिन उरुग्वे के स्टार खिलाड़ी वॉल्वरडे ने स्टॉपेज टाइम में टॉप कॉर्नर में जबरदस्त गोल कर टीम को जीत दिला दी।

काइलियन एम्बाप्पे की गैरमौजूदगी और विनीसियस की चमक

एथलेटिक क्लब ने इस मुकाबले में अपने कई स्टार खिलाड़ियों को आराम दिया था, जबकि रियल मैड्रिड काइलियन एम्बाप्पे के बिना उतरा। एम्बाप्पे निलंबन और टखने की चोट से जूझ रहे हैं। इस बीच, विनीसियस जूनियर ने शानदार खेल दिखाया और लेफ्ट फ्लैंक पर लगातार दौड़कर दर्शकों की तालियां बटोरीं। हालांकि उन्होंने एक गोल किया, लेकिन एंड्रिक के ऑफसाइड होने से वह गोल मान्य नहीं हो सका।

बेलिंघम के मिस और गोलकीपर सिमोन की शानदार बचत

दूसरे हाफ में रियल मैड्रिड ने आक्रामक तेवर दिखाए। रोड्रिगो और कैमाविंगा ने कोशिशें कीं, लेकिन एथलेटिक के गोलकीपर उनाई सिमोन ने शानदार बचाव किए। विनीसियस ने भी शानदार क्रॉस दिया, जिसे बेलिंघम ने हेड किया, लेकिन सिमोन ने उसे भी बचा लिया। अंतिम पलों में बेलिंघम ने पेनल्टी की अपील की, लेकिन रेफरी ने नकार दिया।

किंग वॉल्वरडे ने दिलाई जीत, अब नजर कोपा डेल रे फाइनल पर

जब मुकाबला ड्रॉ की ओर बढ़ रहा था, तभी फेडे वॉल्वरडे ने बॉक्स के बाहर से एक शानदार स्ट्राइक लगाई, जो सिमोन के पास भी नहीं पहुंची। इस गोल से रियल मैड्रिड को जीत मिली और अब टीम कोपा डेल रे फाइनल में बार्सिलोना से भिड़ने के लिए तैयार है।

बीसीसीआई वार्षिक अनुबंध में रोहित, विराट, बुमराह और जडेजा ए-प्लस में बरकरार

श्रेयस अय्यर, ईशान किशन की वापसी, वरुण चक्रवर्ती को पहली बार अनुबंध

नई दिल्ली, (एजेंसी) : भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को 1 अक्टूबर 2024 से 30 सितंबर 2025 तक के लिए अपने वार्षिक खिलाड़ी अनुबंध की घोषणा कर दी है। शीर्ष श्रेणी ए-प्लस (अ+) में कोई बदलाव नहीं किया गया है, जबकि कुछ नए चेहरों को भी इस सूची में शामिल किया गया है। अनुभवी ऑफ स्पिन गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के कारण बाहर कर दिया गया है।बीसीसीआई ने ए-प्लस (अ+) श्रेणी में एक बार फिर कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा को बरकरार रखा है। इस श्रेणी में खिलाड़ियों को सालाना 7 करोड़ रुपये का मानदेय मिलेगा।

पिछले साल घरेलू क्रिकेट न खेलने के कारण अनुबंध सूची से बाहर हुए श्रेयस अय्यर को इस बार बी (इ) श्रेणी में वापसी हुई है। वहीं, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विराम लेकर रणजी ट्रॉफी में नहीं खेलने वाले ईशान किशन को सी (उ) श्रेणी में रखा गया है।चैम्पियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करने वाले स्पिन गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती को पहली बार बीसीसीआई के अनुबंध में जगह मिली है।

ई० प्रोक्यूरमेंट सेल, कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, बोकारो

अल्पकालीन ई-प्रोक्योरमेन्ट नोटिस

ई–टेन्डर रेफरेन्स नं0– 01/2025-26/EE/BCD/BOKARO दिनांक– 19.04.2025

1. कार्य का विस्तृत विवरणी

क्रम	कार्य का नाम	परिमाण पत्र की राशि	कार्य पूर्ण की अवधि
1	Construction of Health Sub Centre Building at Tangtona, Block-Kasmar, Dist-Bokaro.	रू0 55,50,000.00	6 (छः) माह

2. वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि :– 28.04.2025 11:00 बजे
3. बिड प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि / समय :– 07.05.2025 11:00 बजे
4. निविदा प्रकाशित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, बोकारो।
5. निविदा खोलने की तिथि / समय एवं स्थान :– 8.05.2025 11:30 बजे नोडल पदाधिकारी, ई0 प्रोक्यूरमेंट सेल, अधीक्षण अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल, हजारीबाग।
6. प्रोक्योरमेन्ट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या :– 9906899979
7. ई–प्रोक्योरमेन्ट सेल का हेल्पलाईन संख्या :– 8987586862
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई–गवर्नेंस विभाग, झारखण्ड, सरकार के आदेश ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के द्वारा निर्गत SOP (मानक संचालन प्रकिया) एवं भवन निर्माण विभाग, झारखण्ड, सरकार के पत्रांक 2229 दिनांक 06.10.2023 के आलोक में निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, SOP के तहत अग्रधन की राशि उसी खाते में वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी संपूर्ण जवाबदेही निविदादाता की होगी।

- अन्य किसी भी प्रकार के बदलाव की सूचना http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

Note:- UCAN Registration is mandatory for the Bidders.

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, बोकारो

PR 350683 Building (25-26)_D

Government of Jharkhand
Jharkhand Mineral Area Development Authority, Dhanbad

e-Procurement Very short term Notice Inviting Tender No. 06/JMADA/2025-2026

01	Name & address of Office Inviting Tender	Managing Director, Jharkhand Mineral Area Development Authority, Luby Circular Road, Dhanbad.
02	Date of publication of tender on website	23-04-2025 at 11:00 A.M.
03	Last date & Time for receipt of bids	07-05-2025 up to 02.00 P.M.
04	Date & Time of Technical Bid Opening	08-05-2025 at 03:00 P.M.
05	Help line number of e-Procurement cell	Mob. No. – 9939842423 / 8789532628

Sl. No.	Tender Reference No.	Name of Work	Estimated Cost (in Rs.)	Earnest Money	Cost of Tender (Rs.)	Time Period
01	JMADA/06/2025-2026	Renovation of M.D. Banglow, Under JMADA, Dhanbad.	13,14,700.00	2% of BOQ Amount	5,000.00	90 Day's

Note :- 1. Only e-Tenders will be accepted. Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in & udhd.jharkhand.gov.in
2. Estimated cost/ quantity may be increased or decreased.
3. Experienced in same nature of work will equipped and financially strong contractor/Company may take part in this e-tender. They must be registered in Urban Development and Housing Department Jharkhand Govt. in appropriate class.

कार्यपालक अभियंता (जलापूर्ति),
झमाडा, धनबाद।

PR 350714 (Mines and Geology) 25-26 (D)

कार्यालय : धनवार नगर पंचायत, गिरिडीह
ई0मेल- nagar.dhanwar@gmail.com / दूरभाष : 06554 796845

पत्रांक–300, दिनांक– 19 / 04 / 2025

अल्पकालीन सैरात बन्दोबस्ती सूचना – 03 / 2025

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि धनवार नगर पंचायत क्षेत्रान्तर्गत लगने वाले विभिन्न प्रकार के विज्ञापनों से विज्ञापन शुल्क वसूली हेतु सैरात बंदोबस्ती दिनांक– 01 / 06 / 2025 से एक वर्ष के लिए की जानी है। उक्त बन्दोबस्ती हेतु आवेदन विहित प्रपत्र में आमंत्रित किया जाता है। बन्दोबस्ती खुली डाक के माध्यम से अधिकतम डाक बोली के आधार पर होगी। इस सैरात बंदोबस्ती में निबंधित संस्थान, निबंधित संवेदक एवं अच्छे आचरण वाले व्यक्ति तथा फर्म भाग ले सकते है। सैरात बंदोबस्ती हेतु सैरात का विवरण, आवेदन पत्र का मूल्य, न्यूनतम डाक बोली की राशि, वस्तु एवं सेवा कर, निबंधन शुल्क तथा अग्रधन की राशि का विवरण निम्नवत है:–

क्रमांक	सैरात का विवरण	आवेदन पत्र का मूल्य	न्यूनतम डाक बोली की राशि	वस्तु एवं सेवा कर	निबंधन शुल्क	अग्रधन की राशि
1	धनवार नगर पंचायत क्षेत्रान्तर्गत स्थित विभिन्न प्रकार के विज्ञापनों तथा होर्डिंग से विज्ञापन शुल्क वसूली।	रू0– 100.00(एक सौ रुपये मात्र)	60000.00	18%	10%	6000.00

उक्त सैरात बंदोबस्ती से सबंधित तिथियों का विवरण निम्नवत् है:–

क्र0 सं0	विवरण	तिथि
01	आवेदन पत्र प्राप्त करने की तिथि	21 / 04 / 2025 से 06 / 05 / 2025 तक
02	भरा हुआ आवेदन जमा करने की तिथि	07 / 05 / 2025 11.00 AM से 2.00 PM तक
03	खुली डाक बोली की तिथि एवं समय	07 / 05 / 2025 02.30 PM
04	प्रथम किस्त की राशि जमा करने की अवधि	10 / 05 / 2025 तक
05	एग्रीमेंट की तिथि	15 / 05 / 2025 तक
06	बन्दोबस्ती कार्य प्रारंभ की तिथि	01 / 06 / 2025
07	बन्दोबस्ती की वैधता की तिथि	31 / 05 / 2026 तक

उक्त सैरात बंदोबस्ती हेतु आवेदन पत्र का मूल्य 100.00 रू0 है। 100.00 रू0 का नगद भुगतान कर दिनांक 21 / 04 / 2025 से 06 / 05 / 2025 तक धनवार नगर पंचायत कार्यालय से कार्यालय अवधि में आवेदन पत्र प्राप्त किया जा सकता है। उक्त सैरात बंदोबस्ती हेतु नियम एवं शर्तों को धनवार नगर पंचायत कार्यालय के मुख्य सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है। ह0/–

कार्यपालक पदाधिकारी,
धनवार नगर पंचायत

PR 350689 (Urban Development and Housing)25-26*D

INDIAN RED CROSS SOCIETY
Dist:- Branch – BOKARO
Jawaharlal Nehru Road, Near Bokaro Airport,
Bokaro Steel City – 827001
Tel. No 06542-224555, E-mail ID- jh.bb.ircsbksc@gmail.com

Office of President, Indian Red Cross Society, Bokaro–सह–उपायुक्त, बोकारो

भारतीय रेड क्रॉस सोसाईटी, बोकारो द्वारा जिलान्तर्गत मरीजों को रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने एवं आपात स्थिति में मरीजों की जान बचाने के उद्देश्य से यह आवश्यक है कि जिले में प्रर्याप्त मात्रा में रेड क्रॉस सोसाईटी, बोकारो के पास रक्त उपलब्ध हो। इस निमित्त भारतीय रेड क्रॉस सोसाईटी, बोकारो द्वारा दिनांक– 22.04.2025 से दिनांक– 21.07.2025 तक Awareness-cum-Blood Donation Camp आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। दिनांक–09.04.2025 को राज्यस्तरीय समीक्षा बैठक में माननीय मुख्यमंत्री महोदय द्वारा भी जिला अन्तर्गत प्रमुख कार्य स्थलों / पुलिस कैम्प / महाविद्यालय / PSU / C.I.S.F/C.R.P.F/Banks/Society/Institution/NGO आदि जगहों पर Blood Donation Camp आयोजित करने का आदेश दिया गया है।

जैसा की आप अवगत हैं कि रक्तदान एक महादान है एवं यह मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। अतः ऐच्छिक रूप से रक्तदान के इस महा अभियान में आपका एवं आपके संस्थान के कर्मियों का सहयोग अपेक्षित है। उक्त आलोक में हेतु निम्न रूप से Awareness-cum-Blood Donation Camp का आयोजन किया जाता है।

माह– अप्रैल 2025 हेतु कार्यक्रम

क्र0	दिनांक / समय	कैम्प का स्थल	प्रतिनियुक्त चिकित्सक / पारा मेडिकल कर्मी	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5
1.	22.04.2025 11:00 पूर्वाह्न से	जिला समाहरणालय, बोकारो	सिविल सर्जन, बोकारो द्वारा प्रति0 चिकित्सक एवं Indian Red Cross Society, Bokaro के पारा मेडिकल कर्मी	
2.	23.04.2025 11:00 पूर्वाह्न से	अनुमण्डल कार्यालय, चास, बोकारो	सिविल सर्जन, बोकारो द्वारा प्रति0 चिकित्सक एवं Indian Red Cross Society, Bokaro के पारा मेडिकल कर्मी	
3.	25.04.2025 11:00 पूर्वाह्न से	पुलिस लाईन, बोकारो	सिविल सर्जन, बोकारो द्वारा प्रति0 चिकित्सक एवं Indian Red Cross Society, Bokaro के पारा मेडिकल कर्मी	
4.	28.04.2025 11:00 पूर्वाह्न से	बी0 एस0 सिटी कॉलेज, बोकारो	सिविल सर्जन, बोकारो द्वारा प्रति0 चिकित्सक एवं Indian Red Cross Society, Bokaro के पारा मेडिकल कर्मी	
5.	30.04.2025 11:00 पूर्वाह्न से	इलेक्ट्रो स्टील चन्दनकियारी, बोकारो	सिविल सर्जन, बोकारो द्वारा प्रति0 चिकित्सक एवं Indian Red Cross Society, Bokaro के पारा मेडिकल कर्मी	

अतः सभी नागरिकों से अनुरोध है कि स्वैच्छिक रक्तदान कर इस कार्यक्रम को सफल बनाने की कृपा करें।

President Indian Red Cross Society, Bokaro
–सह–उपायुक्त, बोकारो

PR 350678 District (25-26)_D

न्यायालय, भूमि सुधार उप समाहर्त्ता, चास (बोकारो)।

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि विभिन्न तिथियों में अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में निम्नांकित वादों की सुनवाई निर्धारित की गई थी, जिसमें अपीलकर्त्ता उपस्थित नहीं हुए थे। पुनः दिनांक–26.04.2025 को निम्नांकित अपील वादों की सुनवाई की तिथि निर्धारित की गई है :–

Cause List

Sl. No.	Block Name	Appeal Case No.	Mutation Case No.	Applicant Name
1	Chas	62/2024-25	4401/2024-25	Mina Devi
2	Chas	63/2024-25	4395/2024-25	Mansabur Daw
3	Chas	65/2024-25	11214/2023-24	Shahbaz Ali
4	Chas	68/2024-25	11216/2023-24	Nagma Parween
5	Chas	71/2024-25	9300/2020-21	Mallika Ferhana
6	Chas	72/2024-25	4257/2024-25	Mantara
7	Chas	72/2024-25	5699/2024-25	Sangita Devi
8	Chas	77/2024-25	5129/2024-25	Amit Kumar Dubey
9	Chas	78/2024-25	10898/2023-24	Jagannath Dubey
10	Chas	79/2024-25	4140/2024-25	Kali das Dubey
11	Chas	79/2024-25	4149/2024-25	Kali das Dubey
12	Chas	84/2024-25	1912/2024-25	Dharmendra Kumar Singh
13	Chas	131/2024-25	4538/2024-25	Anjali Kumari
14	Chas	136/2024-25	4261/2023-24	Rajnish Kumar Singh
15	Chas	137/2024-25	4259/2023-24	Pankaj Kumar Sharma
16	Chas	146/2024-25	5586/2024-25	Asit Shankar Pandey
17	Chas	153/2024-25	13479/2022-23	Shiba Prasad Mahadani
18	Chas	153/2024-25	13479/2022-23	Shiba Prasad Mahadani
19	Chas	233/2024-25	1632/2022-23	Narendra Kumar
20	Chas	234/2024-25	556/2022-23	Nagendra Tiwari
21	Chas	236/2024-25	6249/2021-22	Smt. Rina Devi
22	Chas	238/2024-25	4930/2023-24	Mithalesh Kumar Sharma
23	Chas	243/2024-25	11502/2022-23	Baban Kumar
24	Chas	224/2024-25	83/2024-25	Anand Kumar Agarwal
25	Chas	245/2024-25	84/2024-25	Pankaj Kumar
26	Chas	246/2024-25	9459/2023-24	Laxmi Devi
27	Chas	247/2024-25	798/2023-24	Shila Jain
28	Chas	248/2024-25	1092/2024-25	Arihant Kumar Jain
29	Chas	249/2024-25	5972/2022-23	Mundrika Devi
30	Chas	254/2024-25	1906/2022-23	Dhona Rajak, Kirani Rajak
31	Chas	256/2024-25	5009/2024-25	Anand Kumar Mishra
32	Chas	259/2024-25	3676/2024-25	Khudirani Das
33	Chas	260/2024-25	813/2024-25	Vijaya Dashmi devi
34	Chas	261/2024-25	7806/2023-24	Jay Narayan Sharma
35	Chas	262/2024-25	1519/2023-24	Kashni Gupta
36	Chas	266/2024-25	11691/2022-23	Usha Devi
37	Chas	267/2024-25	4886/2024-25	Sukhwindar Kour
38	Chas	268/2024-25	3398/2024-25	Hemant Kumar Saw
39	Chas	270/2024-25	3003/2024-25	Kumar Gopal Ji Prasad
40	Chas	272/2024-25	10852/2024-25	Halim Ansari
41	Chas	274/2024-25	2589/2024-25	Gouri Kumari
42	Chas	276/2024-25	10193/2021-22	Sona Devi
43	Chas	277/2024-25	514/2021-22	Smt. Deep Mala Sahu
44	Chas	278/2024-25	1069/2024-25	Jyoti Kumari
45	Chas	279/2024-25	1396/2021-22	Chanchala Kumari
46	Chas	280/2024-25	8263/2022-23	Shilpi Kumari
47	Chas	281/2024-25	5592/2024-25	Kanaklata Devi
48	Chas	283/2024-25	5653/2024-25	Sangita Ghatak
49	Chas	286/2024-25	5689/2024-25	Sri Prakash Kumar Gope
50	Chas	288/2024-25	3238/2024-25	Lakhamani Devi
51	Chas	289/2024-25	4098/2024-25	Mamta Devi
52	Chas	290/2024-25	5471/2024-25	Smt. Meera Prasad
53	Chas	291/2024-25	5735/2024-25	Ekbal Ansari
54	Chas	292/2024-25	5614/2024-25	Astik Gope
55	Chas	293/2024-25	5090/2024-25	Purnima Devi
56	Chas	294/2024-25	5288/2024-25	Shiv Kumar Malhotra
57	Chas	295/2024-25	5284/2024-25	Nikhil Malhotra
58	Chas	296/2024-25	1659/2024-25	Mathuri Devi
59	Chas	297/2024-25	5143/2024-25	Smt. Laxmi Devi
60	Chas	298/2024-25	10470/2024-25	Farha Tabassum
61	Chas	299/2024-25	949/2024-25	Sunita Kumari
62	Chas	300/2024-25	10890/2023-24	Rakhi Kumari
63	Chas	301/2024-25	10488/2023-24	Ambika Devi
64	Chas	302/2024-25	7693/2023-24	Jahangir Alam
65	Chas	303/2024-25	10618/2023-24	Sri Mohan Prasad singh
66	Chas	304/2024-25	9587/2020-21	Alka Devi
67	Chas	305/2024-25	5558/2021-22	Ruma Devi
68	Chas	306/2024-25	1554/2024-25	Mahrun Bibi
69	Chas	331/2024-25	10650/2023-24	Smt. Manju Gupta
70	Chas	332/2024-25	502/2024-25	Gita Devi
71	Chas	333/2024-25	2430/2024-25	Smt. Sulochana Swarnkar
72	Chas	334/2024-25	12484/2022-23	S Vijyalakshmy
73	Chas	335/2024-25	501/2024-25	Janwant Singh
74	Chas	337/2024-25	1416/2023-24	Rama Nand Roy
75	Chas	338/2024-25	1118/2024-25	Hafijuddin Ansari
76	Chas	339/2024-25	1724/2024-25	Durga Charan Mahto
77	Chas	351/2024-25	220/2022-23	Salma Bibi
78	Chas	354/2024-25	10353/2022-23	Asha Das
79	Chas	371/2024-25	4905/2024-25	Harish Chandra Agrawal

सभी अपीलकर्ताओं से अनुरोध है कि दिनांक 26.04.2025 को अधोहस्ताक्षरी कार्यालय भूमि सुधार उप समाहर्ता का कार्यालय / अनुमण्डल कार्यालय परिसर आई.टी.आई. मोड़, चास में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

भूमि सुधार उपसमाहर्ता,
चास।

PR 350730 (Land Reforms) 25-26 (D)

संक्षिप्त खबरें

राहुल गांधी ने तेलंगाना और हिम्र के मुख्यमंत्रियों से भी रोहित वेमुला एक्ट लागू करने का आग्रह किया

नई दिल्ली,(एजेंसी): कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखकर दोनों राज्यों में झ्रोहित वेमुला अधिनियम लागू करने का आग्रह किया है। राहुल का कहना है कि यह एक्ट लागू होने के बाद वंचित वर्गों के किसी छात्र को जातिवाद का वो दंश नहीं झेलना पड़ेगा, जिसे बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर, रोहित वेमुला और लाखों अन्य लोगों को सहना पड़ा है।

राहुल गांधी ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू को लिखे पत्रों को सोशल मीडिया एक्स पर साझा किया है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को पत्र लिखने के बाद मैंने हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री और तेलंगाना के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर झ्रोहित वेमुला एक्ट लागू करने का आग्रह किया है। कांग्रेस हर बच्चे को शिक्षा तक समान पहुंच दिलाने और जातीय भेदभाव को खत्म करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। जब तक हर छात्र को बिना भेदभाव के सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर नहीं मिलेगा, तब तक हमारी शिक्षा व्यवस्था सभी के लिए न्यायपूर्ण नहीं हो सकती।

राहुल गांधी ने कहा कि रोहित वेमुला, पायल तड़वी और दर्शन सोलंकी जैसे होनहार युवाओं की हत्या बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है। अब इस पर पूरी तरह से रोक लगाने का समय आ गया है। इससे पहले गत सप्ताह राहुल गांधी ने इसी तरह का एक पत्र कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को भी लिखा था। इन तीनों राज्यों में कांग्रेस की सरकारें हैं।

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस ने वर्ष 2023 के अपने रायपुर महाधिवेशन में वादा किया था कि सत्ता में आने पर वह एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक वर्गों के छात्रों का सम्मान एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए झ्रोहित वेमुला अधिनियम नामक एक विशेष कानून पारित करेगी। हैदराबाद विश्वविद्यालय के छात्र रहे रोहित वेमुला ने जनवरी, 2016 में कथित जातिगत भेदभाव के कारण आत्महत्या कर ली थी।

नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ने के लिए हमारा अभियान निरंतर जारी है : अमित शाह

नई दिल्ली, (एजेंसी): केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को झारखंड में नक्सल उन्मूलन अभियान में एक करोड़ के इनामी सहित आठ माओवादियों को ढेर किए जाने पर सुरक्षा बलों की सराहना करते हुए कहा कि नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ने के लिए हमारा अभियान निरंतर जारी है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा, झ्नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ने के लिए हमारा अभियान निरंतर जारी है। आज सुरक्षा बलों को नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ने के लिए चल रहे अभियान में एक और महत्वपूर्ण सफलता मिली। झारखंड के बोकारो में लुगु हिल्स में मुठभेड़ में 8 माओवादी मारे गए, जिनमें एक शीर्ष स्तर का नक्सली नेता विवेक, जिस पर 1 करोड़ रुपये का इनाम था, और दो अन्य कुख्यात नक्सली शामिल हैं। अभियान जारी है। हमारे सुरक्षा बलों की सराहना करें।

उल्लेखनीय है कि झारखंड के बोकारो जिले के लुगु पहाड़ क्षेत्र में 209 कोबरा बटालियन, बोकारो पुलिस, झारखंड जगुआर और सीआरपीएफ के एक विशेष संयुक्त अभियान में सुरक्षाबलों को सोमवार को बड़ी सफलता मिली है। मुठभेड़ में मारे गए आठ नक्सलियों के शव बरामद किए जा चुके हैं। इनमें से तीन की शिनाख्त हो चुकी है। मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों में केंद्रीय कमेटी सदस्य एक करोड़ का इनामी विवेक उर्फ प्रयाग मांझी, स्पेशल एरिया कमेटी सदस्य अरविंद यादव और जोनल कमेटी मेंबर 10 लाख का इनामी साहब राम मांझी है। घटनास्थल से चार इंसास राइफल, एक एसएलआर और एक रिवॉल्वर बरामद की गई है।

श्रीराम जन्मभूमि के परकोटे में बने शिव मन्दिर का शिखर कलश स्थापित

अयोध्या, (एजेंसी): श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर के परकोटे में स्थित श्रीशिव मन्दिर के शिखर पर सोमवार को पूरे विधि विधान से कलश स्थापित किया गया।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट संवाद केन्द्र ने बताया कि परकोटा के उत्तरी पूर्वी कोण पर बनाए गए शिव मन्दिर में प्रातः सवा दस बजे पूरे विधि विधान से पूजा अर्चना की गई और उसके बाद मंदिर के शिखर कलश स्थापित किया गया। इस अवसर पर निर्माण कार्य से जुड़े लोग उपस्थित रहे।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल को दिल में ब्लॉकेज के चलते अस्पताल में किया गया भर्ती, ममता ने की मुलाकात

कोलकाता, (एजेंसी): पश्चिम बंगाल के राज्यपाल डॉ. सी.वी. आनंद बोस को सोमवार दोपहर दक्षिण कोलकाता स्थित कमांड अस्पताल में भर्ती कराया गया। नियमित चिकित्सकीय जांच के दौरान डॉक्टरों ने उनके हृदय में ब्लॉकेज पाया, जिसके बाद उन्हें बिना किसी देरी के अस्पताल में भर्ती कर लिया गया।

राजभवन सूत्रों के अनुसार सोमवार को राज्यपाल अपनी नियमित स्वास्थ्य जांच के लिए अस्पताल पहुंचे थे। जांच के दौरान चिकित्सकों ने कुछ हृदय संबंधी समस्याएं पाईं और एहतियात के तौर पर तुरंत भर्ती करने का निर्णय लिया।राज्यपाल के अस्पताल में भर्ती होने की खबर मिलते ही मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कमांड अस्पताल पहुंचीं और उनकी तबीयत का हालचाल लिया। अस्पताल से बाहर निकलते हुए मुख्यमंत्री ने बताया, झ्राज्यपाल के स्वास्थ्य की जानकारी लेने आई थी। अब मैं मिदनापुर के लिए निकल रही हूं। कल कार्यक्रमों के बाद कोलकाता लौटूंगी।झ्उल्लेखनीय है कि राज्यपाल बोस शनिवार रात ही मुर्शिदाबाद ज़िले के दो दिवसीय दौरे से लौटे थे। यह इलाका हाल ही में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ हिंसक विरोध प्रदर्शनों के चलते अशांत रहा था।मुर्शिदाबाद के समीप मालदा ज़िले में भी बनाए गए एक अस्थायी राहत शिविर का राज्यपाल ने दौरा किया था, जहां दंगों से विस्थापित लोगों को अस्थायी रूप से रखा गया है। उन्होंने इस पूरी स्थिति पर केंद्र सरकार को विस्तृत रिपोर्ट भेजने की बात कही थी और मुख्यमंत्री से भी इस मुद्दे पर चर्चा करने का आश्वासन दिया था। उन्होंने यह भी कहा था कि मुर्शिदाबाद के संवेदनशील इलाकों में स्थायी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की तैनाती की स्थानीय लोगों की मांग को केंद्र सरकार तक पहुंचाएंगे।

रविवार शाम राज्यपाल ने राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष सहित एक प्रतिनिधिमंडल से भी मुलाकात की और मुर्शिदाबाद की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की। राज्यपाल ने आयोग को आश्वस्त किया कि वहां महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी।

रक्षा उपकरण निर्यात को बढ़ावा देने के लिए ब्रह्मोस मिसाइल सिस्टम की दूसरी खेप भेजी गई फिलीपींस

नई दिल्ली, (एजेंसी): भारत के रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने के लिए ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल सिस्टम की बैटरियों का दूसरा बैच फिलीपींस भेजा गया है।पहली बैटरी अप्रैल 2024 में भारतीय वायुसेना के विमान में भेजी गई थी, जिसमें सिविल एयरक्राफ्ट एजेंसियों से सहायता मिली थी। ये खेप दोनों देशों के बीच हुए रक्षा समझौते के तहत भेजी गई है।रिपोर्ट्स के अनुसार, उपकरणों के फिलीपींस के पश्चिमी हिस्से में पहुंचने तक हेवी लोड के साथ लंबी दूरी की यह उड़ान, बिना रुके करीब 6 घंटे की थी।ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल की सप्लाई के लिए फिलीपींस के साथ सौदे की घोषणा जनवरी 2022 में की गई थी।फिलीपींस को मिसाइल सिस्टम के लिए तीन बैटरियां मिलेंगी, जिसकी रेंज 290 किलोमीटर है और इसकी गति 2.8 मैक (लगभग 3,400 किलोमीटर, ध्वनि की गति से तीन गुना) है। ब्रह्मोस मिसाइल को सबमरीन, जहाज, विमान या जमीन से लॉन्च किया जा सकता है।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के अनुसार, भारत का लक्ष्य वर्ष 2029 तक 3 लाख करोड़ रुपये के रक्षा उपकरण बनाना है।भारत में रक्षा उत्पादन वर्ष 2014 में 40,000 करोड़ रुपये से बढ़कर वर्तमान में 1.27 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है।केंद्रीय मंत्री के अनुसार, इस वर्ष रक्षा उत्पादन के 1.60 लाख करोड़ रुपए को पार करने की उम्मीद है, जबकि हमारा लक्ष्य वर्ष 2029 तक 3 लाख करोड़ रुपये के रक्षा उपकरण बनाना है।देश आयात पर अपनी निर्भरता कम करेगा और एक डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स बनाएगा जो न केवल भारत की जरूरतों को पूरा करेगा बल्कि रक्षा निर्यात की क्षमता को भी मजबूत करेगा।मेक इन इंडियाझ्र कार्यक्रम न केवल देश के रक्षा उत्पादन को मजबूत कर रहा है बल्कि ग्लोबल डिफेंस सप्लाई चेन को मजबूत और लचीला बनाने में भी मदद कर रहा है।

उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने उच्च न्यायालयों के सात न्यायाधीशों के तबादले की सिफारिश की

नई दिल्ली, (एजेंसी): उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाले कॉलेजियम ने विभिन्न उच्च न्यायालयों के सात न्यायाधीशों के तबादले की सिफारिश की है।

शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर जारी एक बयान में ये जानकारी दी गई। बयान के मुताबिक कर्नाटक उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति हेमन्त चंदनगौदर को मद्रास उच्च न्यायालय स्थानांतरित करने की सिफारिश की गई है।इसी प्रकार न्यायमूर्ति कृष्णन नटराजन को कर्नाटक से केरल, न्यायमूर्ति नेरानाहल्ली श्रीनिवासन संजय गौड़ा को कर्नाटक से गुजरात, न्यायमूर्ति सुश्री पेरुगु श्री सुधा को तेलंगाना से कर्नाटक, न्यायमूर्ति कासोजु सुरेंधर उर्फ के. सुरेंद्र को तेलंगाना से मद्रास, न्यायमूर्ति डॉ. कुंभजादला मनमाधा राव को आंध्र प्रदेश से कर्नाटक और न्यायमूर्ति दीक्षित कृष्ण श्रीपाद को कर्नाटक से उड़ीसा उच्च न्यायालय तबादला करने की सिफारिश की गई है।

बयान में कहा गया है कि उच्च न्यायालयों के स्तर पर समावेशिता और विविधता लाने तथा न्याय प्रशासन की गुणवत्ता को मजबूत करने के उद्देश्य से तबादले की ये सिफारिश की गई है।

डॉ. मांगी लाल जाट ने डेयर के सचिव और आईसीएआर के महानिदेशक का कार्यभार संभाला

नई दिल्ली, (एजेंसी): नामचीन कृषि विज्ञानी डॉ. मांगी लाल जाट ने आज यहां कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (डेयर) के सचिव तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक (डीजी) का पदभार ग्रहण कर लिया। इस महत्वपूर्ण पद पर डॉ. जाट के आने से आईसीएआर में परिवर्तनकारी दौर की उम्मीद जताई जा रही है।

कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने पिछले सप्ताह अपनी अधिसूचना में डॉ. जाट को तीन साल की अवधि के लिए डेयर का नया सचिव और आईसीएआर का महानिदेशक नियुक्त किया है। इससे पहले वे हैदराबाद स्थित इंटरनेशनल क्रॉप्स रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर द सेमी-एरिड ट्रॉपिक्स (आईसीआर आईएसएटी) में उप महानिदेशक (अनुसंधान) और वैश्विक अनुसंधान कार्यक्रम के निदेशक के रूप में कार्यरत थे।

डॉ. जाट कृषि विज्ञान, जलवायु-अनुकूल कृषि के साथ संरक्षित कृषि में 25 वर्षों से अधिक का वृहद अनुभव रखते हैं। उनकी नियुक्ति से आईसीएआर के व्यापक कृषि पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर नवाचार, संधारणीयता एवं किसान-केन्द्रित अनुसंधान को गति मिलने की उम्मीद है।

आईसीएआर -भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई), नई दिल्ली के पूर्व छात्र डॉ. जाट ने वर्षा आधारित बाजरा फसल में मृदा नमी संरक्षण की विशेषज्ञता- शुष्क क्षेत्रों में खाद्य सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र जैसे विषय पर कृषि विज्ञान में पीएचडी की है। उनके अग्रणी शोध ने एशिया और अफ्रीका महादेश में छोटे किसानों के लिए सतत गहनता की रणनीतियों को नया आकार दिया, जिससे खाद्य प्रणाली के जलवायु अनुकूल उत्पादन हेतु वैश्विक प्रयासों में महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

डॉ. जाट ने संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) और इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ प्रिसिजन एग्रीकल्चर (आईएसपीए) सहित कई प्रमुख राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं। राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी (एनएएएस) के फेलो के रूप में उन्हें अपने करियर में कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जिसमें कृषि अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए आईसीएआर की सर्वोच्च मान्यताओं में से एक रफी अहमद किदवई पुरस्कार शामिल है।

विदेशी में जाकर भारतीय संस्थाओं का अपमान राहुल गांधी की पहचान बन गया है : शहजाद पूनावाला

नई दिल्ली, (एजेंसी): भाजपा ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर अपने विदेशी दौरों के दौरान भारत की आलोचना करने का आरोप लगाया है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि राहुल गांधी बार-बार भारत की संस्थाओं को कमजोर करने का काम करते हैं।

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, राहुल गांधी एक राजनीतिक दल के साथ अपने निजी मुद्दों के कारण विदेशी धरती पर भारत की आलोचना करते रहते हैं। इस बार उन्होंने एक बार फिर चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। जहां दुनिया आम चुनावों और जम्मू-कश्मीर में उल्लेखनीय काम के लिए चुनाव आयोग की प्रशंसा करती है, वहीं राहुल गांधी बार-बार भारत की संस्थाओं को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। वह पहले ही कह चुके हैं कि वह इंडियन स्टेट से लड़ रहे हैं, फिर वह विदेश जाते हैं और भारत की संस्थाओं पर भी हमला करते हैं। भारत की संस्थाओं का अपमान राहुल गांधी की पहचान बन गया है।उन्होंने आगे कहा, राहुल गांधी कहते हैं कि लोकतंत्र खत्म हो गया है। अमेरिका और ब्रिटेन को हस्तक्षेप करना चाहिए। वह कहते हैं कि न्यायपालिका और चुनाव आयोग ठीक से काम नहीं कर रहा है, लेकिन जब चुनाव आयोग ऐसा चुनाव करवाता है, जिसमें राहुल गांधी की पूरी पार्टी जीत जाती है, तब उन्हें कोई समस्या नहीं होती। जब न्यायपालिका राहुल गांधी को राहत देने वाला फैसला देती है, तब वह ठीक है। अन्यथा, वे सब खत्म हो चुके हैं और लोकतंत्र खतरे में है। यह संविधान के प्रति सशर्त प्रतिबद्धता दिखाता है और यह भी दर्शाता है कि मोदी विरोध में राहुल गांधी किसी भी हद तक गिर सकते हैं। वे संवैधानिक संस्थाओं, यहां तक कि सेना पर भी सवाल उठा सकते हैं।शहजाद पूनावाला ने राहुल गांधी की मानसिकता पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, राहुल गांधी की यह मानसिकता दिखाती है कि वे कितने हकदार हैं और वह लोकतंत्र से ऊपर परिवारवाद को रखते हैं। उन्हें भारत और भारत की छवि की कोई परवाह नहीं है। उन्होंने विदेशी धरती पर भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने और भारत के संस्थानों के खिलाफ सुपारी ले रखी है। राहुल गांधी की तरफ से चुनाव आयोग पर लगाए गए सभी आरोपों का तथ्यात्मक रूप से जवाब दिया जा चुका है।पूनावाला ने बताया कि 9.7 करोड़ मतदाताओं में से केवल 89 शिकायतें ही प्राप्त हुईं। अगर मतदाताओं के साथ छेड़छाड़ हुई थी, तो केवल 89 शिकायतें आईं और उनका भी संतोषजनक ढंग से निपटारा किया गया। हर बिंदु को स्पष्ट किया गया है, लेकिन विदेश जाकर भारत और भारत के संस्थानों पर हमला करना, भारतीय राज्य और संस्थानों के खिलाफ लड़ना, कांग्रेस का एजेंडा बन गया है। दरअसल, अमेरिका दौरे पर ब्राउन यूनिवर्सिटी पहुंचे राहुल गांधी ने मंच से निर्वाचन आयोग की कार्यशैली पर सवाल उठाए।

आईएएस 2023 बैच के 180 अधिकारियों में 41 प्रतिशत महिलाएं : डॉ. जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली, (एजेंसी): केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने 2023 आईएएस बैचझ्र के ऑफिसर ट्रेनीज (ओटी) के साथ एक बातचीत में भारतीय प्रशासनिक सेवाओं में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी की सराहना की।

इस बैच में 74 महिला अधिकारी शामिल हैं, जो 180 अधिकारियों के मौजूदा बैच का 41 प्रतिशत है।

आईएएस बैच के ऑफिसर ट्रेनीज (ओटी) को 1 अप्रैल से 30 मई, 2025 तक 8 सप्ताह की अवधि के लिए 46 केंद्रीय मंत्रालयों से जोड़ा जा रहा है, यह बातचीत इसी सहायक सचिव कार्यक्रम का हिस्सा थी।

इस कार्यक्रम के जरिए ऑफिसर ट्रेनीज को नीति निर्माण और केंद्र सरकार के कामकाज के बारे में शुरुआती जानकारी दी जाती है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने भारतीय प्रशासनिक सेवाओं में महिलाओं की बढ़ती भूमिका का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व को दिया, जिनके कार्यकाल में महिलाओं के नेतृत्व वाली पहलों को गति मिल रही है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी हमेशा से महिला सशक्तीकरण के समर्थक रहे हैं। यह रिकॉर्ड समावेशी और प्रगतिशील शासन के लिए उनके अटूट समर्थन का प्रमाण है।

केंद्रीय मंत्री ने शैक्षणिक और व्यावसायिक विविधता पर गर्व जताते हुए कहा कि 99 अधिकारी इंजीनियरिंग और कई चिकित्सा के साथ ही दूसरे तकनीकी क्षेत्रों से हैं।

उन्होंने कहा, कई सालों तक मैं सोचता रहा कि टेक्नोक्रेट सिविल सर्विस में क्यों शामिल होते हैं। अब मुझे एहसास हुआ है कि डिजिटल इंडिया से लेकर स्मार्ट सिटीज तक के प्रमुख सरकारी कार्यक्रमों का टेक्निकल नेचर उनकी उपस्थिति को राष्ट्रीय संपत्ति बनाता है।

डॉ. सिंह ने बैच की 22-26 वर्ष की युवा औसत आयु की प्रशंसा की, जो राष्ट्र के लिए योगदान देने के लिए एक लंबी अवधि का करियर प्रदान करती है।

उन्होंने अधिकारियों से तकनीकी रूप से आगे रहने और आईगॉट कर्मयोगी प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करने का आग्रह किया, जो एक डिजिटल लर्निंग इकोसिस्टम है।

उन्होंने खासतौर पर कहा, आप भाग्यशाली हैं कि आप ऐसे सर्वोत्तम समय में हैं, जब देश तेजी से 2047 तक विकसित भारतझ्र बनने की ओर बढ़ रहा है।

संक्षिप्त खबरें

पूर्वी झरिया क्षेत्र में क्वार्टर विवाद का समाधान, धरना समाप्त

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

भौरा : पूर्वी झरिया क्षेत्र के भौरा दक्षिण कोलियरी में क्वार्टर विवाद को लेकर कर्मी लकी कुमारी ने इजे एरिया क्षेत्रीय कार्यालय गेट के बाहर धरना दिया। लकी कुमारी को क्वार्टर अलॉटमेंट के बावजूद राजकुमार सिंह द्वारा क्वार्टर खाली नहीं करने के कारण यह धरना दिया गया था। स्थानीय नेताओं ने धरना स्थल पर पहुंचकर लकी कुमारी को समझाने का प्रयास किया और विवाद का समाधान निकाला। जिसके बाद पूर्व कर्मी राजकुमार सिंह को बुलाकर लिखित दिलाया गया कि 30 अप्रैल तक हर हाल में वह क्वार्टर खाली करके लकी कुमारी को सौंप देंगे तब जाकर लकी कुमारी ने अपना धरना समाप्त कर दिया और राजकुमार सिंह पर 30 अप्रैल तक क्वार्टर खाली करने की जिम्मेदारी है। मौके पर इंटक नेता कालीचरण यादव, एसके शाही, मुन्ना यादव, नुनु लाल पासवान, प्रेम कुमार आदि थे।

15 दिनों से क्रमिक भूख हड़ताल पर बैठी सीमा कुमारी का स्वास्थ्य जांच किया

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

झरिया : चासनाला स्वास्थ्य केंद्र की चिकित्सक टीम ने गोलकडीह में सीमा कुमारी का स्वास्थ्य जांच किया, जो 15 दिनों से क्रमिक भूख हड़ताल पर हैं। टीम ने उनके स्वास्थ्य की जांच की, जिसमें बीपी, शुगर और पल्स की जांच शामिल थी। इस दौरान चिकित्सकों ने सीमा कुमारी से उनके स्वास्थ्य के बारे में भी बातचीत की। चिकित्सकों ने सीमा कुमारी को स्वास्थ्य से संबंधित कई दिशा-निर्देश दिए और कहा कि वे धनबाद सिविल सर्जन के दिशा-निर्देश पर गोलकडीह पहुंचे हैं। चिकित्सकों ने सीमा के स्वास्थ्य की जांच की और उन्हें आवश्यक सलाह दी। गौरतलब है कि सीमा कुमारी को कुइयां प्रबंधन ने उम्र विवाद का हवाला देते हुए काम से हटा दिया था, जबकि उन्हें अपने पिता के बदले नौकरी मिली थी। सीमा ने 17 महीने तक काम किया था। इस मामले को लेकर सीमा पिछले 15 दिनों से गोलकडीह कार्यालय के मुख्य द्वार पर क्रमिक भूख हड़ताल कर रही हैं।

सीमा की मांग है कि उन्हें न्याय मिले और उनकी नौकरी बहाल की जाए। इस बीच, चासनाला स्वास्थ्य केंद्र की एक टीम ने सीमा का स्वास्थ्य परीक्षण किया और उन्हें स्वास्थ्य संबंधी दिशा-निर्देश दिए। टीम में डॉक्टर टी चटर्जी, डॉक्टर शैलेंद्र कुमार, सीएचओ अजीत कुमार चौधरी, एएनएम शकुंतला कुमारी शामिल थे।

दोनों संघों ने मजदूरों के हित में एकजुट होकर काम करने पर जताई सहमति

मजदूर हित में दो यूनियनों के बीच समझौते की पहल

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

झरिया : जनता श्रमिक संघ के पूर्व क्षेत्रीय सचिव शैलेन्द्र सिंह और रविकांत पासवान ने राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन के कार्यकारी अध्यक्ष अनुपमा सिंह और महामंत्री ए के झा से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने मजदूर हित में साथ मिलकर कार्य करने की इच्छा जताई। इस मुलाकात में दोनों संघों के बीच संभावित सहयोग और संयुक्त प्रयासों पर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने मजदूरों के हित में एकजुट होकर काम करने पर सहमति जताई। राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन की कार्यकारी अध्यक्ष अनुपमा सिंह ने आश्वासन दिया कि मजदूर हित को ध्यान में रखते हुए सभी कार्य संयुक्त रूप से किए जाएंगे। उन्होंने जनता श्रमिक संघ के नेताओं और पदाधिकारियों के साथ मिलकर मजदूरों के हित में काम करने का भरोसा दिलाया। मौके पर महेश सिंह, अजय पासवान, राजकुमार राम, मुरली राम, अमरेंद्र कुमार सिंह, राजू सिंह, मुन्ना चौहान, जदू राम, लाल यादव, संजय निषाद, पवन पासवान, चंपा पासवान, ममता गुप्ता, मिट्ठू गुप्ता, सोनू सिंह, राहुल सिंह, सूरज पासवान, रंजीत रवानी, बीरेंद्र यादव, गुड्डू सिंह पवन पासवान, अनिल बाउरी, छोटू बाउरी, जीतू भुइया, कपिल राय, हरे राम मल्लाह, धर्मेंद्र सिंह, गणेश पासवान, सूरत सिंह, राजू सिंह थे।

जेलगोरा मानस मंदिर में मानस महाधिवेशन के आठवें दिन उमड़ा भक्तों का सैलाब

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

जोड़ापोखर : जेलगोरा मानस मंदिर में नव दिवसीय मानस महाधिवेशन के आठवें दिन भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। रविवार से शुरू हुई मंदिर परिक्रमा में बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया। सोमवार को संध्या आरती के बाद अयोध्या से आए प्रख्यात कथा वाचक अखिलेश उपाध्याय ने अपने प्रवचन से भक्तिमय माहौल बना दिया। उनके धाराप्रवाह प्रवचन ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। अखिलेश उपाध्याय के प्रवचन से भक्तों को गहरी आध्यात्मिक अनुभूति हुई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित थे जिन्होंने अखिलेश उपाध्याय के प्रवचन से लाभ उठाया।

जेलगोरा मानस मंदिर में मानस महाधिवेशन के दौरान प्रभु हनुमान जी की आरती के साथ प्रवचन की शुरुआत हुई। अयोध्या से आए अशोका नंद महाराज ने भी धाराप्रवाह प्रवचन किया और मानस पाठ व भजनों से भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर गिरिडीह के कथा वाचक अनिल पाठक भी मौजूद थे। मानस मंदिर कमिटी ने बताया कि मंगलवार को प्रभु श्रीराम जी का राज्याभिषेक होगा और बुधवार को यज्ञ की पूर्णाहुति व हवन के बाद महाधिवेशन का समापन होगा।

एटी देवप्रभा आउटसोर्सिंग परियोजना में ग्रामीणों का विरोध, धारा 163 लागू

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

भौरा : एटी देवप्रभा आउटसोर्सिंग परियोजना को लेकर झरिया में तनाव की स्थिति है। पूर्वी झरिया क्षेत्र में चल रही इस परियोजना को जहाजटांड़ बस्ती के ग्रामीणों ने पिछले एक सप्ताह से बंद कर दिया था। हालांकि, रविवार देर रात परियोजना को फिर से शुरू कर दिया गया, जिसकी जानकारी मिलने पर ग्रामीणों ने सोमवार दोपहर परियोजना स्थल पर पहुंचकर हंगामा किया और काम पूरी तरह से बंद करा दिया। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक उन्हें नियोजन और जमीन के बदले उचित मुआवजा नहीं मिलता, तब तक वे परियोजना का काम चालू नहीं होने देंगे। घटना की सूचना

मिलते ही

भौरा थाना प्रभारी और सीआईएसएफ के जवानों ने ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं। एटी देवप्रभा आउटसोर्सिंग परियोजना के पदाधिकारी बीके पांडेय ने कहा कि ग्रामीणों के साथ कई बार बातचीत हुई है, लेकिन वे किसी भी बात पर मानने को तैयार नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ग्रामीण परियोजना के काम में बाधा डाल रहे हैं, जैसे कि सड़क पर लाइट लगाने और सड़क बनाने को रोकना। पदाधिकारी ने कहा कि ग्रामीण विधि व्यवस्था खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। थाना प्रभारी ने कहा कि वे विधि व्यवस्था खराब न होने देने के लिए प्रयासरत हैं और ग्रामीणों को समझाने का भी प्रयास कर रहे हैं।

एटी देवप्रभा आउटसोर्सिंग परियोजना धारा 163 लागू,

पुलिस गश्त तेज

धनबाद एसडीओ ने एटी देवप्रभा आउटसोर्सिंग परियोजना के आसपास धारा 163 लगाई है, जिससे क्षेत्र में सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष कदम उठाए गए हैं। पुलिस गश्त तेज कर दी गई है और अतिरिक्त पुलिस जवानों, जिनमें महिला जवान भी शामिल हैं, को परियोजना स्थल पर तैनात किया गया है। क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए उठाया गया है, खासकर जब परियोजना को लेकर ग्रामीणों और कंपनी के बीच विवाद चल रहा है। ग्रामीणों की मांग है कि उन्हें नियोजन और जमीन के बदले उचित मुआवजा दिया जाए। इससे पहले, ग्रामीणों ने परियोजना का काम बंद करा दिया था और बाद में पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के समझाने के बाद भी वे अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं। धारा 163 लगाने से क्षेत्र में किसी भी तरह की अफवाह या तनाव को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है।

लोदना में मजदूरों की 24 सूत्री मांगों पर प्रबंधन के साथ सकारात्मक वार्ता हुई

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

झरिया : लोदना क्षेत्रीय कार्यालय सभागार में सोमवार को धनबाद कोलियरी कर्मचारी संघ और लोदना महाप्रबंधक निखिल बी त्रिवेदी के बीच वार्ता हुई। इस दौरान मजदूरों की विभिन्न मांगों को लेकर चर्चा हुई, जिसमें बुनियादी सुविधाओं से लेकर कई अन्य मुद्दे शामिल थे। श्रमिक नेताओं ने महाप्रबंधक से मांगों को गंभीरता से लेने को कहा और चेतावनी दी कि यदि मांगें पूरी नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा। प्रबंधन ने सभी मांगों पर सकारात्मक वार्ता की और

सहमति जताई। वार्ता में मजदूरों के हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। अब देखना यह है कि प्रबंधन अपनी बातों पर कितना खरा उतरता है और मजदूरों की मांगें पूरी करता है। वार्ताएं मजदूरों और प्रबंधन के बीच बेहतर समझ और सहयोग के लिए महत्वपूर्ण होती हैं। इससे मजदूरों की समस्याओं का समाधान हो सकता है और कार्य वातावरण में सुधार हो सकता है। मौके पर एपीएम डीके सिंह, अरुण कुमार पांडे, संजीव कश्यप, तारकेश्वर रजक और संघ कि ओर से महामंत्री उमेश सिंह, केके सिंह, अजय देव, ओपी ओझा, रामनाथ गोप, इस्माइल मल्लीक, दयाराम सिंह यादव, विजय यादव, उज्जवल डे, गणेश कुमार, पलटन बाउरी, कैलाश पासवान, रानी गोस्वामी, रामजन्म पासवान, कनिक लाल राम आदि थे।

गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज पलामू में विश्व रचनात्मकता व नवाचार दिवस मनाया गया

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

सिंदरी : गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज पलामू ने विश्व रचनात्मकता और नवाचार दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में छात्रों, शिक्षकों और नवप्रवर्तकों ने भाग लिया और शिक्षा तथा समाज में रचनात्मकता और नवाचार की महत्ता पर चर्चा की। डॉ. मुरली मनोहर ने अपने उद्घाटन भाषण में वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान में नवाचार की महत्ता पर प्रकाश डाला। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय कुमार सिंह ने गेट उत्तीर्ण छात्रों की ट्यूशन फीस माफ करने की घोषणा की, जिससे छात्रों को उच्चतर उपलब्धियों के लिए प्रेरित किया जा सके। जीईसी पलामू की स्टार्टअप टीम ने अपने उद्यमशील सफर, नवाचारों और अनुभवों को साझा किया और अन्य छात्रों को उत्साहित किया। कार्यक्रम ने विचारों के आदान-प्रदान, नवाचारों की प्रस्तुति और रचनात्मकता, सहयोग तथा सतत सीखने की संस्कृति को मजबूत करने का एक सशक्त मंच प्रदान किया।विश्व रचनात्मकता और नवाचार दिवस का उद्देश्य लोगों को नए विचारों का उपयोग करने, नए निर्णय लेने और रचनात्मक सोच के माध्यम से दुनिया को बेहतर बनाने की दिशा में कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करना है। यह दिन संयुक्त राष्ट्र द्वारा मनाया जाता है और इसका उद्देश्य नवाचार और रचनात्मकता के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करना है।

विद्यार्थियों ने ग्रामीणों को दिया जल संरक्षण का संदेश

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के निर्देश पर गोविंदपुर प्रखंड के सभी विद्यालयों में जल संरक्षण पखवाड़ा मनाया जा रहा है. इसके तहत सोमवार को विद्यालयों में ग्रामीणों को पानी बचाने का संदेश देने के लिए प्रभातफेरी निकाली गई.जलस्रोतों की रक्षा तथा पानी की बर्बादी रोकने के संबंध में विद्यार्थियों के बीच निबंध, भाषण, चित्रकला, वाद विवाद आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्लस टू हाईस्कूल गोविंदपुर में प्राचार्य विजय कुमार तांती, प्लस टू हाईस्कूल बरवापूर्व में प्राचार्य राजेश कुमार, प्लस टू हाईस्कूल नगरकियारी में प्राचार्य डॉ मीरा सिंह एवं प्लस टू हाईस्कूल गोसाईडीह में प्राचार्य विजय श्रीवास्तव की देखरेख में प्रतियोगिताएं आयोजित की गई.

बीईईओ विनोद कुमार पांडेय ने बताया कि जल संरक्षण को लेकर सभी विद्यालयों में

कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं. इस दौरान जल संरक्षण के तरीके बताए जा रहे हैं. जल ही जीवन है और जल है तो कल है अभियान के तहत विद्यार्थियों को प्रतिदिन कम से कम 1 लीटर पानी बचाने का संकल्प दिलाया जा रहा है. 30 अप्रैल को पखवाड़ा का समापन होगा।

धनबाद केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन का शपथ ग्रहण समारोह

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

धनबाद: धनबाद केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन का शपथ ग्रहण समारोह धनबाद क्लब में बड़ी धूमधाम से संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के महासचिव सुभाष चंद्र मंडल मौजूद रहे। समारोह की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई, जिसके पश्चात 15 जोन हेड्स, को-हेड्स और अन्य नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई। मुख्य अतिथि सुभाष चंद्र मंडल ने अपने संबोधन में ऑनलाइन फार्मेसी और अत्यधिक छूट पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बाजार में 20-25% तक छूट पर बिकने वाली दवाओं की गुणवत्ता संदिहास्पद हो सकती है, और ग्राहकों को इस विषय में सतर्क रहना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि दवाओं की बिक्री में अनैतिक छूट फार्मेसी अधिनियम 1948 और फार्मेसी प्रैक्टिस रेगुलेशन 2015 के अध्याय 7 और 8 का उल्लंघन है।एसोसिएशन के अध्यक्ष ललित अग्रवाल ने जिले के सभी दवा व्यापारियों से अपील की कि वे डिस्काउंट बोर्ड और छूट की प्रथा को तत्काल प्रभाव से समाप्त करें।

एनआरएचएम घोटाले में प्रमोद सिंह सहित तीन के खिलाफ आरोप पत्र दायर

पल्स पोलियो के पैसों से संपत्ति खरीदने का आरोप

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : प्रवर्तन निदेशालय (इडी) ने एनआरएचएम घोटाले में प्रमोद सिंह सहित तीन के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है. आरोपितों की सूची में प्रमोद की पत्नी प्रिया सिंह और पिता आदित्य नारायण सिंह का नाम शामिल है। इन तीनों पर 9.39 करोड़ रुपये की मनी लाउंड्रिंग का आरोप लगाया गया है. इस राशि का इस्तेमाल पल्स पोलियो सहित स्वास्थ्य से जुड़े दूसरे काम में किया जाना था. इडी ने आरोपितों द्वारा किये गये अपराध को पीएमएलए की धारा 3, 4 के तहत दंडनीय बताया है। तत्कालीन चिकित्सा पदाधिकारी शशिभूषण प्रसाद और प्रमोद सिंह के संयुक्त हस्ताक्षर से एनआरएचएम के बैंक खाते से पैसा निकालने का अधिकार था. इस राशि को पल्स पोलियो, ट्रेनिंग और मानदेय में खर्च करना था.

प्रमोद सिंह ने चिकित्सा पदाधिकारी से मिल कर 9.39 करोड़ रुपये की निकासी गलत तरीके से की और इसे निजी काम में इस्तेमाल किया. अब शशि भूषण सिंह की मौत हो चुकी

है। इसके बाद प्रिया सिंह के खाते से इसे मेसर्स सहयोगी प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड के खाते में ट्रांसफर कर सहयोगी नगर में जमीन खरीदी गयी। पूछताछ के दौरान प्रमोद और प्रिया सिंह ने कहा कि जमीन खरीदने के लिए सोसायटी को जो पैसा दिया गया था वह प्रिया की मां ने दिया था। प्रमोद सिंह ने सरकारी पैसा निकाल कर मनी लाउंड्रिंग की और इससे अपनी पत्नी, पिता और माता के नाम पर संपत्ति खरीदी. इस काम के लिए उसने अपने करीबी लोगों अश्विनी कुमार शर्मा, विजय कुमार सिंह और अरुण कुमार सिंह के बैंक खातों और एटीएम कार्ड का इस्तेमाल किया। जांच पड़ताल के दौरान प्रिया सिंह ने यह दावा किया कि उसने अपनी मां से कर्ज के रूप में नकद 30 लाख रुपये लिये थे. इसका इस्तेमाल संपत्ति खरीदने में किया गया. हालांकि वह अपने दावे को साबित नहीं कर सकी। आदित्य नारायण सिंह के मुताबिक उसने कतरासगढ़ के पोस्ट ऑफिस के एक खाते का ब्योरा सबूत के तौर पर पेश किया. लेकिन जांच के दौरान वह उसके दावे के अनुरूप नहीं पाया गया। प्रमोद के पिता ने गलत तरीके से निकाले गये सरकारी पैसों में से 1.42 करोड़ रुपये का इस्तेमाल अपनी पत्नी रमापति देवी के नाम पर संपत्ति खरीदने में की।

जोड़ापोखर में घर से बाहर से मोटरसाइकिल चोरी

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

जोड़ापोखर : थाना क्षेत्र के डिगवाडीह न्यू कॉलोनी में सोमवार को सुशील कुमार सिंह की मोटरसाइकिल घर के बाहर से चोरी हो गई। श्री सिंह ने अपनी मोटरसाइकिल संख्या जेएच10 एन 2522 को घर के बाहर खड़ा कर घर के अंदर गए थे, और जब वह बाहर निकले तो मोटरसाइकिल गायब थी। सुशील कुमार सिंह ने इस घटना की लिखित शिकायत जोड़ापोखर थाना में की है। जोड़ापोखर पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी की घटना की जांच शुरू कर दी है। गौरतलब है कि जोड़ापोखर थाना क्षेत्र में मोटरसाइकिल चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, और पुलिस जल्द ही इस मामले का उद्भेदन करने का दावा कर रही है।

बलियापुर में खनिजों के अवैध खनन पर अंकुश के लिए हुई बैठक

अवैध खनन व परिवहन पर नकेल कसने के लिए प्रशासन सख्त

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

बलियापुर : बलियापुर अंचल कार्यालय में को खनिजों के अवैध खनन, परिवहन और भंडारण की रोकथाम के लिए अंचल स्तरीय खनन टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की जाएगी बलियापुर अंचल अधिकारी प्रवीण कुमार सिंह की अध्यक्षता में होगी। बैठक में क्षेत्रीय महाप्रबंधक बीसीसीएल लोदना, बस्ताकोला, समादेष्टा सीआईएसएफ बलियापुर प्रक्षेत्र, वनों का क्षेत्रीय पदाधिकारी बलियापुर, थाना प्रभारी तिसरा और ओपी प्रभारी अलकडीहा समेत अन्य पदाधिकारी शामिल होंगे।

अंचल अधिकारी ने बताया कि इस बैठक में कुछ बड़े फैसले लिए जा सकते हैं जिससे अवैध खनन, परिवहन और भंडारण पर और अधिक अंकुश लगाया जा सके। पिछले बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुपालन की समीक्षा की जाएगी और आगे की कार्रवाई पर चर्चा होगी। खनिजों के अवैध खनन और परिवहन की रोकथाम के लिए टास्क फोर्स की सदस्यों की सुरक्षा पर भी चर्चा होगी।

बीआईटी सिंदरी के प्रशासी पदाधिकारी बने डॉ बीडी यादव

सिंदरी : बीआईटी सिंदरी में एक औपचारिक कार्यक्रम के दौरान डॉ ब्रह्मदेव यादव ने संस्थान के वरीय प्रशासी पदाधिकारी का पदभार ग्रहण किया। उन्होंने कहा कि वे संस्थान के प्रशासनिक संचालन को अधिक पारदर्शी, प्रभावी और छात्रहितैषी बनाने का प्रयास करेंगे। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रो० पंकज राय ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। कई प्राध्यापकों ने उन्हें बधाइयाँ दीं।

Page 12_Page 3.qxd 4/21/2025 10:41 PM Page 1

संक्षिप्त खबर

बारात आ रही स्कार्पियो टकरायी पेड़ से, पांच घायल, दो की हालत गंभीर

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बाघमारा : फुसरो के मकोली से बारात आ रही जेएच 01 एके 4701 नंबर की स्कार्पियो बाघमारा थाना क्षेत्र के पांडेडीह के पास हरिणा- चंद्रपुरा रोड पर रविवार को देर रात 12 बजे पेड़ से टकरा कर क्षतिग्रस्त हो गयी. स्कार्पियो में सवार चालक सहित पांच लोग घायल हो गये. जिसमें से दो हालत गंभीर बतायी जा रही है. दोनों का इलाज के लिए कतरास के एक निजी अस्पताल में गये. जहां प्राथमिक उपचार के बाद परिजन रेफर कराकर बड़े अस्पताल ले गया है. बताया जा रहा है कि फुसरो के मकोली से मांदरा (बरोरा) पांच लोग स्कार्पियो से बारात आ रही थी. सभी नशे में धुर्त थे. तेज रफ्तार से आ रही स्कार्पियो का संतुलन बिगड़ गयी और पेड़ पर जा टकराई. आगे बैठे सवार ऋषिराज को गंभीर चोट लगने से खुन से लथपथ हो गये. गाड़ी में खुन बिखरे पड़े है. वहीं चालक राजू महतो को चेहरे पर गंभीर चोट लगी है. मौके पर पहुंची बाघमारा थाना के रात्रि गस्ती दल ने घायलों को गाड़ी से बाहर निकाल कर इलाज के लिए अस्पताल भेजवाया. पुलिस ने गाड़ी को जब्त कर लिया है.

त्रिशक्ति महिला समिति ने बेरोजगार को निर्गत कराया ड्राइविंग लाइसेंस

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बाघमारा : बीसीसीएल की दीक्षा महिला मंडल के अंतर्गत त्रिशक्ति महिला समिति, ब्लॉक दो क्षेत्र द्वारा सोमवार को सामाजिक दायित्वों के निर्वहन हेतु मटकुरिया स्थित चेक पोस्ट के समीप रहने वाले बेरोजगार उदय कुमार रवानी को वाहन चलाने हेतु ड्राइविंग लाइसेंस बनाकर समिति द्वारा प्रदान किया गया. उदय कुमार रवानी के पिता महेंद्र कुमार रवानी का एक दुर्घटना में दोनों पैर गंवाने पड़े थे. जिसके कारण पूरा परिवार बेरोजगार हो गया था. उनके चाय के दुकान से पूरे परिवार का भरण पोषण होता था. समिति के अध्यक्षा काकुली रॉय ने कहा कि समिति द्वारा लाइसेंस प्रदान किए जाने पर महेंद्र रवानी अपने पैरों पर खड़े होने में सक्षम होंगे.अपने परिवार का भरण पोषण करने में समर्थ होंगे. मौके पर रीना सिंह,अनीता झा,शिल्पी रानी, नूतन सिंह ,सुनीता बंदोपाध्याय,पूजा गुप्ता, नीलम प्रसाद, खुशबू रवानी आदि मौजूद थी.

शादी की खुशी मातम मे बदली, बारात निकलने से एक दिन पहले उठीं दुल्हे की अर्थी

शनिवार को सड़क दुर्घटना में हुआ था घायल, सोमवार को होनी थी शादी

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बाघमारा : बाघमारा थाना क्षेत्र के माटीगढ़ा मैगजीन घर के समीप शनिवार को हुई स्कूटी और पल्सर बाइक के बीच सीधी टक्कर में गंभीर रूप से घायल स्कूटी चालक माटीगढ़ा हटमेंटे कॉलोनी निवासी बबलु रजवार (25) की मौत रविवार को हो गयी. वह माटीगढ़ा निवासी स्व. नगिना रजवार का बड़ा पुत्र था. युवक की शादी 21 अप्रैल सोमवार को बगोदर स्थित हरिहरधाम में होने वाला था. उसकी शादी राजगीर में तय हुआ था. सुबह बारात निकलने की तैयारी हो चुकी थी. घर पर मंगल गीत और संगीत का दौर चल रहा था. लेकिने होनी को कौन टाल सकता है. शनिवार को अपने नये स्कूटी से सामान लाने के लिए से बाजार जा रहा था. इसी दौरान पल्सर बाइक के साथ उनकी जबरदस्त टक्कर हो गयी. गंभीर से घायल बबलू को उनके परिजन कतरास के एक निजी अस्पताल ले गया. जहां इलाज के दौरान रविवार को दोपहर उनकी मौत हो गयी. सुचना मिलने पर बाघमारा पुलिस शव का पोस्टमार्टम कराकर देर शाम परिजनों को सौंप दिया.मृतक का शव हाटमेंटे कॉलोनी पहुंचते ही शादी का घर मातम में बदले गया. दुल्हे की अकास्मिक मौत से कॉलोनी में सन्नाटा पसरे गया. मृतक काफी मिलनसार था . वह दैनिक मजदुरी कर अपने परिवार का पालन पोषण कर रहा रहा था. देर रात परिजन जमुनिया नदी घाट पर पास उनका दाहसंस्कार कर दिया. इस संबंध में पुलिस युडी केस दर्ज किया है.

रामकनाली में श्रमिकों की दक्षता व क्षमता के निर्माण हेतु प्रशिक्षण शिविर आयोजित

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

कतरास : रामकनाली कोलियरी एएआरसी 2 नंबर सीम हाजरी घर के सामने श्रमिकों की दक्षता एवं क्षमता निर्माण हेतु प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया. शिविर का उद्घाटन सीटू झारखंड राज्य सचिव राजेंद्र प्रसाद राजा ने दीप प्रज्वलित कर किया. प्रशिक्षण शिविर को संबोधित करते हुए दत्तोपंत ठेंगड़ी राष्ट्रीय श्रमिक शिक्षा एवं विकास बोर्ड के रीजनल डायरेक्टर चंद्रशेखर डब्ल्यू वैद्य ने कोयला खनन स्टैंडिंग आर्डर, श्रमिक की सुरक्षा, यूनियन का निर्माण, श्रम कानुन संवैधानिक अधिकार कार्य संस्कृति, श्रमिकों का कल्याण अनुदान आदि पर विस्तार पूर्वक चर्चा की. मौके पर ललन यादव, चंद्रमोहन शर्मा,गोवर्धन महतो, मंगल मांझी, रामलाल बाउरी,पिंटू विश्वकर्मा, मुन्ना भुइयां, बाल गोविन्द सिंह, योगेंद्र प्रसाद, मथुरा महतो, दिलीप रवानी, वीर बहादुर राय, जीतु महतो, ए.सी.राणा, मथुरा कुम्हार, पुरन कोल, नगेंद्र चौधरी, शंभू मांझी मुर्मु, सोमांचल स्वांई, रामेश्वर भुइयां आदि श्रमिकगण उपस्थित थे.

कार्यक्रम में महान नेता कॉ. एसके बक्शी को श्रद्धांजलि अर्पित कर प्रशिक्षण कार्यक्रम समापन की घोषणा कॉर्डिनेटर गोविन्द रवानी ने की.

डॉ. अंबेडकर जयंती सेवा सप्ताह के अंतर्गत भाजपा ने झरिया में किया संगोष्ठी का आयोजन

भाजपा ने सदैव डॉ. अंबेडकर के विचारों को लागू करने में अग्रणी भूमिका निभाई है: बाबूलाल मरांडी

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

झरिया : भारतीय जनता पार्टी धनबाद महानगर के तत्वावधान में डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती सेवा सप्ताह के अंतर्गत सोमवार को एक संगोष्ठी का आयोजन महानगर अध्यक्ष श्रवण राय जी की अध्यक्षता में झरिया अग्रवाल धर्मशाला में संपन्न हुआ.इस गरिमामयी कार्यक्रम में झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे. साथ ही मंच पर सांसद ढुल्लू महतो,धनबाद विधायक राज सिन्हा,झरिया विधायक श्रीमती रागिनी सिंह, प्रदेश मंत्री सरोज सिंह, जिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती शारदा सिंह, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजकुमार अग्रवाल, संजीव अग्रवाल, प्रदेश प्रभारी श्रीमती सुनीता दास की विशेष उपस्थिति रही.

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी जी ने कहा कि

बाबा साहेब ने हमें संविधान के रूप में जो अमूल्य धरोहर दी है, वह सामाजिक न्याय और समरसता की रीढ़ है. भाजपा ने सदैव उनके विचारों को लागू करने में अग्रणी भूमिका निभाई है.पंचतीर्थों का विकास, वंचित वर्गों के लिए योजनाओं की प्राथमिकता, शिक्षा और समानता की दिशा में ठोस कार्य ये सब भाजपा की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं. जबकि विपक्ष ने केवल उनके नाम का उपयोग कर राजनीतिक लाभ उठाने का काम किया है, बिना उनके विचारों को अपनाए.

सांसद श्री ढुलू महतो ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा साहेब का जीवन संघर्षशील और प्रेरणादायी रहा है. उन्होंने हमें सिखाया कि अधिकार मांगने से नहीं, आत्मबल और शिक्षा से मिलते हैं. भाजपा ने हर वर्ग को उसका हक देने की दिशा में सशक्त कदम उठाए हैं.

विधायक श्री राज सिन्हा ने कहा कि डॉ. अंबेडकर का संविधान के माध्यम से दिया गया समानता और न्याय का संदेश आज की लोकतांत्रिक व्यवस्था का मूल है. भाजपा उनके विचारों को धरातल पर उतार रही है.विधायक श्रीमती रागिनी सिंह ने कहा कि बाबा साहेब ने महिलाओं को सम्मान और अधिकार देने की जो पहल की. आज भाजपा सरकार उसे सशक्त नारी की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ा रही है.प्रदेश मंत्री सरोज सिंह ने कहा, कि डॉ. अंबेडकर समाज में समानता, न्याय और बंधुत्व की भावना के प्रतीक हैं.भाजपा का हर कार्यकर्ता उनके सिद्धांतों से प्रेरणा लेकर कार्य करता है. भाजपा ने उनके विचारों को न केवल अपनाया, बल्कि उन्हें सामाजिक जीवन में साकार किया.जिला महामंत्री मानस प्रसुन ने बताया कि आज का कार्यक्रम का समापन डॉ. अंबेडकर के सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने और समरस समाज निर्माण के संकल्प के साथ किया गया.

भाजपा नेता राजकुमार अग्रवाल जी ने कहा कि डॉ. अंबेडकर के विचारों को व उनके सिद्धांतों को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई जी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा ने उसे धरातल पर उतारने का कार्य किया है. कार्यक्रम का संचालन धनेश्वर महतो जी किया तथा धन्यवाद ज्ञापन श्री रामजीत भुइयां ने किया.इस संगोष्ठी में बड़ी संख्या में कार्यकताओं एवं नागरिक शामिल रहे.जिनमें प्रमुख रूप से ध्रुव हरि, विष्णु त्रिपाठी, योगेंद्र यादव, अजय निषाद, महेश पासवान, शेखर सिंह, पंकज सिन्हा, राज किशोर जेना, रीता यादव, नित्यानंद मंडल, स्वरूप भट्टाचार्य, तमाल राय, विभा सिंह,अवधेश साव, सनी रवानी, संजय कुशवाहा, रंजीत रवानी, राजाराम दत्ता, अर्जुन निषाद, बच्चा गिरी, कार्तिक महतो, दिनेश रवानी, सूर्य देव मिश्रा, ममता देवी, श्रवण राम, अनिल शर्मा, रोहित विद, अरुण गोस्वामी, गणेश साहू, अरिंदम बैनर्जी, शिवांश श्रीवास्तव, दिलीप आडवाणी, मनोज प्रसाद आदि शामिल रहे.

टासरा ओपन कास्ट प्रोजेक्ट के पुनर्वासन व पुनर्व्यवस्थापन को लेकर बैठक आयोजित

उपायुक्त ने दिया अच्छा पैकेज बनाने का निर्देश

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय के सभागार में टासरा ओपन कास्ट प्रोजेक्ट के पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन को लेकर बैठक आयोजित की गई. जिसमें पूर्व में आरएंडआर पॉलिसी के तहत लिए गए निर्णय को किस हद तक और कैसे कार्यान्वित किया जा रहा है, पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई.साथ ही भविष्य में आने वाली चुनौतियां एवं विस्थापित होने वाले लोगों को बेहतर सुविधा तथा आवश्यकता अनुसार रोजगार देने की चर्चा की गई. इसके अलावा समाज में समानता और आर्थिक मजबूती बनाए रखने के लिए नन टाइटल होल्डर को पुनर्व्यवस्थापित करने पर चर्चा की गई.बैठक में उपायुक्त ने सेल के प्रतिनिधि को बैठक में उठाए गए मुद्दों को अगली बैठक से पहले, सभी विकल्पों पर कंपनी की सहमति से एक अच्छा पैकेज बनाने का निर्देश दिया.वहीं माननीय विधायक सिंदरी ने स्थानीय लोगों को तकनीकी रूप से प्रशिक्षित कर रोजगार मुहैया कराने का अनुरोध किया. साथ ही उनको दिए जाने वाले आवास के संबंध में अपने सुझाव दिए. बैठक में सेल के महाप्रबंधक ने विस्थापित होने वाले परिवारों के लिए कई बिल्डिंग प्लान तथा विस्थापन पैकेज के संबंध में पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन से प्रस्तुति दी.बैठक में उपायुक्त सुश्री माधवी मिश्रा, माननीय विधायक सिंदरी चंद्रदेव महतो, नगर आयुक्त रविराज शर्मा, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी राम नारायण खलखो, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के महाप्रबंधक शिवाराम बनर्जी, महाप्रबंधक टासरा एसके कुरील, वार्ड 53 की निवर्तमान पार्षद श्रीमती चंपा देवी के अलावा अन्य पदाधिकारी मौजूद थे.

बरमसिया में सांपों के जोड़े की अठखेलियां देखने के लिए उमड़ी भीड़, सड़क जाम

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : बरमसिया शनि मंदिर के पास सांप के जोड़ा को प्रणय क्रीड़ा करते देखे जाने से यह दृश्य काफी मनमोहक बना रहा. जहां दो गेहुमन सांप अठखेलियां कर रहे थे. इस दृश्य को लोग अपने कैमरे में कैद कर वीडियो बनाते दिखे.लोगों का कहना था कि चिलचिलाती गर्मी में यह दृश्य काफी संयोगवश ही देखने को मिलती है. इस तरह की दृश्य देखने के लिए पूरी तरह से सड़क जाम रहा.

भुरूंगिया के एक जमीन भू-मापी के सीमांकन हेतु बाघमारा सीओ ने महुदा थाना को दिया आदेश

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

महुदा : महुदा थाना के द्वारा 18 फरवरी 2025 को बाघमारा अंचलाधिकारी को एक पत्र देकर भुरूंगिया के एक जमीन का भू-मापी कर सीमांकन करने को कहा था. मूल स्वामित्व ज्ञात करने से संबंधित पत्र के जवाब में बाघमारा अंचलाधिकारी ने महुदा थाना प्रभारी को पत्र प्रेषित कर सारी स्थिती का वर्णन करते हुए अपने स्तर से कार्रवाई करने का आदेश दिया है. अंचलाधिकारी ने पत्र में बताया है कि जांच पड़ताल करने के पश्चात वर्तमान में भुरूंगिया के उक्त भूमि का मालिकाना हक नंदरानी देवी पति पार्वती नाथ चटर्जी, करूणाशीष चटर्जी एवं वरूणाशीष चटर्जी के नाम से दर्ज है. जो न्यायलय द्वारा 11 अप्रैल 2024 को हाथुडीह निवासी प्रदीप कुमार सिंह को पावर ऑफ एटॉर्नी दिया गया है. उक्त जमीन पर दुसरे पक्ष के भुरूंगिया निवासी रुपदेव रवानी, बिरजू रवानी, शनिचर रवानी के द्वारा विवाद किया जा रहा है. अंचलाधिकारी के द्वारा दुसरे पक्ष को कागजात समर्पित करने को कहा गया था, परन्तु समय सीमा के अन्दर कोई कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका. उन्होंने थाना प्रभारी से आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया है. इस संबंध में थाना प्रभारी देवानंद प्रसाद से पुछे जाने पर उन्होंने बताया कि अंचलाधिकारी के निर्देश के अनुसार उक्त जमीन के जो भी मालिक है, अपना कार्य करें. अगर कोई व्यक्ति विवाद खड़ा करता है तो उसपर कानूनी कार्रवाई की जायेगी.

कपूरिया में सेवानिवृत्त टाटा कर्मी के घर से चोरों ने लाखों की संपत्ति चुरायी, पुलिस ने की जांच

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

महुदा : कपूरिया ओपी क्षेत्र के कृष्णापुरी कॉलोनी में बीते रात्रि अपराधियों ने पूर्व टाटा कर्मी विनय कुमार दास के बंद आवास का ताला तोड़ लाखों रुपये का सोने का जेवर व अन्य सामान चुरा कर ले गये. घर के सभी सदस्य बराकर स्थित कुल्टी में एक रिश्तेदार के घर गया हुए थे.

सुचना मिलने पर परिवार के लोग घर पहुंचे. घर के अंदर जांच करने पर पता चला कि अलमीरा का तिजोरी तोड़कर उसमें रखे दो सोने का जेवरात गायब मिले. इसके अलावा कांसा व पीतल का बर्तन भी ले गए. घर के मालिक विनय कुमार दास ने बताया कि हमलोग परिवार संग एक शादी समारोह में कुल्टी गए हुए थे. अपराधियों ने घर से लगभग 3 लाख का सामान चोरी कर ले गए है. सुचना पाकर कपुरिया ओपी पुलिस घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। इस दौरान मुहल्ले के लोगों से पुछताछ भी किया। विनय कुमार दास ने कपूरिया ओपी में लिखित शिकायत किया है. ओपी पुलिस शिकायत पत्र के आधार पर जांच पड़ताल कर रही है.

कतरासगढ़ रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म दो पर लोकल ट्रेन के ठहराव से बड़े हादसे की आशंका

रेल यात्री एक नंबर से दो नंबर आवागमन रेलपटरी पार कर ट्रेनों पर चढ़ने-उतरने से जान जोखिम का खतरा

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

कतरास : कतरासगढ़ रेलवे स्टेशन में रेल प्रबंधन के लापरवाही के कारण जान जोखिम में डालकर रेल यात्री मजबूरन दो नंबर प्लेटफार्म पर ट्रेन पकड़ रहे हैं.जबकि एक नंबर प्लेटफार्म बना हुआ है. दो नंबर प्लेटफार्म पर डीसी ट्रेन, झाड़ग्राम ट्रेन सहित कई लोकल ट्रेन को दो नंबर प्लेटफार्म पर लिया जा रहा है. जिससे आम यात्री को एक नंबर प्लेटफार्म से दो नंबर प्लेटफार्म में जान जोखिम में डालकर जाना पड़ता है. यहां तक के कई बच्चे व बुजुर्ग यात्री ट्रेन में चढ़ने से वंचित रह जाते हैं. अगर यही स्थिति रही तो वहां एक बहुत बड़ा रेल हादसा हो सकता है. कतरास प्लेटफार्म पर अभी ओवर ब्रिज का निर्माण चल रहा है अभी ओवर ब्रिज बनकर तैयार भी नहीं हुआ है.ऐसे में रेल प्रबंधन के द्वारा यात्रियों के सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर दो नंबर प्लेटफार्म पर ट्रेन को ठहराव कर यात्रियों को बिना सिढ़ी के रेलपटरी पार कर दो नंबर प्लेटफार्म पर ट्रेनों को पकड़ने के लिए जाने के लिए विवश होना पड़ रहा है. दो नंबर में ट्रेनों का ठहराव के कारण यात्री को एक नंबर से दो नंबर प्लेटफार्म आवागमन के लिए रेलवे लाइन को क्रॉस करना पड़ता है. रेलवे लाइन क्रॉस करना आसान बात नही है.

क्योंकि उसकी ऊंचाई काफी है और आम यात्री उस ऊंचाई से नीचे होकर उतारना चढ़ना आसान नहीं है. लेकिन इन सभी कठिनाइयों से रेल प्रबंधन को कोई लेना-देना नहीं है.चर्चा है कि रेल के वरीय प्रबंधक के आदेश पर ऐसा किया जा रहा है. रेल के एक कर्मचारी ने इस आदेश को न मानते हुए ट्रेन को एक नंबर प्लेटफार्म पर ट्रेन को लाया. इसका खामियाजा उस कर्मचारी को भुगतना पड़ा.

अधिकारी ने उसको वहां से अन्य जगह स्थानांतरण कर दिया. अब किसकी मजाल है कि वरीय अधिकारी के आदेश का टस से मस हो जाए. इसके बाद लगातार ट्रेन को दो नंबर प्लेटफार्म पर लगाया जा रहा है, क्यों नहीं इसमें यात्री की जान भी चली जाए, उससे उनका कोई सरोकार नहीं है. इस मामले में रेल के कोई भी पदाधिकारी इस पर अपनी प्रतिक्रिया नहीं देना चाहते. जिससे भी पुछा जाता है यह कहकर टाल देते हैं कि वरीय अधिकारी का आदेश है.

नई पत्र वार्ता पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक *राज किशोर सिन्हा के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोकनगर के जी आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं छठ तालाब विकास नगर कतरास रोड,धनबाद से प्रकाशित। फोन न.7004113115, 9334368784, 7004500339, 7004893985. प्रधान संपादक : अनुज कुमार सिन्हा। *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। निदेशक अनस रहनुमा। ई-मेल - naipatrawartajharkhand@gmail.com.आर.एन.आई नं.JHAHIN/2015/63780.